Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 69
लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

मुर्मू ने 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए

भारतीय अर्थव्यवस्था के वास्तुकार का निधन

दीपक झा। नई दिल्ली

भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। सिंह के निधन की घोषणा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली द्वारा की गई, जहां उन्हें गंभीर हालत में रात करीब 8.30 बजे आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया था। एम्स के बुलेटिन में कहा गया था कि 26 दिसंबर को 'उनका उम्र संबंधी चिकित्सा स्थितियों के लिए इलाज किया गया था और घर पर अचानक बेहोशी छाने लगी थी।' बुलेटिन में कहा गया है, 'घर पर तुरंत पुनर्जीवन उपाय शुरू किए गए। उन्हें रात 8.06 बजे एम्स दिल्ली के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।' सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा, सात दिनों का राष्ट्रीय शोक मनाया जाएगा। 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में दो कार्यकालों तक प्रधानमंत्री रहे सिंह पिछले कुछ महीनों से खराब स्वास्थ्य में थे। उनके परिवार में पत्नी गुरचरण सिंह और तीन बेटियाँ हैं। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलते ही कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और उनकी मां सोनिया गांधी अस्पताल पहुंच गईं। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के कार्यकाल में वित्त मंत्री रहे सिंह 1991 में आर्थिक सुधारों के निर्माता और विचारक थे, जिसने भारत को दिवालियापन के कगार से निकाला और आर्थिक उदारीकरण के युग की शुरुआत की, जिसके बारे में व्यापक रूप से माना जाता है कि इसने भारत की आर्थिक प्रगति की दिशा बदल दी। सिंह का निधन उस समय हुआ जब कांग्रेस पार्टी कर्नाटक के बेलगावी में अपनी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक समाप्त कर रही थी, जहां पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद थे। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी बेलगावी से दिल्ली पहुंचे, जिसके बाद देश भर से पार्टी के कई शीर्ष नेता और कार्यकर्ता भी पहुंचे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। मुर्मू ने एक बयान में कहा, 'डॉ. मनमोहन सिंह जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान रूप से काम किया। सार्वजनिक कार्यालयों में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन और उनकी अत्यंत विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं भारत के सबसे महान सपूतों में से एक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।'

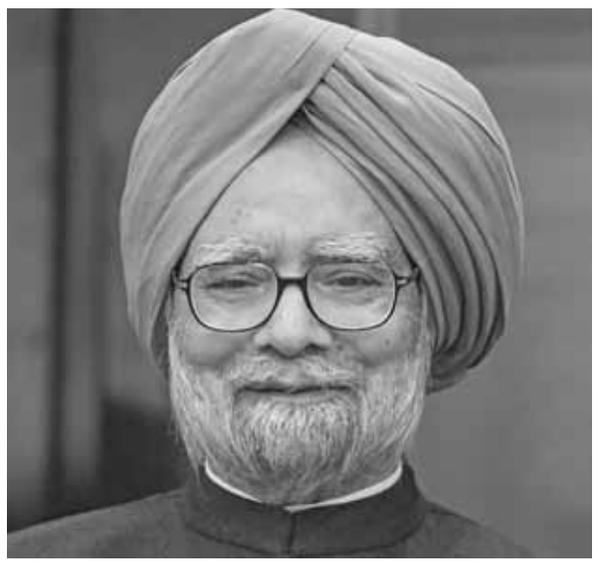

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टिप्पणी की कि 'हमने शासन से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया; उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता हमेशा दिखाई देती थी।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, एक बेदाग ईमानदारी वाले नेता को खो दिया है।' प्रियंका गांधी ने कहा, 'राजनीति में बहुत कम लोग सरदार मनमोहन सिंह की तरह सम्मान की भावना रखते हैं। मनमोहन सिंह की ईमानदारी हमेशा हमारे लिए प्रेरणा रहेगी। अनुचित, गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद वे राष्ट्र की सेवा करने की प्रतिबद्धता में दृढ़ रहे।' उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने सोशल मीडिया पर डॉ सिंह के निधन की घोषणा की। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा कि उन्होंने एक मार्गदर्शक खो दिया है क्योंकि उनके जैसे लाखों लोग डॉ सिंह की प्रशंसा करते थे जिन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, 'मनमोहन सिंह जी ने बहुत ही बुद्धिमत्ता और ईमानदारी के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया। श्रीमती कौर और उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।' नौकरशाही और राजनीति में उनके पाँच दशक के करियर की समय-सारिणी यहाँ दी गई है। 1954 पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की 1957 कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से इकोनॉमिक ट्रिपोस (3 वर्षीय डिग्री प्रोग्राम) 1962 ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डी. फिल. 1971 वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में भारत सरकार में शामिल हुए 1972 वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार नियुक्त 1980-82 योजना आयोग के सदस्य रहे। 1982-1985 भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर 1985-87 योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया 1987-90 जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव 1990 आर्थिक मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार नियुक्त मार्च 1991 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष नियुक्त नरसिम्हा राव सरकार 1998-2004 राज्यसभा में विपक्ष के नेता 2004-2014 भारत के प्रधानमंत्री रहे।

कांग्रेस-आप की जंग, इंडिया गुट की मुसीबत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच बढ़ती दरार अब खुलेआम दुश्मनी में बदल गई है, जिससे गठबंधन की नींव कमजोर पड़ गई है। आप ने बृहस्पतिवार को धमकी दी कि अगर कांग्रेस दिल्ली कांग्रेस के नेता अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है, तो वह इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बात कर कांग्रेस को गठबंधन से बाहर कर देगी। माकन ने पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी और उन्हें 'राष्ट्र विरोधी' कहा था। आप नेताओं ने अब मांग की है कि कांग्रेस 24 घंटे के भीतर माकन और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करे। कांग्रेस पर सभी सीमाएं लांघने का आरोप लगाते हुए राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री आतिशी के साथ चेतावनी दी कि आप ने अपने नेतृत्व को 24 घंटे के भीतर माकन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया है, ऐसा न करने पर आप कांग्रेस को इंडिया ब्लॉक से बाहर करने की मांग करने पर मजबूर होगी। सिंह ने कहा, 'हम गठबंधन में शामिल अन्य दलों से कांग्रेस को हटाने के लिए कहेंगे।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस की दिल्ली इकाई अगले साल की शुरुआत में होने वाले दिल्ली चुनावों में आप की हार सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम कर रही है। आतिशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची भाजपा द्वारा तैयार की जा रही है और उन्हें धन भी भाजपा द्वारा ही मुहैया कराया जा रहा है।

यह दोनों पक्षों की ओर से बढ़ते तनाव और आरोपों के बीच हुआ है, जिससे विपक्षी गुट और कमजोर हो रहा है। आप की नाराजगी का कारण केजरीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में कांग्रेस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर है, जिसमें उन पर गैर-मौजूद कल्याणकारी योजनाओं के वादों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं अजय माकन और संदीप दीक्षित द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक पर अपमानजनक टिप्पणी करके जनता को 'गुमराह और धोखा' देने का आरोप लगाया गया है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान तनाव और बढ़ गया, जब इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को बदलने के बारे में सुगबुगाहट शुरू हुई, जिसमें राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद सहित कुछ लोगों ने ममता बनर्जी को कमान संभालने का सुझाव दिया। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आरजेडी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), शिवसेना (यूबीटी) और आप जैसी पार्टियों से मिलकर बने इंडिया ब्लॉक को एकता की अहम परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। आप द्वारा अपने सहयोगियों के साथ बातचीत करने का फैसला मौजूदा संकट को और गहरा कर सकता है। (शेष पृष्ठ 9)

अरविंद केजरीवाल खो सकते हैं एनडीएमसी की सदस्यता

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख योजना आयुष्मान भारत को लागू करने में विफल रहने के लिए निंदा प्रस्ताव पारित किया। परिषद उनकी सदस्यता रद्द करने के लिए विधि विभाग से कानूनी राय मांग रही है, क्योंकि वह बैठकों में शामिल नहीं हो पाए हैं। आप संयोजक परिषद के पदेन सदस्य हैं, जो गृह मंत्रालय (एमएचए) के अंतर्गत आता है, क्योंकि वह नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। केजरीवाल लगातार चौथी बार नई परिषद की बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं, जबकि पहली बैठक 9 नवंबर को हुई थी और वह शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल नहीं हुए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर हर तरफ से हमला बोलते हुए एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने परिषद की बैठकों में उनके अनुपस्थित रहने के मुद्दे को उठाया और कहा कि इस मामले में विधि विभाग से परामर्श किया गया है और मामले की वैधता के बारे में अगली साप्ताहिक बैठक में जवाब दिया जाएगा। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, विभाग का जवाब मिलने के बाद अगली परिषद बैठक में इस मामले को उठाया जाएगा। बैठक में आप प्रमुख के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया। परिषद के सदस्यों ने 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान' और 'संजीवनी योजना' में धोखाधड़ी को लेकर केजरीवाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया। चहल ने कहा, 'केजरीवाल अपने निजी और राजनीतिक कारणों से प्रधानमंत्री द्वारा लागू की गई आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली के नागरिकों तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं।' नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, जो एनडीएमसी की सदस्य भी हैं, बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने ट्वीट किया, आज मैंने परिषद के अधिकारियों के साथ एनडीएमसी की साप्ताहिक बैठक में भाग लिया। बैठक में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू न करके जनहित की उपेक्षा करने की निंदा करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। चहल ने यह भी बताया कि 25 मई, 2022 को परिषद ने एक बैठक में नई दिल्ली क्षेत्र के निवासियों के लिए (शेष पृष्ठ 9)

कांग्रेस की बैठक में भारत के गलत मानचित्र से विवाद

पायनियर समाचार सेवा। बेलगावी/नई दिल्ली

कर्नाटक के बेलगावी में 1924 के कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी मनाने के लिए कांग्रेस द्वारा लगाए गए पोस्टरों पर भारत के मानचित्र को कथित रूप से गलत तरीके से दर्शाए जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे कांग्रेस की 'वोट बैंक' की राजनीति करार दिया है। कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने शताब्दी समारोह के जश्न के तहत बेलगावी शहर में ये पोस्टर लगाए हैं। भाजपा के अनुसार, पोस्टरों पर दिखाए गए भारतीय मानचित्र में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित क्षेत्र के साथ-साथ अक्साई चिन क्षेत्र को भी शामिल नहीं किया गया है, जो वर्तमान में चीनी प्रशासन के अधीन है, जो जम्मू और कश्मीर का अभिन्न अंग हैं। कांग्रेस ने कहा कि कर्नाटक के बेलगावी में महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस की बागडोर संभालने के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों से सत्तारूढ़ राष्ट्रीय पार्टी बुरी तरह घबरा गई है और नाराज है। कांग्रेस ने केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी से ओछे बहाने बनाना बंद करने को कहा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा

सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, '(नाथूराम) गोडसे की विचारधारा, जिसने भारतीय संविधान को नकार दिया और छह दशकों से अधिक समय तक तिरंगा नहीं फहराया, उसे ओछे बहाने बनाना बंद कर देना चाहिए।' भाजपा ने कांग्रेस पर अपने पोस्टरों में भारत का नक्शा प्रदर्शित करने के लिए निशाना साधा, जिसमें जम्मू-कश्मीर में अक्साई चिन शामिल नहीं था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने भारत के विकृत नक्शे का इस्तेमाल किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से पहले कांग्रेस ने भारत के विकृत मानचित्र के साथ स्वागत बैनर लगाए और पार्टी से पूछा कि क्या वह अमेरिका स्थित (शेष पृष्ठ 9)

ईसी ने जारी किया विश्व का सबसे बड़ा चुनावी डेटासेट

राजेश कुमार। नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसी) ने बृहस्पतिवार को 2024 के लोकसभा और इस साल होने वाले चार राज्य विधानसभा चुनावों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी डेटासेट जारी किया। इस कदम का उद्देश्य देश की चुनावी प्रणाली में 'सार्वजनिक विश्वास' को बढ़ाना था, ऐसे समय में जब विपक्ष मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज और अन्य चुनाव दस्तावेजों तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए अपने नियमों में बदलाव करने के बाद इसकी विश्वसनीयता पर संदेह जता रहा है। चुनाव निगरानी संस्था के सूत्रों ने कहा कि चूंकि एक राष्ट्र एक चुनाव को संसद में पेश किया गया है और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) इसकी निगरानी कर रही है, इसलिए यह डेटा हितधारकों को देश में महत्वाकांक्षी एक साथ चुनाव कराने के मार्ग पर चलने में मदद करेगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इस तरह के विस्तृत डेटा दुनिया भर के लोकतंत्रों में किसी भी चुनाव प्रबंधन निकाय द्वारा साझा नहीं किए जाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा, यह स्वप्रेरणा पहल जनता के विश्वास को बढ़ाने के लिए है जो भारत की चुनावी प्रणाली का आधार है। चुनाव आयोग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी 2024 के लोकसभा चुनावों से संबंधित 40 सांख्यिकीय रिपोर्टों से पता चला है कि इस साल हुए लोकसभा चुनावों में छह राष्ट्रीय दलों ने कुल वैध मतों का 63 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हासिल किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीआई (एम), आम आदमी पार्टी (आप) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) छह राष्ट्रीय दल हैं। छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के अलावा, (शेष पृष्ठ 9)

फर्जी वोटर आईडी मामले में दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया केस

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नए मतदाता पंजीकरण और पता बदलने के उद्देश्य से मतदाता पहचान पत्र आवेदनों में जालसाजी के संबंध में चार व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसके बाद चुनाव कार्यालय ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग में ऐसे संदिग्ध मामलों को उनके समक्ष चिन्हित किया। बुधवार को चुनाव आयोग ने दिल्ली पुलिस को ऐसे चार संदिग्ध मामलों की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने धारा 336 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और धारा 340 बीएनएस (जाली दस्तावेजों को असली के रूप में उपयोग करना) के तहत मामले दर्ज किए। ओक्ला विधानसभा क्षेत्र के चुनाव पंजीकरण अधिकारी द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'आपको सूचित किया जाता है कि कुछ आवेदकों ने फर्जी तरीके से फॉर्म-6 और फॉर्म-8 के माध्यम से मतदाता पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा किए हैं। इन आवेदकों ने अपने आवेदनों के समर्थन में झूठे दस्तावेज अपलोड किए हैं, जिनके साथ छेड़छाड़ की गई है।'

आरोपियों में जाली आधार कार्ड जमा करने के लिए मोहम्मद जमील आलम और छेड़छाड़ किया हुआ बिजली बिल जमा करने के लिए किसुनसे, मोहम्मद नईम और सबाना खातून शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) रवि कुमार सिंह ने कहा, 'दिल्ली पुलिस, शाहीन बाग थाने ने एसी-52 (ओखला) के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) से प्राप्त शिकायत के बाद मामला दर्ज किया है। शिकायत में मतदाता पहचान पत्र आवेदनों में जालसाजी के गंभीर मामलों को उजागर किया गया है, जहां चार व्यक्तियों द्वारा नए मतदाता पंजीकरण और पते में बदलाव के उद्देश्य से फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे।' उन्होंने कहा कि आवेदकों ने मतदान के उद्देश्य से अपने पंजीकृत पते को बदलने और निर्वाचन क्षेत्र में नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करने के लिए इन दस्तावेजों का दुरुपयोग करने का प्रयास किया। डीसीपी ने कहा, 'आरोपी व्यक्तियों और इन धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल किसी भी संभावित सहयोगी या नेटवर्क की पहचान करने के लिए जांच जारी है।' ईआरओ ने अपने पत्र में कहा, 'यह पाया गया है कि आवेदकों ने पहचान और निवास के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड और बिजली बिल सहित दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करके अधिकारियों को धोखा देने का प्रयास किया है।' इसे 'गंभीर अपराध' बताते हुए, उन्होंने कहा कि आवेदकों ने मतदाता सूची में हेरफेर करने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी और दस्तावेज प्रदान किए हैं। (शेष पृष्ठ 9)

आरजे सिमरन सिंह घर में मृत मिलीं

संजय मेहरा। गुरुग्राम

जम्मू की धड़कन नाम से मशहूर आरजे (रेडियो जॉकी) व इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर सिमरन सिंह का यहां किराए के घर में मृत पायी गई। उसका शव फंदे से लटका हुआ मिला। सिमरन सिंह रेडियो मिर्ची में भी आरजे रह चुकी थी। उनकी मौत की खबर सुनकर उनके फैंस में भी शोक की लहर दौड़ गई। सिमरन सिंह के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोवर हैं। जानकारी के अनुसार आरजे सिमरन सिंह जम्मू के गांव नानक नगर की रहने वाली थी। वह सेक्टर-47 गुरुग्राम स्थित स्थित मकान नंबर-58 में अपने कुछ दोस्तों के साथ किराये पर रहती थी। वह अपने कमरे में फंदे पर लटकी मिली। सिमरन के एक दोस्त ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। सिमरन के दोस्त ने पुलिस को बताया कि सिमरन ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था। वह दरवाजा नहीं खोल रही थी। पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो सिमरन सिंह फंदे पर लटकी हुई थी। यह घटना बुधवार की है। उसे नजदीक के पार्क अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरजे सिमरन सिंह की मौत की सूचना परिवार को दे दी गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। सिमरन के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिससे कि मौत के कारणों का पता चल सके। पारिवारिक सदस्यों का कहना है कि वह कुछ समय से परेशान थी। सिमरन की मौत के संबंध में परिवार ने भी पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी है। सिमरन ने रेडियो मिर्ची में भी काम किया था।

गहरे समुद्र से बाहरी अंतरिक्ष तक, भारतीय रचेंगे इतिहास

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

भारत 2026 में अपने पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए कमर कस रहा है, उसी साल गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना भी बन रही है, जिससे देश के अग्रणी वैज्ञानिक प्रयासों में कौशल का प्रदर्शन होगा। इसका खुलासा करते हुए केंद्रीय विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने कहा, '... एक भारतीय वहां और एक भारतीय गहरे समुद्र में। यह एक तरह का रिकॉर्ड होगा।' उन्होंने देश के 'विकसित भारत' बनने की यात्रा में समुद्री अन्वेषण के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया। सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) में '2004 के हिंद महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में' बोलते हुए कहा कि केंद्र गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना बना रहा है, जो संभवत: 2026 की शुरुआत में मानव अंतरिक्ष मिशन के साथ मेल खाएगा। मंत्री ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में डीप सी मिशन का जिक्र किया था। सिंह ने कहा, 'हम गहरे समुद्र में एक मानव भेजने की भी योजना बना रहे हैं। (शेष पृष्ठ 9)

गैंग्स ऑफ गुरुग्राम से रहें सतर्क, अब तक 200 पकड़े

परवेश शर्मा। गुरुग्राम

विभिन्न अपराधों में शामिल सक्रिय गिरोहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने इस साल 1 जनवरी से 13 दिसंबर के बीच 80 गिरोहों के 200 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आंकड़ों का खुलासा करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 406 मामले भी दर्ज किए गए और उनके कब्जे से 3.67 करोड़ रुपये भी बरामद किए गए।

गुरुग्राम पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए आरोपी मुख्य रूप से डकैती, घर में सेंधमारी, चोरी, वाहन चोरी, स्नैचिंग, एटीएम धोखाधड़ी, हत्या और अन्य मामलों में शामिल थे। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा की टीमें और पुलिस स्टेशन की टीमें इन अपराधियों को पकड़ने और उनसे भारी मात्रा में रकम बरामद करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं।' इस बीच, पुलिस ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर इन अपराधियों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया गया था। पकड़े गए अपराधियों में से कई लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। एसीपी (क्राइम) वरुण दहिया ने कहा, 'हमने अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अदालतों, स्रोतों और अन्य इनपुट से डेटा एकत्र करके ऐसे

अपराधियों की पहचान की। हमारा मानना है कि ऐसे तत्व शहर के लिए खतरा बन सकते हैं और कानून व्यवस्था को बाधित कर सकते हैं या किसी भी अपराध को अंजाम दे सकते हैं।' उन्होंने कहा कि लोगों में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुनिश्चित करने के लिए घोषित अपराधियों (पीओ), बेल जंपर्स और साथ ही अन्य खूंखार अपराधियों के खिलाफ इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। दहिया ने कहा कि अपराध से निपटने और उसे रोकने के लिए विशिष्ट जानकारी और जन सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस और जनता के बीच सहयोग विभिन्न अपराधों में लिप्त अपराधियों की जांच और उन पर मुकदमा चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए विशिष्ट स्रोतों से सूचना मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। हमारा मानना है कि ऐसे तत्व शहर के लिए खतरा बन सकते हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। (शेष पृष्ठ 9)

सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक, लड़ाने वालों से सावधान रहना चाहिए: योगी

● मुख्यमंत्री आवास पर किया गया वीर बाल दिवस का मुख्य आयोजन, ऐतिहासिक समागम व 11000 सहज पाठ का हुआ शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार-दस परिवार ही बचे हैं। जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है। सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनका आशीर्वाद हमारी प्रेरणा है। उस प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे, तब किसी ननकाना साहिब के लिए आंदोलन-संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि वह हमें स्वतस्फूर्त भाव से प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) का मुख्य आयोजन किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक समागम व 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र-शत्रु पहचानने की ताकत दें। सीएम ने कहा कि 2019 में गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद-कीर्तन कार्यक्रम हुआ था। उसके उपरांत 2020 से अनवरत वीर बाल दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। अब यह पूरे देश का आयोजन हो गया है। आज की तिथि पर गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे (बाबा जोरावर सिंह-फतेह सिंह) वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे (बाबा अजीत सिंह-जुझार सिंह) शहादत को प्राप्त हुए। मां गुजरी इसे बहुत अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाईं। इन लोगों पर उस समय क्या बीता होगा, यह दर्द कोई महसूस नहीं कर सकता, फिर भी एक ही लक्ष्य था कि देश व धर्म पर आंच नहीं आने देंगे। इसके लिए गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने शहादत देकर देश व धर्म की रक्षा की पक्की नींव खड़ी की। जिस पर न केवल आज भी सिख पंथ, बल्कि पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है। सीएम ने कहा कि सिख पंथ की शुरुआत ही देश व धर्म के लिए हुए थी। गुरु नानक देव ने सबसे पहले बाबर के अत्याचार का विरोध किया था। लाहौर में गुरु अर्जुन देव का बलिदान जहांगीर के अत्याचार से बचाने के लिए था। गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश नहीं झुकने दिया, इसलिए आज कश्मीर भारत का हिस्सा और शीश बना हुआ है। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने अपनी आंखों के सामने अपने पुत्रों और पिता को बलिदान होते देखा। सीएम ने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज, चार साहिबजादों से लेकर पंच प्यारों तक, सिख गुरुओं का इतिहास देश व धर्म के लिए शहादत का इतिहास है। यह केवल कौम का नहीं, देश का इतिहास है। यह भारतवासियों के लिए प्रेरणा है। जाति-पाति का भेदभाव समाप्त हो, इसके लिए गुरुनानक ने शबद-कीर्तन की प्रेरणा दी। मिल-बांटकर खाने के लिए जिस लंगर की शुरुआत की, उसका अनुसरण आज भी हर गुरुद्वारा कर रहा है। गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव ही समृद्धि व खुशहाली का कारण बनता है। भेद परिवार में नहीं, शत्रु-मित्र में होता है। इस भेद को पहचानने की आवश्यकता है। सीएम ने कहा कि यह वर्ष गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी वर्ष है। लखनऊ का सौभाग्य है कि गुरु तेग बहादुर जी गुरु गोबिंद सिंह को लेकर यहां आए थे। सीएम ने कहा कि इस ऐतिहासिक परंपरा को मजबूती देने के लिए नगर निगम के साथ बैठकर सुंदरीकरण की विस्तृत कार्ययोजना बननी चाहिए। पैसा हम उपलब्ध कराएंगे, लेकिन एक-दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी न डालें। राज्य सरकार, नगर निगम, विकास प्राधिकरण की जमीन में हाईराइज बिल्डिंग या मॉल बनाकर दुकानदारों का पुनर्वास करें। ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े गुरुद्वारे का सुंदरीकरण होना चाहिए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने आलमबाग गुरुद्वारे से लाई गई श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप को समागम स्थल पर स्थापित किया और कार्यक्रम के पश्चात पंगत में बैठकर लंगर छका।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक राजीव गुंबर, नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, हरि सिंह ढिल्लो, सुभाष यदुवंश समेत सिख समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ नए रोजगार भी उपलब्ध कराएगा नए भारत का नया यूपी

● सीएम योगी ने रोजगार सृजन को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर रोजगार सृजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर पर सीएम के समक्ष विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं संस्थान के प्रतिनिधियों ने रोजगार सृजन की संभावनाओं और योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अपने-अपने विभाग में ठोस कार्य योजना के अनुरुप रोजगार सृजन के निर्देश दिये। साथ वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के कार्यों को और गति देने के लिए विषय विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जाए। इससे नये भारत का नया उत्तर प्रदेश इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ नये रोजगार के अवसर उपब्लध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुसार समयबद्ध तरीके से रोजगार उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। ऐसे में स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर तैयार किये जाएं। उन्होंने अधिकारियों को युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए सेक्टरवाइज कार्य कर रही है। इसके लिए 10 सेक्टर में बांटकर कार्य किये जा रहे हैं। वहीं इन सेक्टर्स के साथ प्रदेश के सभी विभागों को इंटीग्रेट किया गया। इन कार्यों की समीक्षा हर तीन में मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वयं की जाती है तथा हर माह संबंधित मंत्री द्वारा समीक्षा की जाती है। वहीं 15 दिन में विभाग के प्रशासनिक प्रमुख द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाती है। सीएम ने कहा कि वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के कार्यों की सीएम डैशबोर्ड द्वारा निगरानी की जा रही है। उन्होंने विभिन्न संस्थानाओं के प्रतिनिधियों को सीएम डैशबोर्ड का निरीक्षण का आग्रह किया ताकि उन्हे प्रदेश सरकार की कार्यशैली से अवगत कराया जा सके।

सीएम योगी से मिला व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ व्यापार मण्डल का एक 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विभागों में आ रही व्यापारिक समस्याओं जैसे जीएसटी, मण्डी, नगर-निगम, जलनिगम, विजली आदि से सम्बन्धित का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा, और सभी विन्दुओं पर विस्त्रत चर्चा की।

अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने ज्ञापन के सभी विन्दुओं को पढ़कर सुनाया और समस्याऐं गिनाईं। जिसमें मुख्य रूप से अधिकारियों द्वारा पोर्टल पर सिर्फ ई-वेबिल कैन्सिल की सूची देखकर नोटिस जारी करना जबकि ऑनलाइन सिस्टम होने पर जीएसटी पोर्टल पर देखा जा सकता है। बिल एवं ई-वेबिल के सापेक्ष में कौन सा बिल कितनी देर में बनाया गया है फिर भी अधिकारी द्वारा नोटिस जारी करना उचित नहीं है। व्यापारी के हर कार्य को सन्देहात्मक मानते हुए नोटिस देकर व्यापारी को परेशान करने हेतु कार्य कर रहे अधिकारी सरकार एवं व्यापारियों में अविश्वास की भावना उत्पन्न कर रहें है। विभाग के अधिकारियों के द्वारा फैक्ट्री मालिको के गेट एवं फैक्ट्री पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे के एक्सेस को मांग रहे है जोकि अनुचित है, न कोई लिखा पढ़ी मे देने को तैयार है, न ही कोई आदेश दिखाने को तैयार है, मनमाने ठंग से व्यापारी का उत्पीड़न कर रहें है जोकि अनुचित है, एवं व्यापारी की निजता एवं सुरक्षा का उलंघन है, वर्ष 2017 में जीएसटी लागू हुई थी, राज्य में अभी राज्यकर के ट्रिब्यूनल का गठन भी नहीं हो पाया है जिससे छोटे-छोटे व्यापारियों को हाईकोर्ट का रूख करना पड़ता है, ऐसे में ट्रिब्यूनल का गठन किया जाय ताकि छोटे-छोटे व्यापारी ट्रिब्यूनल में अपने अपील को दाखिल कर निस्तारित करा सकेंगे। अधिकारियों के द्वारा मौखिक आदेश देकर शत-प्रतिशत स्कुटनी के आदेश दिये गये है जोकि न्यायोचित नहीं है जीएसटी अधिनियम में 25 प्रतिशत स्कुटनी उन्हीं लोगों की होती है जिनको कम्प्यूटर साफ्टवेयर अपने आप चिन्हित करता है।अन्य प्रान्तों की भांति उत्तर प्रदेश में भी मण्डी गेट पास समाप्त किया जाय। जब हम आपके पोर्टल पर विक्रीकृत माल पर 9आर जनरेट कर रहे हैं तो फिर गेट पास की आवश्यकता क्यों?, मंडी विभाग में ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद व्यापारियों को कई जींस पर एक ही व्यापारी को एक साथ बेंचने पर अलग-अलग जींस का 9आर काटना पड़ता है। कृपया पोर्टल पर मल्टीबिल जींसों की 9आर काटने की व्यवस्था लागू हो। जीएसटी के ई-वेबिल की भांति एक ही 9आर में समान बहुजिंस जारी करने की व्यवस्था मंडी पोर्टल पर प्रदान की जाय।जीआईएस सर्वे के मनमाने ठंग एवं त्रुटिपूर्ण कर निर्धारण कर वर्ष 2022 में जीआईएस सर्वे के अनुसार टैक्स बढ़ा दिये गये है गलत बने बिल को अधिकारियों द्वारा डोर टू डोर जाकर बिल को सही कर उपभोक्ता को दिया जाय ताकि वह अपना सही बिल जमा कर राज्य हित में अपनी हिस्सेदारी निभा सके। लखनऊ इम्प्रूवमेन्ट द्वारा लीज पर दिये गये तमाम औद्योगिक एवं आवासीय स्थानों की लीज समाप्त हो चुकी है, उसका मूल्य निर्धारित कर जल्द से जल्द फ्री होल्ड की व्यवस्था की जाय ताकि सरकार को राजस्व प्राप्त हो सके तथा जनता के मन में जो भय व्याप्त है उससे मुक्ति मिले।

प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र,अनिल वर्मानी, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता महामंत्री विनोद अग्रवाल, अनुराग मिश्र, अभिषेक खरे, उमेश शर्मा, जितेन्द्र सिंह चौहान, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता आदि उपस्थिति रहे।

सुशासन दिवस पर कन्नौज पुलिस हुई डिजिटल

● यूपी की पहली डिजिटल पुलिस बनने का मिला खिताब

डीजीपी ने किया ई-ऑफिस का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशान्त कुमार ने वर्चुअल कान्फ्रेन्सिग के मध्यम से सुशासन दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कन्नौज अमित कुमार आनन्द के पर्यवेक्षण में जनपद कन्नौज में क्रियान्वित ई-ऑफिस का उद्घाटन कर शुभारंभ किया। डीजीपी ने प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में पुलिस अधीक्षक कन्नौज के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि कन्नौज पुलिस ने ई-ऑफिस क्रियान्वित करने वाला प्रदेश का पहला जनपद बनने की उपलब्धि प्राप्त की है।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन को उत्तर प्रदेश में योगी सरकार तेज गति से अमली जामा पहनाने में जी-जान से जुटी हुई है। इसी के तहत सुशासन दिवस 25 दिसंबर के अवसर पर कन्नौज पुलिस के सभी थाने मोटी-मोटी फाइलों के जंजाल से मुक्त हो गये। इसी के साथ कन्नौज पुलिस पूरे प्रदेश में पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां सारे थाने ई ऑफिस सिस्टम प्रणाली पर पूरी तरह से काम करते नजर आ रहे हैं। यहां कागजों पर लिखा-पढ़ी का दौर अब गुजरे जमाने की बात हो गया है। दरअसल, स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा की ओर कदम बढ़ाते हुए कन्नौज पुलिस सभी थानों, सीओ ऑफिस और एडिशनल ऑफिस समेत तमाम पुलिस ऑफिसेज में ई-ऑफिस सिस्टम को लागू कर दिया है। कन्नौज एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में तकनीकी सुधार और आधुनिकरण की दिशा में बड़े कदम उठाये जा रहे हैं। इसी दिशा में कन्नौज पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए सभी थानों को 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर पूरी तरह से डिजिटल करते हुए ई ऑफिस से जोड़ दिया है। इस पहल के तहत थानों में मोटी-मोटी फाइलों का जमाना खत्म हो गया है और ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुचारू रूप से संचालित हो गये हैं। वहीं कन्नौज उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां सभी पुलिस थानों और कार्यालयों में शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली पर काम शुरू हो गया है।

जंगलराज में बदल चुका है भाजपाराज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपाराज जंगलराज में बदल चुका है। कानून व्यवस्था तार-तार है। मुख्यमंत्री के तमाम बड़े-बड़े दावों के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। महिलाओं-बच्चियों को रोज अपमानित होना पड़ रहा है। पुलिस थानों में भी भ्रष्टाचार, बलात्कार का बोलबाला है। पुलिस हिरासत में मौतों में प्रदेश अव्वल नम्बर पर हो गया है।

मुख्यमंत्री ने सत्ता में आते ही दावा किया था कि अपराधी या तो जेल में होंगे या फिर प्रदेश से बाहर चले जाएंगे। सार्वजनिक छेड़छाड़ रोकने के लिए रोमियो स्क्वाड बनाने का एलान किया लेकिन इन दावों-एलानों के बाद भी महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराध की घटनाएं बढ़ती गयी है। वाराणसी में 8 साल की बच्ची की अपहरण के बाद हत्या की घटना विचलित करने वाली है। बच्ची की लाश प्राइमरी स्कूल में बोरी में मिली। बच्ची घर से कुछ सामान लेने दुकान गई थी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि राजधानी लखनऊ का हाल तो और भी बुरा है। शासन-प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए चिनहट स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में सेंध लगाकर 42 लॉकर काट कर अपराधी लूट ले गए। एटीएम की लूट भी हुई। चोरियां तो आए दिन की बातें हैं। ज्वैलर्स की दूकानों से माल पार करने की घटनाएं अक्सर होती हैं। महिलाओं के साथ छेड़छाड़, और लूट की घटनाएं आम है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अपराध नियंत्रण के लिए जो व्यवस्थाएं की गई थी उन्हें भाजपा सरकार ने पूरी तरह से चौपट कर दिया है। न्यूयार्क की तर्ज पर यूपी डायल 100 पुलिस सेवा शुरू करने के पीछे रिस्पांस सिस्टम को आधुनिकतम बनाना था। पुलिस को नए उपकरण और नई गाड़ियां दी गई थी।

देश संविधान से चलेगा, मनु स्मृति से नहीं: पुनिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांगेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग कि लखनऊ एवं फैजाबाद मंडल के प्रदेश पदाधिकारियों एंव जिला/ शहर अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक विभाग के चेयरमैन तनुज पुनिया सांसद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का आरंभ तनुज पुनिया ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। बैठक में उपस्थित उक्त मंडलों के जिलों से आए प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला/ शहर अध्यक्षों ने संगठन को और अधिक गतिशील बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक का संचालन अनुसूचित जाति विभाग लखनऊ के अध्यक्ष विषम सिंह ने किया।

तनुज पुनिया ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी कांग्रेस संगठन की रीढ़ हो, संगठन को मजबूत करने में आप सभी का विशेष योगदान रहा और मैं आशा करता हूं कि वह आगे भी निरंतर जारी रहेगा। पुनिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि दलितों के कार्यक्रम में बुद्धजीवियों तथा कांग्रेसी विचारधार को मानने वाले लोगों को कांग्रेस संगठन से अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित भारतीय संविधान को लेकर भाजपा जो गलत बयानबाजी कर रही है उसे कतई स्वीकार नहीं किया जायेगा और इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। पुनिया ने कहा कि देश संविधान से चलेगा मनु स्मृति से नहीं। पुनिया ने कहा अभी हाल ही में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब पर घृणित टिप्पणी कर उनका अपमान जो किया गया है जिससे देश का दलित, शोषित, वंचित समाज बुरी तरह से आहत है और आक्रोशित है। भाजपा के नेताओं द्वारा पूर्व में भी संविधान को बदलने की साजिश की जा चुकी है।

भाजपा के नेताओं द्वारा लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा दिया जाना इस बात का संकेत था कि यदि भाजपा प्रचंड बहुमत में आई तो संविधान को बदलने का प्रयास करेगी। परंतु इस देश की देवतुल्य जनता ने भाजपा को सबक सिखाते हुए उनके 400 पार के नारे को जमींदोज कर सबक सिखाने का काम किया।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का अब तक 98 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

लो लैंड के कारण जहां सामान्य सड़क बनाना ही दुरूह था, वहां योगी सरकार ने एक्सप्रेसवे बना दिया है। यह एक्सप्रेसवे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृढ़ संकल्प की नजीर भी है। यूं तो यह एक्सप्रेसवे गोरखपुर से आजमगढ़ के बीच चार जिलों से गुजरता है लेकिन इसकी कनेक्टिविटी से राजधानी लखनऊ की राह भी और आसान हो रही है। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की इस शानदार सौगात का नाम है गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे। इसका 98 प्रतिशत काम पूरा होने के साथ वाहनों का आवागमन भी होने लगा है। प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर लगातार काम कर रही योगी सरकार नए साल में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर आवागमन की पूर्ण सुविधा के साथ इसका औपचारिक लोकार्पण भी करने की तैयारी में है। इस एक्सप्रेसवे से गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ, आगरा एवं दिल्ली तक त्वरित एवं सुगम यातायात कॉरिडोर से जुड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से एक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर बाईपास एनएच- 27 ग्राम जैतपुर के पास से प्रारंभ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जनपद आजमगढ़ के सालारपुर में समाप्त हो रहा है। 91.35 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे की अद्यतन कुल लागत 7283.28 करोड़ रुपये (भूमि अधिग्रहण पर व्यय समेत) है। इससे जनपद गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ सीधे तौर पर लाभान्वित हुए हैं।

लखनऊ पहुंचने में लगेंगे सिर्फ साढ़े तीन घंटे

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होते हुए लोगों को गोरखपुर से लखनऊ पहुंचने में महज साढ़े तीन घंटे का समय लगेगा। इसके अलावा इसकी कनेक्टिविटी से लोग दिल्ली से लेकर आगरा तक के शानदार सफर का आनंद ले सकेंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से गोरखपुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं कामरान वारसी अपनी इच्छा से अपना धर्म परिवर्तन कर रहा हूं और मैंने हिन्दू धर्म अपनाया है, मार्च 2024 से सामाज में लोग मुझे कृतार्थ (kritarth)के नाम से जानते व पहचानते है

सूचना

मै, नेहा महबूब D/o महबूब अहमद, 538 ख/668 सीतापुर रोड बड़ी पकरिया, खदरा, निराला नगर लखनऊ की निवासी हूँ। मेरी एम. बी. ए. (डा. ए. पी. जे., अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, सत्र 2014-16) की सभी अंकतालिका एवं डिग्री कपूरथला बाजार में खो गयी है जिसका रोल न.-1466670201 है।

सूचना

मैं मोहम्मद अजीज निवासी किशनगंज, संडवा चंडिका, प्रतापगढ़, ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम अजीज से बदलकर मोहम्मद अजीज कर लिया है।

सूचना

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, जो कि प्रथम पक्ष मालिक कामिल व काबिज तृतीय तल फ्लैट सं0-ए-15/33 (टू बेडरूम) टाइप-ए, ब्लाक-ए-15, आश्रय-1, सुलभ आवास, बिल्ट अप एरिया 59.69 वर्गमीटर स्थित आश्रय-1, सुलभ आवास, सेक्टर-6, गोमती नगर विस्तार, शहर लखनऊ के है जिसका मूल आवंटन पत्र और कब्जा पत्र मटियारी चौराहा चिनहट के आसपास कहीं गिर गया है जिसका FIR दिनांक 18.12.2024 को ऑनलाइन दर्ज है और LAR No. 20240000988837 है जिसको प्रथम पक्ष ने विक्रय पत्र रजिस्ट्री दिनांक 08.11.2016 ई0 बही नं0-1, जिल्द सं0-19184 पृष्ठ सं0-1/72 क्रमांक नं0-16972 कार्यालय उपनिबन्धक द्वितीय, लखनऊ, श्री सत्येन्द्र कुमार शुक्ला पुत्र श्री सुभाष चन्द्र शुक्ला व श्रीमती सुमन शुक्ला पत्नी श्री सत्येन्द्र कुमार शुक्ला निवासीगण- ग्राम नारायणपुर पोस्ट जिनावा जिला बस्ती उ0प्र0 से क्रय किया है। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिनों के अंदर राजेश कुमार जैन के मोबाइल नम्बर 9415610860 पर या इंडियन बैंक अमीनाबाद शाखा से संपर्क कर सकते है।

आवश्यकता है

यशराज लॉ कालेज, बाघामऊ (गोमती नगर विस्तार), लखनऊ

सम्बद्ध-लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्राचार्य- योग्यता:- एल०एल०एम० 55% व नेट/पी०एच०डी० तथा विधि महाविद्यालय में 15 वर्ष का शिक्षण अनुभव।

एल०एल०बी० (त्रिवर्षीय) हेतु सहायक आचार्य (पद-07)

योग्यता:- एल०एल०एम० 55% व नेट/पी०एच०डी०

बी.ए.एल०एल०बी० (पंचवर्षीय) हेतु सहायक आचार्य

विषय:- अंग्रेजी (01 पद), अर्थशास्त्र (01 पद), राजनीति विज्ञान (01 पद), इतिहास (01 पद), समाजशास्त्र (01 पद)

योग्यता:- सम्बन्धित विषय में परास्नातक 55% व नेट/पी०एच०डी० वेतनमान सेवा एवं शर्ते:- संबधन निकाय के मानकानुसार।

नोट:- इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र के साथ 4 फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा शैक्षणिक योग्यता से सम्बन्धित समस्त संलग्नकों सहित, विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करें ई-मेल या पंजीकृत डाक से भेजें।

ई-मेल:- yashrajie@gmail.com

पता:-बाघामऊ, गोमतीनगर, विस्तार-6, लखनऊ, उ0प्र0- 226010

सचिव,

मो0-9919931333, 8303700429

एनटीपीसी NTPC एन टी पी सी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

नोटिस

पंजीकृत कार्यालय का पताः एनटीपीसी भवन, कोर-7, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-110 003

कॉर्पोरेट पहचान सं. - L40101DL1975GOI007966

उपरोक्त आवेदक ने 01.04.2024 से 31.03.2029 तक के लिए **फिरोज गांधी ऊंचाहार थर्मल पावर स्टेशन चरण-II (420 मेगावॉट) के प्रशुल्क के निर्धारण के लिए केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी), नई दिल्ली** के समक्ष आवेदन दिया है।

1. उत्पादक स्टेशन के लाभार्थी इस प्रकार हैं :
   - क) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल), शक्ति भवन 14, अशोक मार्ग, लखनऊ-226001
   - ख) राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (आरयूवीएनएल) (राजस्थान के डिस्कॉम की ओर से), विद्युत भवन, जनपथ, जयपुर-302005
   - ग) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) ग्रिड सबस्टेशन, हडसन रोड किंग्सवे कैंप, दिल्ली-110009
   - घ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
   - ङ) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल), शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा दिल्ली-110092
   - च) हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर (एचपीपीसी), शक्ति भवन, सेक्टर-VI, पंचकुला, हरियाणा-134109
   - छ) पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल), द मॉल, पटियाला- 147001
   - ज) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबी), कुमार हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग-II, विद्युत भवन, शिमला-171004
   - झ) पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी-जेएंडके), जम्मू-कश्मीर सरकार, सिविल सचिवालय, श्रीनगर
   - ञ) बिजली विभाग (चंडीगढ़), संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़, अतिरिक्त कार्यालय भवन, सेक्टर-9 डी, चंडीगढ़
   - ट) उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल), ऊर्जा भवन कांवली रोड, देहरादून-248001
2. स्टेशन की उत्पादन क्षमता : 420 मेगावॉट
3. परियोजना की अनुमोदित लागत : रु. 1306.09 करोड़
4. पूंजी लागत का अनुमोदन करने वाला प्राधिकरण : सीईआरसी
5. वाणिज्यिक प्रचालन की अनुसूचित तिथि : लागू नहीं
6. स्टेशन के वाणिज्यिक प्रचालन की वास्तविक तिथि : 01.01.2001
7. स्टेशन के वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि पर पूंजी लागत: लागू नहीं
8. प्रशुल्क के विवरण :

विवरण	निर्धारित करने योग्य वर्षवार प्रशुल्क					
	पिछले वर्ष का टैरिफ*	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
1. क्षमता के प्रभार (लाख रु./वर्ष)	35963.62	36350.09	37104.93	39916.73	42482.63	45987.55
2. बिजली के प्रभार (रु./प्रति यूनिट)	3.67					

*माननीय सीईआरसी के पास फिरोज गांधी ऊंचाहार थर्मल पावर स्टेशन चरण-II (420 मेगावॉट) के लिए 2019-24 अवधि के प्रशुल्क के ट्रू-अप के लिए दायर याचिका के अनुसार।

9. प्रशुल्क के निर्धारण के लिए किए गए आवेदन की प्रति एनटीपीसी की वेबसाइट **www.ntpc.co.in** पर टैब "नोटिस" के तहत पोस्ट की गई है।
10. याचिका में निहित प्रशुल्क के निर्धारण हेतु प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, तो इन्हें इस सूचना के प्रकाशित होने के 30 दिनों के अंदर याचिकाकर्ता के पास एक प्रति सहित आयोग के ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से जमा किया जाए।

स्थान : नोएडा (पी. पीयूष)

दिनांक : 30.11.2024 अपर महा प्रबंधक (वाणिज्यिक)

विद्युत क्षेत्र में अग्रणी

सुशासन के लिए सुरक्षा का भाव आवश्यकः योगी

रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में की शिरकत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के लिए सुरक्षा का भाव आवश्यक है। यह जनसहभागिता के बिना संभव नहीं हो सकता। सुरक्षा का भाव घर के अंदर से पैदा करना होगा। यदि व्यक्ति घर के अंदर सुरक्षित है तो सामुदायिक रूप से सुरक्षा का भाव स्वतस्फूर्ति भाव के साथ पैदा होता हुआ दिखाई देगा। अपराध-अपराधियों, भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के लिए सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। अटल जी व पीएम मोदी से प्रेरणा प्राप्त करते हुए सरकार ने सुरक्षा के मुद्दे पर पहले दिन से जीरो टॉलरेंस की जो नीति रखी है, इसके परिणाम सबके सामने हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में शिरकत की। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री समेत जनप्रतिनिधियों ने लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। सीएम ने महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती व क्रिसमस की बधाई दी। छात्रा स्नेहा तिवारी ने कविता सुनाई। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। सीएम ने कहा कि अटल ने अपने शासनकाल में सुशासन की नींव को मजबूती दी। अटल की पंक्तियां 'आदमी को चाहिए कि वह जूझे, परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े'..., 'एक पांव धरती पर रखकर ही वामन भगवान ने आकाश-पाताल को जीता था, धरती ही धारण करती है, कोई उस पर भार न बने, मिथ्या-अभिमान से न तने'... यह पंक्तियां हमें प्रेरणा प्रदान करती हैं। सीएम ने कहा कि भावी भारत के विकास व विकसित भारत के निर्माण के लिए जो नींव श्रद्धेय अटल जी ने रखी थी, पीएम मोदी के नेतृत्व में उस पर नए भारत का निर्माण हो रहा है। यह 2047 में विकसित भारत के रूप में 140 करोड़ की आकांक्षाओं की पूर्ति का भारत बनेगा। सीएम ने कहाकि आज की तिथि अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज से ही दिन बड़े होने लगेंगे यानी ऊर्जा के लिए भगवान सूर्य के दर्शन अधिक समय तक होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में अटल की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह अटल का जन्म शताब्दी वर्ष है, इसलिए सुशासन सप्ताह के अवसर पर हर जनपद में बच्चों के लिए सुशासन पर आधारित (काव्य पाठ, निबंध व भाषण) प्रतियोगिताएं हुईं। सीएम ने कहा कि सचिवालय प्रशासन व उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश भर में सुशासन से संबंधित स्मारिका व पत्रिका का प्रकाशन व संकलन करे। राज्य स्तर पर अच्छे आलेख को संकलित करते हुए विभिन्न लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाए।

लोकशिकायतों के निस्तारण में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने बताया कि सुशासन सप्ताह के आयोजन में शासन के विभिन्न विभागों ने भागीदारी की। इस दौरान लोकशिकायतों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर रहा। यहां 2.59 लाख से अधिक लोकशिकायतों का निस्तारण किया गया। मुख्यालय, मंडल व तहसील स्तर पर भी 16,223 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 9 लाख छह हजार 800 से अधिक सर्विस डिलीवरी के आवेदन निस्तारित किए गए। इस दौरान ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मिशन कर्मयोगी, सुशासन में एआई व मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, सूचना के अधिकार का महत्व, नागरिकों को समयबद्ध रूप से सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु जनहित गारंटी की योजना से संबंधित उपयोगिता, शासकीय खरीद-फरोख्त में जेम पोर्टल, मानव संपदा पोर्टल पर आधारित कार्यक्रमों से भी लोगों को अवगत कराया गया।

कुशासन को समाप्त कर सुशासन लाना हमारी सरकार का सबसे बड़ा संकल्पः राजनाथ सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- रक्षा मंत्री ने कहा, योगी के नेतृत्व में यूपी विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा

भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के अवसर पर लोकभवन में सुशासन दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अटल जी के जीवन और कार्यों को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल ने भारत को ऐसा सुशासन दिया, जिसने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी सरकार के दौरान विकास दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंची, जो आजाद भारत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उन्होंने अटल जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी गवर्नेंस की दुनिया भर में प्रशंसा होती थी।

राजनाथ सिंह ने सुशासन की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि, एक अच्छा शासन वही है, जहां हर व्यक्ति की आवश्यकताएं पूरी हों, वह खुद को सुरक्षित महसूस करे और उसके पास अपनी बात कहने का अवसर हो। यही अटल जी का विजन था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने अटल की ऐतिहासिक योजनाओं को याद करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने भारत को सड़क, टेलीकॉम और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अंत्योदय योजना जैसे अभियानों ने भारत के गांवों और गरीबों के जीवन को बदल दिया। उन्होंने कहा कि, अटल ने न केवल शहरों को सड़कों से जोड़ा, बल्कि गांवों को भी पक्की और बेहतर सड़कों से जोड़ा। टेलीकॉम सेक्टर में क्रांति लाकर उन्होंने मोबाइल को हर हाथ तक पहुंचाने का सपना साकार किया।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन के तहत हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 1,500 से अधिक अनावश्यक कानूनों को समाप्त कर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में भारत को 50वें स्थान तक पहुंचाया है। जल्द ही भारत शीर्ष 20 देशों में शामिल होगा।

मुख्यमंत्री योगी आज करेंगे 100 दिवसीय टीबी अभियान की समीक्षा

- सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज और महिला व बाल विकास विभाग के जिलास्तरीय अधिकारी करेंगे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रतिभाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को प्रदेश में चल रहे 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहेंगे। बैठक में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज और महिला व बाल विकास विभाग के जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 15 जनपदों में चल रहे 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को मुख्यमंत्री ने सभी 75 जनपदों में चलाने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने गुरुवार को इस आशय का पत्र सभी मंडलायुक्त व जिलाधिकारियों को जारी किया है। पत्र में मंडल जनपद में उक्त अभियान की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने को कहा गया है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने अभियान की प्रगति के बारे में बताया कि अब तक 15 जनपद की कुल 27.95 लाख की उच्च जोखिम वाली जनसँख्या को अच्छादित किया गया जिसमें 5.71 लाख लोगों की टीबी के संभावित लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग की गई। इनमें 4265 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई है। सर्वाधिक 659 मरीज सीतापुर में, इसके बाद 440 रामपुर में, 350 बाराबंकी में, 299 बस्ती में और 295 सिद्धार्थनगर में मिले हैं।

उच्च जोखिम वाले समूह

60 साल से अधिक आयु वर्ग के लोग, 18.5 किग्रा/मी2 से कम बीएमआई वाली कुपोषित जनसंख्या, डायबिटीज एवं एचआईवी संक्रमित व्यक्ति, धूम्रपान एवं नशा करने वाले व्यक्ति, इलाज प्राप्त कर रहे टीबी रोगियों के साथ रहने वाले तथा इलाज पूरा कर चुके व्यक्ति।

एकेटीयू में नये सत्र से बीटेक संचालन को लेकर बजट मंजूर

- नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ की इनोवेशन निधि के प्रस्ताव को मिली सहमति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में गुरुवार को वित्त समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ के इनोवेशन निधि के बनाये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इससे इनोवेशन हब एवं इनक्यूबेशन सेंटर को सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि विश्वविद्यालय अपने छात्रों को नवाचार और उद्यमिता के लिए सहायता प्रदान करेगा। जिससे कि सरकार की 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था को पाने के लक्ष्य में सहयोग मिलेगा।

विश्वविद्यालय परिसर में नये सत्र से बीटेक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए बजट को मंजूरी दी गयी। नये सत्र से यह पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय अपने इंजीनियरिंग के छात्रों को स्किल्ड बनाने पर जोर दे रहा है। जिससे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हो। इसलिए कोर ब्रांच जिसमें इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं इंस्ट्रुमेंटेशन शाखाओं के छात्रों को स्किल्ड किया जाएगा।

इसके लिए आईईटी लखनऊ, केएनआईटी सुल्तानपुर, बीआईईटी झांसी, एवं यूपीआईडी नोएडा में इंडस्ट्री के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना के प्रस्ताव को भी सहमति दी गयी। इस सेंटर के स्थापित होने से इंडस्ट्री के विशेषज्ञ छात्रों प्रशिक्षित करेंगे। जिससे कि छात्र इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार तैयार हो सकेंगे। इसी तरह वास्तुकला एवं योजना संकाय में मास्टर ऑफ प्लानिंग (स्पेशलाइजेशन इन इफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड मैनेजमेंट) का नया पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक सहमति दी गयी।

ठंडे बस्ते में वायरल वीडियो की जांच, घूस मांगने के आरोपी कानूनगो पर नहीं हुई कार्रवाई

- वीडियो वायरल होने के बाद सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर उठ रहे सवाल

संवाददाता। मोहनलालगंज

भूमि की पैमाइस और मेडबंदी के लिए किसान से घूस मांगने के आरोपी कानूनगो पर वीडियो वायरल होने के दो सप्ताह बाद भी कोई बात नही हो सकी है। अलबत्ता तहसील अधिकारी मामले की जांच रिपोर्ट तक जिला प्रशासन को नही भेज सके हैं। उधर मामले में कोई कार्रवाई नही होने से जहां आरोपी कानूनगो के हौसले बुलंद हैं। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो देखकर लोग सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील के भोला का पुरवा निवासी किसान राम आसरे के बेटे विनय ने 7 दिसंबर के सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम सिविल सप्लाई ज्योति गौतम और एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा से शिकायत कर कानूनगो पर घूस मांगने का आरोप लगाया था। विनय ने अधिकारियों को घूस मांगने का वीडियो दिखाकर कार्रवाई की मांग की थी। कुछ देर बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने मामले में तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय को जांच के आदेश दिए थे। लेकिन 19 दिन बाद भी मामले की जांच पूरी नही हो सकी है। लिहाजा घूसखोरी के आरोपी कानूनगो पर अब तक कोई कार्रवाई नही हो सकी है।

तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने बताया मामले में आरोपी कानूनगो का स्पष्टीकरण लेकर एसडीएम को पत्र भेजकर मामले की विस्तृत जांच कराने की संस्तुति की गई है। जबकि एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने बताया मामले में तहसीलदार को जांच के निर्देश दिए गए थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन से मामले में कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। उक्त कानूनगो की कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

बलरामपुर अस्पताल में शोक सभा आयोजित

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ (बीएनएस) के प्रांतीय अध्यक्ष एवं डीपीआरए के प्रांतीय महामंत्री अरविन्द कुमार वर्मा के निधन पर गुरुवार को बलरामपुर अस्पताल में शोक सभा का आयोजन किया गया। वर्मा विगत दस साल से गले के कैंसर से लड़ रहे थे। वर्तमान में वर्मा सिविल अस्पताल लखनऊ में चीफ फार्मासिस्ट के पद पर सेवारत थे। शोक सभा के दौरान उनके साथ व्यतीत किये पल को याद करते हुए उन्हें कुशल संगठनकर्ता, सभी के मददगार और स्पष्टवादी निर्भीक कर्मचारी नेता के रूप में पहचान रखने वाला बताया गया। प्रभारी आफिस में आयोजित शोक सभा में जिला मंत्री व चीफ फार्मासिस्ट राजीव कन्नौजिया सहित सभी फार्मासिस्टों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

वायु प्रदूषण पर बैठक

लखनऊ। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए मुख्यालय में अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई विशेष समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में शिकायतों के तेजी से समाधान के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया गया। वायु गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई रणनीतियाँ प्रस्तावित कर उन पर विचार विमर्श किया गया। गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित बाबू राजकुमार श्रीवास्तव समिति कक्ष में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वायु प्रदूषण पर विशेष समीक्षा बैठक की। एएमसी पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रकीर्णित स्रोत परियोजना वायु प्रदूषण की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण से संबंधित शिकायतों के समाधान व उनमें हुई प्रगति का मूल्यांकन करना रहा। जिससे कि इस विषय के अतिरिक्त उपायों पर चर्चा कर लखनऊ की वायु गुणवत्ता में अधिक से अधिक सुधार कोय जा सके। बैठक में कई मुख्य बिंदुओं पर हुई चर्चा, जिनमें प्रस्तुत एवं निस्तारित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई। तेजी से समाधान के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया गया।

एलजीबीटी कम्युनिटी के लिए केजीएमयू में रेनबो क्लीनिक का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में गुरुवार को इन्फेक्शन डिजीज विभाग के अंतर्गत एलजीबी कम्युनिटी के लिए स्पेशल क्लीनिक रेनबो क्लीनिक की शुरुआत की शुरूआत की गयी। क्लीनिक के बारे में जानकारी देते हुए क्लीनिक संयोजक डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि क्लीनिक के माध्यम से मेडिसिन,एआरटी सेंटर, डर्मेटोलॉजी, मानसिक रोग, गेस्ट्रोलॉजी विभाग, इंडोक्रिन मेडिसिन, प्लास्टिक सर्जरी, इंफेक्शन डिजीज इत्यादि विभागो की सुविधाएं एक जगह पर मिलेंगी। जिससे व्यक्ति को भटकना नही पड़ेगा। इसके साथ ही साथ कॉउंसलिंग और दवा वितरण की सुविधाएं भी इस क्लीनिक के द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

क्लीनिक संयोजक डॉ डी हिमांशु ने बताया आज रेनबो क्लीनिक की फर्स्ट ओपीडी में आये मरीजो को देखा गया उनकी कॉउंसलिंग की गयी। डॉ डी हिमांशु ने बताया कि प्रत्येक माह के आखिरी सप्ताह के बृहस्पतिवार को प्रात: 11 से 1 बजे तक क्लीनक होगी। इस क्लीनिक में विभिन्न विभागों के एक्सपर्ट अपनी सेवाएं देंगे। जिससे मरीजो को एक क्लीनिक के माध्यम से उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

आज क्लीनिक की शुरुआत के समय स्किन रोग विभाग से डॉ स्वास्तिका, प्लास्टिक सर्जरी से विभागाध्यक्ष डॉ.विजय कुमार, मेडिसिन से डॉ मेधावी गौतम, इसके अलावा डॉ अभिनव लोधी इसके साथ ही गेस्ट्रोलॉजी एवं मानसिक रोग विभाग से सीनियर रेजिडेंट एवं एआरटी सेंटर से डॉ सुमन शुक्ला उपलब्ध थे। इसके अलावा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि के रूप में पाथ से डॉ आशा हेगड़े, डॉ सारवान मूर्ति, सीडीएस से डॉ. श्रीनिवास, डॉ. आलिया रिजवी, नाज फॉउंडेशन से आरिफ जफर एवं भरोसा फाउंडेशन से अमन उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने कुड़ियाघाट पर किया अटल की प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा राजधानी लखनऊ में गोमती किनारे कुड़ियाघाट पर स्थापित की गई है। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने प्रतिमा के रचनाकार अमरपाल सिंह को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अटल संकल्प की प्रतिज्ञा दिलाई।

रालोद नेता की अगुआई में सैकड़ों लोगों ने ली सदस्यता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयन्ती से 31 दिसम्बर तक चलाये जा रहे सामाजिक समरसता अभियान और पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत गुरुवार को लखनऊ पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के राजाजीपुरम में सदस्यता ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय के वरिष्ठ नेता अनिल दुबे ने उपस्थित होकर नीरज तिवारी व उनके सैकड़ों साथियों को रालोद की सदस्यता ग्रहण करायी। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के शिक्षाविद मयंक त्रिवेदी व संयोजन प्रदेश महासचिव चन्द्रकात अवस्थी ने किया। सदस्यता ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते हुये अनिल दुबे ने कहा कि आज एक तरफ विपक्ष के लोग समाज के सामाजिक ताने बाने को नष्ट करने पर लगे हुये हैं और वहीं पर रालोद अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी प्रदेश में सामाजिक भाईचारे को बनाने में लगे हुये हैं। उनके निर्देश पर पूरे प्रदेश में चौधरी साहब के अनुयायियों और समर्थकों को 31 दिसम्बर तक रालोद में शामिल करने का अभियान चल रहा है। जिसके तहत आज सैकड़ों लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की।

कल्ली पश्चिम में नगर निगम सरकारी भूमि पर हो रही प्लाटिंग को किया ध्वस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजीनगर में सरकारी भूमि पर नगर निगम की टीम द्वारा कार्रवाई की गयी। कल्ली पश्चिम के खसरा संख्या 643, 1820 पर प्रापर्टी डीलरों द्वारा प्लाटिंग कर बेचने की तैयारी कर रहे थे। एसडीएम सरोजनीनगर, नगर निगम के संपत्ति अधिकारी, तहसीलदार की टीम द्वारा जेसीबी से बाउड्रीवाल और सड़कों को ध्वस्त किया गया।

पीजीआई क्षेत्र के कल्ली पश्चिम क्षेत्र में ग्राम.कल्ली पश्चिम की सरकारी भूमि खसरा संख्या 643, 1820 पर कब्जा कर रखा था। गुरुवार को उपजिलाधिकारी सरोजनी नगर सचिन वर्मा, प्रभारी अधिकारी, संपत्ति संजय यादव व तहसीलदार नगर निगम अरविन्द पाण्डेय एवं तहसीलदार सरोजनी नगर आकृति श्रीवास्तव की टीम ने इस पर कार्रवाई की। संपत्ति अधिकारी की टीम ने नायब तहसीलदार नीरज कटियार ने किया जिसमें राजस्व निरीक्षक नगर निगम अविनाश चन्द्र तिवारी, तहसील सरोजनी नगर के क्षेत्रीय लेखपाल अमरेश रावत, विवेक बहादुर व संदीप कुमार एवं नगर निगम लेखपाल आलोक यादव, मृदुल मिश्रा, राहुल यादव व विनोद वर्मा शामिल रहे। साथ ही कार्रवाई के दौरान थाना.पीजीआई की पुलिस बल व नगर निगम के प्रवर्तन दल ने प्रापर्टी डीलरों की बनायी दिवार, सड़क को ध्वस्त किया।

बीकेटी में 2 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, वजीरगंज व ठाकुरगंज में 7 अवैध निर्माण सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में एलडीए द्वारा बीकेटी और वजीरगंज में अवैध निर्माण पर कड़ी कार्रवाई कीगयी। दोनो स्थलों पर अवैध निर्माण के खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण के आदेश दिया था। आदेश पर एलडीए प्रवर्तन टीम द्वारा प्लाटिंग को ध्वस्त कर और अवैध बिल्डिंगों को सील किया गया।

गुरूवार को एलडीए ने बीकेटी में 2 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त और वजीरगंज व ठाकुरगंज में 7 अवैध निर्माण सील किये गये। प्रवर्तन जोन.4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि अमित सिंह व अन्य द्वारा बीकेटी में चंद्रिका देवी रोड पर पर्वतपुर तिराहे के पास ग्राम.भवानीपुर में लगभग 03 बीघा क्षेत्रफ्ल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह रतनेश गोपाल व अन्य द्वारा ग्राम.भवानीपुर में लगभग 5 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध रूप से

प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। वहीं, प्राधिकरण से ले.आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही उक्त दोनों अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। आदेश पर अवर अभियंता सत्यवीर सिंह व शिवानंद शुक्ला ने प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी। इस दौरान डेवलपर्स द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़कए नालीए बाउन्ड्रीवॉल व साइट ऑफिस आदि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

वजीरगंज में 6 अवैध निर्माण सील

प्रवर्तन जोन-6 के जोनल अधिकारी शशिभूषण पाठक ने बताया कि वजीरगंज के गोलागंज में इरफान अहमद डॉ. रहमान, हारून, मो. फैजान शोएब अहमद, शोएब खान व अन्य द्वारा अवैध रूप से 06 आवासीय भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से ले-आउट व मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे उक्त निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा पुलिस बल के सहयोग से उक्त सभी निर्माण कार्यों को सील कर दिया गया।

ठाकुरगंज में अवैध बिल्डिंग सील

प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि सज्जाद रिजवी व अन्य द्वारा ठाकुरगंज के सरफराजगंज में लगभग 300 वर्गमीटर क्षेत्रफ्ल के भूखण्ड पर लोअर एवं अपर ग्राउंड फ्लोर में दुकानों व ऊपर के चार तलों पर फ्लैट्स का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे उक्त निर्माण को सहायक अभियंता जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता अम्बरीष त्यागी व राहुल विश्वकर्मा द्वारा पुलिस बल के सहयोग से सील कर दिया गया।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024

कांग्रेस की भाजपा से सांठगांठ : आतिशी

प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री आतिशी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह। फोटो: रंजन डिमरी

● बोलीं, कांग्रेस उम्मीदवारों की फंडिंग भी भाजपा कर रही है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में ठन गई है। इसी तनातनी के बीच मुख्यमंत्री आतिशी और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बीजेपी से सांठगांठ चल रही है। कांग्रेस भाजपा के साथ खड़ी है और वह उसकी मदद कर रही है। जिससे भगवा पार्टी को चुनाव में फायदा हो। आतिशी और संजय सिंह गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस के नेता अजय माकन भाजपा की लिखी पटकथा पढ़ते हैं। भाजपा के कहने पर बयान देते हैं। उसके कहने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हैं। कांग्रेस ने आज तक भाजपा के एक नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। अब कांग्रेस के लोग केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज करवा रहे हैं।

जब हरियाणा में विधानसभा चुनाव हुआ, अंत तक आम आदमी पार्टी की कोशिश रही कि दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ें। लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं हुई। हम अकेले चुनाव लड़े। लेकिन हमने किसी के खिलाफ कोई अपशब्द या गलत बयानी नहीं की।

कांग्रेस के विस उम्मीदवारों की सूची पर संजय सिंह ने कहा कि आज कांग्रेस की सूची देखकर लगता है जैसे भाजपा के दफ्तर से बनकर आ रही है। ऐसे-ऐसे लोगों को चुनाव में उतारा जा रहा है, जिनका मकसद केवल आम आदमी पार्टी को नुकसान पहुंचाना है। आतिशी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयानों और एक्शन से साफ हो गया है कि चुनावों के लिए कांग्रेस ने भाजपा से साँठगाँठ कर ली है। आतिशी ने दावा किया कि कांग्रेस के प्रत्याशियों के चुनाव का खर्च भाजपा से आ रहा है। भाजपा, कांग्रेस के प्रत्याशियों की फंडिंग कर रही है।

कांग्रेस की दूसरी सूची से आप घबराई: देवेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि 2025 विधानसभा चुनावों में अरविन्द केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की हार तय मान चुकी आम आदमी पार्टी अब कांग्रेस द्वारा चयनित उम्मीदवारों से घबरा कर खुले रूप से गलत बयान बाजी कर रही है ।

जेल से बेल पर बाहर अरविन्द केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि अपने दम पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पर आरोप लगाने से पहले वे बताएं कि विदेशों से प्रतिवर्ष कितनी फडिंग होती है, उसे सार्वजनिक करें। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्वस्त करने, बिजली के बिलों में दोगुनी वृद्धि, गंदे पानी के भारी भरकम बिल भरते और दिल्ली को बेरोजगारी के रिकार्ड स्तर पर पहुंचाने वाले भ्रष्टाचारी अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को विकास के क्षेत्र में 50 वर्ष पीछे लाकर खड़ा कर दिया है। यादव ने कहा कि गठबंधन संबधित बयानबाजी आम आदमी पार्टी के नेता न ही करें तो बेहतर होगा।

अरविन्द केजरीवाल के काले कारनामों पर जारी किया श्वेत पत्र केजरीवाल के 11 वर्षों के कुशासन का मात्र कुछ अंश ही प्रकाशित किया है और आम आदमी पार्टी दौराहे पर आकर खड़ी हो गई है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल दिल्ली की जनता के दोषी है और कांग्रेस जनता की लड़ाई लड़ रहे है। अरविन्द केजरीवाल ने 11 वर्षों में दिल्ली का चौतरफा उपहास कर ढाई करोड़ लोगों से किया एक भी वादा पूरा नही किया और चुनाव प्रचार में हर नई घोषणा करके वोट हासिल करने की अवसरवादी राजनीति कर रहे हैं। प्रदूषण से 3000 लोग मरना, 2020 के दंगों में 53 लोगों की मौत, दलित अत्याचारों में 4 गुना वृद्धि, दलित आरक्षण खत्म करने के पक्षधर अरविन्द केजरीवाल की दिल्ली वालां से प्रेम साफ उजागर होता है कि कैसे उन्होंने दिल्ली को नशे की राजधानी बनाने के साथ, प्रदूषण में नम्बर 1, अपराध, अपहरण, महिला अत्याचार और बलात्कार में नम्बर 1 बनाने वाले भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री का दायित्व निभाया है।

नोट फॉर वोट: आप ने ईडी से की शिकायत

● प्रवेश वर्मा के घर करोड़ों रुपए पड़े हैं, लेकिन ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का छापा नहीं पड़ रहा : संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले ही 'वोट फॉर कैश' की जंग शुरू हो गई है। बुधवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी ने भाजपा नेता प्रवेश वर्मा पर यह आरोप लगाया था कि उनके आवास पर महिलाओं को 1100 रुपए दिए जा रहे हैं। वहीं, इसे लेकर बृहस्पतिवार को आप सांसद संजय सिंह ने ईडी में शिकायत दर्ज कराई है। सिंह की शिकायत में प्रवेश वर्मा के साथ मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम भी शामिल हैं।

संजय सिंह ने कहा कि प्रवेश वर्मा के घर में अवैध करोड़ों रुपए पड़े हैं, लेकिन ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग का कोई छापा नहीं पड़ रहा है। इन जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग के नाक के नीचे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में खुलेआम मतदाताओं को 1100-1100 रुपये बांटे जा रहे हैं। अगर ईडी छापा मरती है तो करोड़ों रुपए मिलते। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां सिर्फ प्रधानमंत्री के इशारे पर विपक्षी दलों के विधायकों-मंत्रियों को पकड़ने, सरकारों को गिराने और तोड़ने का काम करती है। अगर ईडी कोई कार्रवाई नहीं करती है तो हम सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग और चुनाव आयोग से भी इसकी शिकायत करेंगे। संजय सिंह ने कहा कि ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग आंखें बंद किया हुआ है। अरविंद केजरीवाल के विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली में खुलेआम 1100-1100 रुपए वोटर्स को रिश्वत के रूप में दिए जा रहे हैं। अगर ईडी वहां पर छापा मारे तो करोड़ों रुपए पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा के घर से बरामद हो सकते हैं। यह अवैध धन है और उस पैसे का इस्तेमाल खुलेआम मतदाताओं को खरीदने के लिए बांटा जा रहा है। मीडिया कर्मियों ने अपने कैमरे में उन महिलाओं के फोटो और वीडियो कैद किए हैं, जिन्हें रुपए दिए गए। उसमें एक कार्ड है, जिसमें प्रधानमंत्री की फोटो लगी हुई है। प्रवेश वर्मा सीना ठोक कर कह रहे हैं कि हम तो रुपए बांटेंगे। मनजिंदर सिंह सिरसा के इलाके में भी वह रुपए बांट रहे हैं। वोटर्स को लुभाने के लिए कैश दे रहे हैं।

संजय सिंह की आदत है हंगामा खड़ा करने की : प्रवीण कपूर

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह का आदत बन चुकी है कि वे ध्यान भटकाने के लिए गैर-जरूरी मुद्दों पर हंगामा खड़ा करते हैं। भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण और जरूरतमंद महिलाओं के समर्थन में खड़ी है। भाजपा शासित राज्यों की सरकारें अधिकतर राज्यों में महिलाओं को वजीफा योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान कर रही हैं। कपूर ने कहा कि सिंह समस्या यह है कि उनकी पार्टी महिलाओं से एक गैर-मौजूद सरकारी योजना के लिए पार्टी स्तर पर पंजीकरण कराने का अनुरोध कर रही है, जिससे उनकी पोल खुल चुकी है। यही कारण है कि वे भी अपनी पार्टी के अन्य नेताओं की तरह दिल्ली की महिलाओं को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी प्रकार वे पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह के मामले पर भी नाटक कर अपनी पार्टी की विफलताओं से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास मामले की जांच पीडब्ल्यूडी करेगा : विजेंद्र गुप्ता

सरकारी आवास से करोड़ों के लग्जरी सामान मिलने पर नेता प्रतिपक्ष ने की थी जांच की मांग

एलजी के आदेश के बाद विजिलेंस विभाग ने लोक निर्माण विभाग से जांच कर 5 दिन में रिपोर्ट देने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 6 फ्लैग स्टाफ रोड बंगला फिर चर्चा में है। उनके सरकारी आवास (जिसे भाजपा ने शीश महल नाम दिया है) में महंगे आरामदायक संसाधनों के मामले की जांच लोक निर्माण विभाग करेंगा। उपराज्यपाल के आदेश के बाद विजिलेंस विभाग ने पीडब्ल्यूडी को इस मामले की जांच कर 5 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा है। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस संबंध में 20 नवंबर 2024 को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर तत्कालीन मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर लाखों के टीवी, करोड़ों के परदे और फ्रिज जैसे आरामदायक

संसाधन मिलने पर नेता प्रतिपक्ष ने इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की थी।

विजेंद्र गुप्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि उपराज्यपाल ने 6 दिसंबर को इस मामले की जांच के लिए दिल्ली के सर्तकता विभाग को आदेश दिए थे। इस पर कार्रवाई करते हुए उसने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को जांच करने के लिए कहा है । विभाग ने अपने आदेश में लोक निर्माण विभाग को जिन-चार मुद्दों पर जांच कर 5 दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। उनमें केजरीवाल के आवास पर आरामदायक संसाधन किसने उपलब्ध करवाये थे, उसका पता लगाया जाए।

इन संसाधनों के एवज में किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाया गया। इन संसाधनों से पब्लिक फंड पर कोई प्रभाव पड़ा और क्या इस प्रक्रिया में किसी सरकारी प्रोटोकॉल या नियमों का उल्लंघन किया गया। इस मामले से जुड़ी अन्य कोई ऐसी प्रासंगिक जानकारी जिससे इस मामले की जांच में सहयोग मिल सके।

विधानसभा चुनाव: आप को मिली पहलवानों की पावर

● बॉडी बिल्डर स्वस्थ रहने के लिए लोगों को दे रहे प्रेरणा : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव से पहले अपना कुनबा बढ़ा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को खेल और फिटनेस से जुड़े रोहित दलाल, अक्षय दिलवारी और तिलक राज समेत 70-80 बॉडी बिल्डर्स और पहलवानों ने झाड़ू थाम लिया है।

आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें पटका और टोपी पहनाकर आप की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन लोगों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है और अब ये स्वस्थ रहने के लिए आम लोगों को प्रशिक्षण और प्रेरणा दे रहे हैं। दिल्ली में चौथी बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद स्पोर्ट्स, रेसलिंग और जिम एसोसिएशन के मसलों के समाधान पर काम करेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्हें खुशी है कि रोहित दलाल, अक्षय दिलवारी और तिलक राज और इनके साथ लगभग 70-80 बॉडीबिल्डर्स और रेसलर्स आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। हम सब लोगों का स्वस्थ्य रहना बहुत जरूरी है। शरीर है तो जहान है। अगर स्वास्थ्य नहीं होगा तो सब चीजें बेईमानी हो जाती हैं। रोहित दलाल, अक्षय और तिलक ने रेसलिंग व अन्य खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। आज ये लोग कई बच्चों और युवाओं को ट्रेनिंग देते हैं।

भाजपा महिला मोर्चा का केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना को लेकर विपक्ष आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। भाजपा महिला मोर्चा ने आप पर महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि योजना के नाम पर जगह जगह शिविर लगाकर आप कार्यकर्ता महिलाओं के आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और मोबाइल नंबर लेकर बड़े फर्जीवाड़े की साजिश कर रही है। महिलाओं से व्यक्तिगत जानकारी लेने का नतीजा है कि सीलमपुर में महिलाओं के खाते से पैसे निकाल लिए गए। इस दौरान प्रदर्शन कर रहीं कई महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने ले गई जहां उन्हें चेतावनी के बाद छोड़ दिया।

मानहानि की शिकायत पर आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस

नई दिल्ली। अदालत ने आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है।

अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने वर्ष 2018 में संवाददाता सम्मेलन में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, जिसे एक अन्य अदालत ने खारिज कर दिया था।

पीएम-उदय सिंगल विंडो स्पेशल कैंप की तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। लोगों की प्रतिक्रिया को देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीडीए को पीएम-उदय के लिए सिंगल विंडो कैंपों के आयोजन को मार्च 2025 तक बढ़ाने का निर्देश दिया है। पिछले दिनों यह शिविर 30 नवंबर से शुरू हुआ था। 22 दिसंबर तक 19,313 आवेदकों ने भाग लिया। इसमें 3599 नए आवेदक भी शामिल है। इस शिविर में संबंधित विभागों ने 152 हस्तांतरण विलेख/प्राधिकरण पर्चियां और 283 संपत्तियों को उप-पंजीयकों पंजीकृत किए गए। शिविरों में डीडीए, राजस्व विभाग और अन्य के अधिकारी मौजूद थे। वहां शिविर हस्तांतरण विलेख और प्राधिकरण पर्चियां के अलावा रजिस्ट्री भी की गई। उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के निर्देश और उनकी देखरेख में जो कैंप लगाए गए।

संक्षिप्त समाचार

पांच जुआरियों को नकदी सहित धरे

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गांधी नगर इलाके में पुलिस ने बुधवार को पांच जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से 18 हजार नकद, ताश के पत्ते, सट्टा पर्ची व पेन बरामद किया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि गत 25 दिसंबर को नन्हें द्वारा चंदरपुरी, कैलाश नगर,गांधी नगर में गैंबलिंग रैकेट चलाने की गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापा मारा तो पांच जुआरी रंगे हाथ मिले। पुलिस ने सभी को दबोच लिया और उनके पास से नकद रकम व अन्य चीजें बरामद कर लीं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्य आरोपी नन्हें ने जालिब, अशरफ और साहिद नामक तीन आरोपियों को पांच सौ प्रतिदिन के हिसाब से मुंशी के रूप में नौकरी पर रखा था।

अपहरण के मामले में तीन लोगों को बरी किया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2016 में फिरौती के लिए अपहरण के एक मामले में गवाहों के मुकरने के कारण तीन लोगों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल पाहुजा तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों के तहत आरोपित आरोपियों के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रहे थे। अदालत ने 16 दिसंबर को दिए एक आदेश में कहा, अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित करने के लिए तीन मुख्य गवाहों की तफ्तीश की, जिनमें से दो पीड़ित और तीसरा शिकायतकर्ता (पीड़ित का पिता) था। मामले की सुनवाई के दौरान तीनों गवाह मुकर गए और इस मामले में हमलावरों के रूप में आरोपी व्यक्तियों की पहचान करने में विफल रहे। अदालत ने कहा कि मामले में कॉल रिकॉर्डिंग या कॉल डिटेल रिकॉर्ड जैसे कोई वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं हैं और न ही कोई फोरेंसिक साक्ष्य है, जो उनके अपराध को साबित करते हों। फैसले के मुताबिक, अभियोजन पक्ष ने इस मामले में आरोपी व्यक्तियों की भूमिका को जोड़ने या उन्हें जिम्मेदार ठहराने के लिए कोई अन्य सबूत पेश नहीं किया। पीड़ितों सहित सभी मुख्य गवाह आरोपी व्यक्तियों की पहचान करने में विफल रहे इसलिए उनकी पहचान स्थापित नहीं हो पाई।

डीयू में नए शैक्षणिक सत्र से हिंदू अध्ययन में शुरू करेगा पीएचडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय की 2025-26 शैक्षणिक सत्र से हिंदू अध्ययन में पीएचडी पाठयक्रम शुरू करने की योजना है। हिंदू अध्ययन केंद्र के शासी निकाय ने पीएचडी कार्यक्रम 2025-26 में शुरू करने की सिफारिश की है। प्रस्ताव के अनुसार, पहले इस कार्यक्रम को मौजूदा शैक्षणिक सत्र में शुरू करने का इरादा था लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया।

हिंदू अध्ययन केंद्र की संयुक्त निदेशक प्रेरणा मल्होत्रा ने बताया कि हिंदू अध्ययन में पीएचडी शुरू करने की पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए अवसर सृजित करना है। हमारे शासी निकाय ने हिंदू अध्ययन में पीएचडी शुरू करने की सिफारिश की है और इस मामले को अकादमिक परिषद के समक्ष रखा जाएगा। छात्र शोध के अवसरों के बारे में पूछताछ करने के लिए केंद्र से संपर्क कर रहे हैं, खासकर वे छात्र जो हिंदू अध्ययन में पहले से ही जेआरएफ और नेट उत्तीर्ण हैं। प्रेरणा ने बताया कि एक प्रमुख संस्थान के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदू अध्ययन के विविध क्षेत्रों में ऐसे अवसर प्रदान करने और शोध को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। शुरुआत में, हिंदू अध्ययन केंद्र में 10 सीट हैं।

लुटियंस दिल्ली में लगे नीदरलैंड के ट्यूलिप पौधें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने लुटियंस दिल्ली की सुंदरता को जीवंत रंगों से बढ़ाने की अपनी पहल के तहत बृहस्पतिवार को तीन लाख से अधिक ट्यूलिप पौधों को लगाने की शुरुआत की। एनडीएमसी के अनुसार, नीदरलैंड से आयातित ट्यूलिप पौधों को लगाया जाएगा।

एनडीएमसी ने इस वर्ष 5,50,000 से अधिक ट्यूलिप पौधे खरीदे हैं, जिन्हें विभिन्न नगर निकायों के बीच वितरित किया गया है। एनडीएमसी 3,25,000 बल्ब लगाएगी, जबकि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) क्रमशः दो लाख और 25,000 पौधे लगाएंगे।

सीएम महिला सम्मान योजना पर विवाद

● कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उपराज्यपाल से शिकायत की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा किया है। मुख्यमंत्री आतिशी की इस घोषणा पर विपक्ष निशाना साध रहा है। इसी बीच कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने गुरुवार को आप की प्रस्तावित योजनाओं को लेकर उपराज्यपाल से मुलाकात कर शिकायत की। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी दिल्ली की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी कर रही है।

संदीप दीक्षित ने अपनी शिकायत

में आरोप लगाया है कि आप के कार्यकर्ता महिलाओं से एक ऐसी योजना के लिए फॉर्म भरवाकर उनके फोन नंबर और पते जुटा रहे हैं, जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है। मुख्यमंत्री आतिशी और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि राष्ट्रीय राजधानी में महिला सम्मान योजना पहले से ही लागू है, जो सच नहीं है। दीक्षित ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल कुछ भी वादा कर सकता है। अगर उन्होंने कहा होता कि वे चुनाव जीतने पर 2,100 रुपये देंगे, तो कोई मुद्दा नहीं था। लेकिन उन्होंने कहा कि 1000 रुपये की योजना चल रही है और वे इसके तहत राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपए कर देंगे। वे आपसे (महिलाओं से) इस योजना के लिए फॉर्म भरवा रहे हैं। दिल्ली सरकार के दो विभाग ने बुधवार को कहा था कि ऐसी कोई योजना अस्तित्व में नहीं है। विभागों ने कहा कि इस योजना के लिए जो जानकारी जुटाई जा रही है, वह धोखाधड़ी का मामला है। उन्होंने कहा कि वे महिलाओं से फोन नंबर और पते एकत्र कर रहे हैं। ये धोखाधड़ी का मामला है।

नए साल के जश्न में न पड़े भंग, तैनात होंगे 10 हजार सुरक्षाकर्मी

● मुख्य ध्यान कनॉट प्लेस, हौजखास, बाजारों और मॉल के आसपास रहेगा : पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नए साल के जश्न में भंग न पड़े। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी के सीमावर्ती इलाकों में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के तैनात करेगी। पुलिस ने दावा किया कि क्रिसमस के बाद नए साल की पूर्व संध्या पर यातायात नियमों का उल्लंघन, शरारती तत्वों और हुड़दंगियों पर लगाम लगाने के मकसद से सुरक्षा व्यवस्था के लिए ठोस योजना बनाई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि सभी लोग नए साल का स्वागत उत्साह के साथ करें लेकिन किसी को भी कानून का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पड़ोसी राज्यों से आने वाले लोगों के उपद्रव से निपटने के लिए सीमाओं पर अतिरिक्त चौकियां, अवरोधक और अर्धसैनिक बलों की तैनाती समेत अतिरिक्त कर्मी तैनात किए जाएंगे। दिल्ली की सीमा हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगती है और यह राजस्थान के निकट है। इन तीनों राज्यों से बड़ी संख्या में लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचते हैं। क्रिसमस के लिए पहले ही 10 से अधिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर रखा है, लेकिन अब उसने सुरक्षा को और बढ़ा दिया है और 15 से अधिक उन स्थानों पर बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात किया गया है, जहां से वाहन राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करते हैं।

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, यातायात पुलिस ने मोटरसाइकिल पर स्टंट करने और शराब पीकर गाड़ी चलाने से निपटने के लिए पहले ही एक योजना तैयार कर ली है। यातायात पुलिस की मदद के लिए विभिन्न थानों से अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा। पुलिस के अनुसार पालियों में ड्यूटी होगी और थाना प्रभारियों (एसएचओ) को नए साल की पूर्व संध्या पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी टीमों के साथ सड़क पर रहने का आदेश दिया गया है।

यदि कोई व्यक्ति स्टंट जैसी गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो सुरक्षाकर्मी वाहन जब्त कर लेंगे और सख्त कार्वाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारी ने कहा, नए साल के जश्न के लिए हमारी टीम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल, धर्मशाला, रैन बसेरों और अन्य स्थानों की जांच कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई व्यक्ति बिना उचित दस्तावेज के तो नहीं रह रहा है। हमने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे लोगों की पहचान करने के लिए पहले ही विशेष अभियान शुरू कर दिया है। दिल्ली पुलिस की यातायात एवं अन्य इकाइयों के दस हजार से अधिक पुलिसकर्मी निगरानी बनाए रखेंगे। दिल्ली यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मियों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य ध्यान कनॉट प्लेस, हौजखास, बाजारों और मॉल के आसपास रहेगा।

कनॉट प्लेस में वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही इनर सर्किल क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस स्टिकर वितरित करेगी। इंडिया गेट पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे, जहां लोग नए साल का जश्न मनाने आते हैं।

आरोप साबित किए बगैर पदावनति नहीं की जा सकती: उच्च न्यायालय

●कर्मचारी को बड़ा दंड देने से पहले अपनानी होगी पूरी जांच प्रक्रिया

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि कर्मचारी को बड़ा दंड देने से पहले पूरी जांच प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। सबूतों के आधार पर आरोप साबित किए बगैर बड़ा दंड पदावनति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम बस्ती में कार्यरत अधिशासी अभियंता को प्रबंध निदेशक द्वारा दो इंक्रीमेंट रोकने और परिनिंदा करने तथा चेयरमैन द्वारा बिना जांच प्रक्रिया अपनाते पदावनति कर सहायक अभियंता बनाने के आदेशों को अवैध करार देते हुए रद कर दिया है और याची को नियमित वेतन के साथ तत्काल अधिशासी अभियंता के पद पर बहाल करने का निर्देश दिया है और कहा है कि यदि विभाग जांच करता है तो बकाया वेतन परिणाम पर निर्भर करेगा।यदि जांच नहीं करता तो याची बकाया वेतन पाने का हकदार होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने अधिशासी अभियंता संजय कुमार सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।

याचिका पर अधिवक्ता ऋतेश श्रीवास्तव और श्वेता सिंह ने बहस की। इनका कहना था कि याची जिला बस्ती में तैनात था उसे मेसर्स सिक्योर मीटर्स लिमिटेड अहमदाबाद के निरीक्षण के लिए भेजा गया। जिसमे मेसर्स नेशनल प्रोजेक्ट कांस्ट्रक्शन निगम लिमिटेड के प्रतिनिधि भी शामिल थे। सिंगल फेस दो मीटर वायर का निरीक्षण करना था। इसके बाद याची को चार्जशीट दी गई। आरोप लगा कि उसका आचरण सेवा नियमावली के विरुद्ध था।जिसका याची ने खंडन किया। चार्जशीट और याची के जवाब पर रिपोर्ट के आधार पर एमडी उ प्र पावर कारपोरेशन लखनऊ ने दंडित किया। उसके खिलाफ पुनरीक्षण पर चेयरमैन ने स्वयं की शक्ति का इस्तेमाल कर पदावनति आदेश दिया। दोनों आदेशों को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट ने कहा मेजर पेनाल्टी देने से पहले जांच अधिकारी या कमेटी साक्ष्य व गवाहों के परीक्षण के बाद आरोप साबित होने पर ही दंडित किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा चेयरमैन को कारण बताओ नोटिस देकर ही याची की सजा बढ़ाने का अधिकार है। इसका पालन नहीं किया गया। जो स्थापित विधि सिद्धांत का उल्लघंन है। कोई जांच नहीं की गई। इसलिए दंडात्मक आदेश रद कर दिया है।

15 हजार का इनामिया हत्यारोपी आया बीजपुर पुलिस के शिकंजे में

बीजपुर, सोनभद्र। बीती दीपावली की दरम्यानी रात्रि स्थानीय थाना के ग्रामसभा बीजपुर टोला पुनर्वास प्रथम में वहीं कें निवासी रामलखन पुत्र हरिप्रसाद बैगा की हत्या करकें फरार पंद्रह हजार रुपये का इनामिया आरोपी 41 वर्षीय धनुकधारी उर्फ बबुआ पुत्र स्व0 हरिप्रसाद निवासी ग्रामसभा बीजपुर, टोला पुनर्वास प्रथम, थाना बीजपुर सोनभद्र को मुखबीर खास की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेशल कुमार मिश्र ने प्राइवेट वाहन में हमराही दीवान विंध्याचल कुशवाहा व आरक्षी अरविंद कुमार के साथ थाना क्षेत्र के चेतवाँ तिराहे से गुरुवार की सुबह साढ़े छह बजे गिरफ़्तार करने में अहम कामयाबी हासिल की।जबकि इसके पूर्व ही हत्या का पर्दाफ़ाश करते हुए प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्र ने दो हत्यारोपियों में से धर्मजीत पंडों उर्फ सोनू पुत्र स्व0 रामअधीन को गिरफ्तार कर जेल भेजवाने में सफ़लता प्राप्त कर ली थी। गिरफ्तार आरोपी धनुकधारी उर्फ बबुआ को पुलिस ने चालान कर अग्रीम विधीक कार्यवाई हेतु संबंधित न्यायालय में न्यायधीश के समक्ष पेश किया। जहां न्यायाधीश ने आरोपी पर लगे आरोप को जघन्य को देख कारागार में अग्रिम जमानत न मिलने तक रखने हेतु निर्देशित किया।

अवैध परिवहन व ओवरलोडिंग पर कार्रवाई के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

संवाददाता। सोनभद्र

जिलाधिकारी बीएन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रट सभागार में जनपद स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ज्येष्ठ अधिकारी, एआरटीओ, को निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध परिवहन एवं ओवर लोडिंग पर रोक लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये।

ज्येष्ठ खान अधिकारी द्वारा प्रति सप्ताह दो खनन स्थलों का निरीक्षण किया जाये और निरीक्षण के दौरान खनन प्वाइंटों पर सीसीटीवी कैमरे का संचालन आदि से सम्बन्धित निगरानी की जॉच की जायें, नम्बर प्लेट की विशेष रूप से जॉच की जायें, नम्बर प्लेट ठीक ढंग से न पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायें।

यह भी सुनिश्चित की जायें कि खनन पट्टा धारकों द्वारा निर्धारित क्षेत्र में ही खनन की कार्यवाही की जाये, अवैध तरीके से खनन किये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने खनन क्षेत्र में रिक्त क्षेत्रों के नियमानुसार व्यवस्थापन की स्थिति, नए क्षेत्रों के चिन्हांकन की स्थिति पट्टा कि पट्टा किश्त डेड रेन्ट की प्राप्ति की स्थिति खनिजवार उत्पादन एवं राजस्व प्राप्ति की स्थिति प्रवर्तन कार्य अवैध खनन, अवैध खनन परिवहन एवं अवैध भण्डारण के सम्बन्ध में खनन पट्टों के नियमानुसार संचालन के सम्बन्ध में जॉच की कार्यवाही की स्थिति मदवार राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति की स्थिति कार्यदायी संस्था के लम्बित असत्यापित ईएम0-11 प्रपत्रों के सापेक्ष खनिज की निहित मात्रा के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही की स्थिति खनिजों एवं उपखनिजों के संचालित पट्टों एवं संचालित भण्डारण की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने ज्येष्ठ खान अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि खनन विभाग से सम्बन्धित जो भी प्रत्रावलियां हो उनका ससमय नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगे वाहनो से ही परिवहन सुनिश्चित कराया जाये।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवनाथ त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र ज्येष्ठ खान अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ए0आर0टी0ओ0 राजेश्वर यादव अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक खेल महाकुम्भ में पहले दिन ओबरा ने जीता क्रिकेट मैच

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024-25 के पहले दिन क्रिकेट मैच का पहला मुकाबला दुद्धी और ओबरा के बीच हुआ, विधायक भूपेश चौबे, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत,नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक सिंह, डा0 एच पी शिंह व भाजपा जिला मंत्री संतोष शुक्ला के द्वारा टॉस करा कर मैच का शुभारंभ किया गया,दुद्धी की टीम ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्र रक्षण करने का निर्णय लिया ओबरा कि टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में अपना 3 विकेट खो कर 193 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया ओबरा के तरफसे ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए सिद्धांत ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए,रोशन नें 39 गेंदों का सामना करते हुए 56 रनों का स्कोर बनाया, जवाब में दुद्धी की टीम ने विशाल स्कोर का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में मात्र 163 रन ही बना सकी,दुद्धी की तरफ से स्कोर का पीछा करते हुए सागर ने 58 गेंदों पे शानदार 107 रन बना कर भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

ओवरा ने यह मैच 30 रनो जीत कर टूनामेंट में अपनी बढ़त बना ली है,अपनी टीम को जीत दिलाने वाले सिद्धार्थ को भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता के हाथों से मैंन ऑफद मैच का पुरस्कार दिया गया।

प्रदेश के 128 केंद्रों पर 60 हजार छात्र देंगे परीक्षाएं

●मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 27 दिसम्बर से होंगी प्रारम्भ

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसम्बर 2024 की परीक्षाएं 27 दिसम्बर 2024 से प्रारम्भ हो रही हैं। पूरे प्रदेश में 128 परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 60 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। यह जानकारी गुरुवार को कुलपति प्रो सत्यकाम ने दी। उन्होंने बताया कि परीक्षाएं 25 जनवरी 2025 तक आयोजित होंगी।

प्रयागराज तथा गाजीपुर में सर्वाधिक आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उचित छात्र संख्या का मानक स्थापित करते हुए प्रत्येक जनपद में एक परीक्षा केंद्र बनाने का प्रयास किया गया है। जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कुलपति प्रो सत्यकाम ने बताया कि प्रदेश के पांच केंद्रीय कारागारों में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिनमें बरेली फतेहगढ़ अयोध्या गोरखपुर तथा गौतम बुद्ध नगर प्रमुख हैं।परीक्षाएं दो पालियों में सुबह दस बजे से एक तक एवं दोपहर दो बजे से पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो सत्यकाम ने बताया कि प्रयागराज में लगने वाले विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक मेले महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्नान पर्व के आसपास परीक्षा नहीं रखी गई हैं। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण परीक्षा इस बार 26 दिनों में आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय ने परीक्षा संपन्न कराने के लिए समय सारणी को तीस दिन पूर्व प्रकाशित कर दिया था। इस बार समय सारणी को चार खण्डों में विभक्त किया है। जिसके अंतर्गत सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं 27 दिसंबर 2024 से दो जनवरी 2025 तक स्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा 27 दिसम्बर से 25 जनवरी 2025 तक स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की परीक्षाएं 11 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक तथा पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षाएं एक एवं दो जनवरी 2025 को आयोजित की जाएंगी। प्रो सत्यकाम ने बताया कि परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए सभी के लिए परीक्षा फॉर्म भरना अनिवार्य किया गया तथा नियमानुसार उन्हीं का प्रवेश पत्र निर्गत किया गया।

जिन्होंने अपने अधिन्यास कार्य निर्धारित तिथियों पर जमा किए। उन्होंने बताया कि सभी विषयों के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं।

जिन्हें डाउनलोड कर परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। कुलपति प्रो सत्यकाम ने ने बताया कि परीक्षाओं में सभी स्तर की प्रक्रियाओं में अधिक से अधिक डिजिटल माध्यमों व तकनीकी के प्रयोग के लिए विश्वविद्यालय निरंतर कृत संकल्पित है।

संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए केंद्राध्यक्षों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। नकल विहीन परीक्षा संपन्न करने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम लगातार परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण करेगी। उन्होंने छात्रों की सहायता के लिए क्षेत्रीय केंद्र पर हेल्प डेस्क बनाने का निर्देश दिया।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो एवं परीक्षार्थियों की समस्या के त्वरित समाधान के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सहायता पटल स्थापित किया गया है।

जहां परीक्षार्थियों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान करने के लिए तकनीकी विशेषताओं से युक्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

क्विक न्यूज

डीएम जौनपुर, एसडीएम व तहसीलदार शाहगंज को अदालत ने जारी किया अवमानना नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी जौनपुर एसडीएम शाहगंज अंकित कुमार और तहसीलदार शाहगंज को अवमानना नोटिस जारी किया है और याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 20 जनवरी नियत की है। कोर्ट ने 21 अप्रैल 23 को एसडीएम और तहसीलदार से जानकारी मांगी थी किन्तु कोई जवाब नहीं आया तो दोनों अधिकारियों सहित जिलाधिकारी को भी नए सिरे से नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने पूरा सरवन गांव के निवासी बलिराम की अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता आर एन यादव व अभिषेक कुमार यादव ने बहस की। इनका कहना है कि शाहगंज तहसील के गांव पूरा सरवन में चारागाह की जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर अवैध कब्जा कर लिया है।जिला प्रशासन ने 24 जनवरी 18 को अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया है किन्तु उसपर अमल नहीं किया गया तो हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। कोर्ट ने 18 मई 22 को एसडीएम व तहसीलदार शाहगंज को 24 जनवरी 18 के आदेश का पालन करने का आदेश दिया। जिसका पालन नहीं किया गया तो यह अवमानना याचिका दायर की गई है।

कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

सोनभद्र। नवदुर्गा रामलीला समिति शाहगंज द्वारा शुक्रवार की रात शाहगंज स्थित जंग बहादुर सिंह इंटर कॉलेज के प्रांगण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अजय शहर ने किया, कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य जय प्रकाश पाण्डेय उर्फचेखुर पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया,सरस्वती वन्दना गीतकार ईश्वर विरागी व संचालन वाराणसी से आये कवि नागेश शांडिल्य ने किया। इस दौरान सिपाही पाण्डेय मननौजी भभुआ मननमोहन मिश्रा गोरखपुर धर्म प्रकाश मिश्रा झगडु भैया वाराणसी अशोक तिवारी प्रदुम्न त्रिपाठी कौशल्या कुमारी चौहान दिव्या राय अनुपमा वाणी प्रभात सिंह चंदेल जगदीश पंथी अजय चतुर्वेदी कक्का अब्दुल हई प्रकाश मिर्जापुर ने काव्यपाठ कर पुरे माहौल को साहित्य मय बनाये रखा। इस दौरान बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी श्रोता उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस छात्राओं को सिखा रही है कानून का पाठ

संवाददाता। चन्दौली

सकलडीहा पीजी कॉलेज की छात्राओं को कोतवाल हरिनारायण पटेल व महिला दरोगा गुड़िया यादव ने आवश्यक जानकारियां दीं। सकलडीहा, प्रदेश सरकार जहां महिलाओ की सुरक्षा और सम्मान को लेकर कटिवद्ध है। वही दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक आदित्य लाग्हें की पहल पर सकलडीहा कोतवाली पुलिस बीते एक माह से सकलडीहा पीजी कॉलेज की छात्राओं को कानून का पाठ की जानकारी देने में जुटी है। कोतवाल के इस पहल का महाविद्यालय प्रशासन सहित छात्रों ने सराहा है।

गांव से लेकर कस्बा में महिलाओं से लेकर छात्र और परिवार के लोग कानून की जानकारी नहीं होने पर गुमराह और

परेशान होते है। ऐसे में कोतवाली पुलिस बीते एक माह से सकलडीहा पीजी कॉलेज की छात्राओं को हर दिन कानून की धाराओं के साथ मुख्यमंत्री हेल्प लाइन सहित अन्य नंबर को जानकारी और सुरक्षा के प्रति सचेत कर रहे है। इससे छात्राओं में कानून का ज्ञान और कानून के प्रति जिज्ञासा भी बढ़ रहा है।

छात्राओं को आत्म सुरक्षा, महिला उत्पीड़न और डिजिटल ऑन लाइन फार्ड से भी सचेत कर रही है। जिससे गांव की बेटिया अननोन नंबर के चक्कर में फस कर गुमराह न हो इसके साथ ही सोशल मिडिया के प्रति भी जागरूक कर रही है। इस बाबत केतवाल हरिनारायण पटेल ने बताया कि सोशल मिडिया और ऑनलाइन फार्ड को देखते हुए छात्राओं को जागरूक और कानून की जानकारी दी जा रही है।

जिससे भविष्य में छात्रायें अपनी सम्मान और सुरक्षा के प्रति सचेत रहे। इस मौके पर महिला दरोगा गुड़िया यादव सहित अन्य रहे।

डॉ संतोष कुमार सिंह बनाए मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के सर्जरी विभाग के सहायक आचार्य डा संतोष कुमार सिंह को मेडिकल कॉलेज का मीडिया प्रभारी और मीडिया प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ वत्सला मिश्रा ने किया है। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि इस दौरान सहायक आचार्य सर्जरी विभाग डा संतोष कुमार सिंह को विभागीय और चिकित्सा कार्य के अलावा मीडिया का कार्य देखेंगे। उन्हें इस जिम्मेदारी का कोई अतिरिक्त भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य सर्जरी विभाग डा संतोष कुमार सिंह व्यवहार कुशल स्वच्छ छवि और मरीजों जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं। सर्जरी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ बी के पांडेय प्रमुख अधीक्षक डॉ अजय सक्सेना आदि ने उस उपलक्ष्य में उन्हें बधाई दी है।

सकलडीहा में 21 हजार लोगों को मिलेगा घरौनी प्रमाण पत्र

चन्दौली। प्रधानमंत्री की ओर से शुक्रवार को पूरे भारत में स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके तहत गुरूवार को सकलडीहा एसडीएम अनुपम मिश्रा ने तहसील व ब्लॉक के अधिकारियों को हर गांवों में ग्रामीणों को घरौनी वितरण कराने का निर्देश दिया। घरौनी मिलने के बाद ग्रामीण अपने भूमि पर बैंकिंग सुविधा का लाभ आसानी पूर्वक प्राप्त कर सकते है।

तहसील के धानापुर, चहनिया और सकलडीहा ब्लॉक के अर्न्तगत कुल 441 गांव है। स्वामित्व योजना के तहत बीते माह ड्रोन से सर्वे करके ऑनलाइन घरौनी बनाया गया। जिसके तहत कुल 352 गांव का सर्वे ड्रोन से हुआ था। 272 गांव में करीब 21 हजार 500 घरौनी तैयार किया जा चुका है। 80 गांव का घरौनी बनाया जा रहा है। 79 गांव की आबादी भूखंड नहीं होने के कारण घरौनी नहीं बनाया गया है। एसडीएम अनुपम मिश्रा ने तहसील और ब्लॉक के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को सुबह दस बजे से गांव गांव में राजस्व कर्मी, प्रधान,सचिव के नेतृत्व में वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। इसके तहत ब्लॉकों पर भी पांच पांच गांवों के ग्रामीणों को घरौनी वितरण किया जायेगा। इस बाबत एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि घरौनी मिलने से ग्रामीणों को बैंकिग सुविधा का आसानी से लाभ मिल पायेगा।

इस मौके पर तहसीलदार अजीत सिंह, नायब तहसीलदार आरिफ अंसारी,बीडीओ विजय कुमार सिंह,एडीओ पंचायत बजरंगी पांडेय,कानूनगों अखिलेश मिश्रा, अजय बहादूर सिंह सहित अन्य रहे।

62 टीबी मरीजों के गोद एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीरजापुर। टीवी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद मिर्जापुर में गुरुवार को विकासखंड मझवां अंतर्गत कछवा क्रिश्चियन अस्पताल में क्षेत्र की सम्मानित विधायिका कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सूचिस्मिता मौर्या की उपस्थिति में 62 टीबी मरीजों के गोद एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मझवां विधायिका श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 2025 तक टीबी समाप्ति में आप सभी अपने-अपने स्तर से अपना अमूल्य सहयोग देते हुए भारत देश को टीबी मुक्त बनाने में अपना अमूल्य योगदान दे जिससे कि पोलियो की भांति टीबी को भी देश से समाप्त करते हुए इसके दुष्प्रभाव से प्रभाव बचा जा सके।

विधायिका महोदय द्वारा क्रिश्चियन हॉस्पिटल 51 एवं डॉक्टर पंधारी यादव द्वारा 11 टीबी मरीजों के गोद एवं कंबल वितरण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सम्मानित और संवेदनशील, सक्षम व्यक्तियों को ऐसे जनहित कार्यों में आगे आने की आवश्यकता है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि क्षेत्र का कोई भी आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति कैंसर, लीवर, किडनी आदि गंभीर बीमारियों के इलाज में अपने को यदि असमर्थ पाता है तो उसे इलाज हेतु मुख्यमंत्री कोष से मैं सहयोग दिलाने का पूरा प्रयास करूंगी।

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान को किया नमन

●आरएसएस द्वारा वीर बाल दिवस पर किया गया संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता। प्रयागराज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रयागराज विभाग द्वारा गुरुवार को संघ कार्यालय आनंदा आश्रम में वीर बाल दिवस पर संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में गुरु गोबिंद सिंह के वीर पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के महान बलिदान को श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया गया।

दक्षिण भाग के सह संघचालक मिल्कियत सिंह बाजवा ने बताया कि हर वर्ष 26 दिसंबर को साहिबजादों के बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन सिख इतिहास और भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि है।

इस अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

जिन्होंने नन्ही उम्र में धर्म और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। गुरु गोबिंद सिंह जो सिखों के दसवें गुरु थे उन्होंने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके परिवार का बलिदान आज भी भारतीय इतिहास में त्याग निष्ठा और वीरता का अनुपम उदाहरण है।

उनके छोटे साहिबजादों ने मुगल शासकों के सामने झुकने से इनकार कर दिया और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़े रहे। मुगल साम्राज्य के दौर में गुरु गोबिंद सिंह के चार पुत्र जिन्हें चार साहिबजादे के नाम से जाना जाता है धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर अमर हो गए। साहिबजादा अजीत सिंह साहिबजादा जुझार सिंह साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह चारों वीरों ने खालसा पंथ के सिद्धांतों का पालन करते हुए सिख समुदाय की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

1699 में गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। जिसका उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा करना था। उनके चारों साहिबजादे बाल्यकाल में ही धर्म और कर्तव्य के प्रति समर्पित थे। साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह ने मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में अमानवीय मुगल शासकों के सामने झुकने से मना कर दिया और कहा हम शेर के बच्चे है। हम तुमसे डरते नहीं है और मुगलों ने जीवित ही दोनों बालकों को दीवार में चुनवा दिया पर वह धर्मातर के लिए तैयार नहीं हुए।

साहिबजादों के बलिदान को सम्मानित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिवस हमें न केवल साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान की याद दिलाता है। बल्कि हमारे बच्चों और युवाओं को साहस निष्ठा और कर्तव्य परायणता की प्रेरणा भी देता है। वीर बाल दिवस न केवल सिख समुदाय के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का दिन है।

यह दिवस हमें धर्म सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अडिग रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में साहिबजादों के जीवन और बलिदान पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने उनके सिद्धांतों से प्रेरणा लेने और उनकी गाथा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

वीर बाल दिवस धर्म और सत्य के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देता है। साहिबजादों का बलिदान युगों युगों तक अमर रहेगा।

कार्यक्रम में प्रयागराज विभाग के विभाग प्रचारक आदित्य मुख्य स्थाई अधिवक्ता शीतला प्रसाद गौड़ विभाग कार्यवाह डॉ संजय सह विभाग कार्यवाह आशीष मोहन दक्षिण भाग सह संघचालक मिल्कियत सिंह बाजवा दक्षिण भाग कार्यवाह मनोज दक्षिण भाग प्रचारक देवदत्त शरद गुप्त आदि शामिल रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता। अंबेडकर नगर

25 दिसंबर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर लोक भवन के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला तथा अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के प्रतिमा तथा मां सरस्वती के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालयों के छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर रक्षामंत्री तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण उपस्थित अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों तथा छात्र,छात्राओं को

दिखाया गया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर 19.12.2024 से 25.12.2024 तक की अवधि में विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 8 से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के मध्य अटल एवं सुशासन विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (अधिकतम 1000 शब्द सीमा के अन्तर्गत) का आयोजन कराया गया तथा स्नातक एवं परास्नातक के छात्र-छात्राओं के मध्य अटल जी एवं सुशासन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। युवा छात्र-छात्राओं के मध्य भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जनपद स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अवनीश पटेल, द्वितीय स्थान कूबा मोहम्मदी एवं तृतीय स्थान रहमतुन्निशा ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः रु0 5,000/-, रु0 3,000/- एवं रु0 2000/- की पुरस्कार धनराशि एवं प्रमाण- पत्र प्रदान किया गया।

जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह, द्वितीय स्थान इशिका मिश्रा एवं तृतीय स्थान मानवी वर्मा ने प्राप्त किया।

बांग्लादेश की प्रार्थना

शेख हसीना का प्रत्यर्पण

बांग्लादेश ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रार्थना की है। इससे दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत की भूमिका पर महत्वपूर्ण सवाल खड़े होते हैं। बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रार्थना की है जो 5 अगस्त, 2024 को तख्तापलट के बाद भारत भाग आई थीं। यह प्रार्थना राजनयिक 'नोट वर्बेल' के माध्यम से की गई है जिसने भारत को नाजुक स्थिति में डाल दिया है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय स्थायित्व में संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। इससे भारत के सामने उपलब्ध विकल्पों तथा स्थिति की पृष्ठभूमि पर गौर करने की जरूरत है। बांग्लादेशी राजनीति की कद्दावर नेता तथा अवामी लीग की प्रमुख खेख हसीना को छात्रों के एक राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद सत्ता छोड़नी पड़ी थी। सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों की मांगे मानने के बावजूद अशांति बनी रही। हसीना का दावा है कि इसके पीछे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस का हाथ था। विरोध प्रदर्शनों के कारण उनको सत्ता छोड़नी पड़ी और वे भारत भाग आईं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा की गई राजनयिक प्रार्थना देश में शेख हसीना को वापस लाने की इच्छा प्रकट करती है ताकि उनको राजनीतिक उथलपुथल के लिए जवाबदेह ठहराया जा सके।

ऐतिहासिक संबंधों, परस्पर हितों तथा कभी-कभी तनाव से परिभाषित भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध जटिल हैं। ऐसे में शेख हसीना के प्रत्यर्पण को अंतरिम सरकार के प्रति भारत के समर्थन की तरह देखा जाएगा जिससे बांग्लादेश की प्रमुख राजनीतिक शक्ति अवामी लीग के साथ रिश्ते खराब हो जाएंगे। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट ने पहले ही दक्षिण एशिया में उथलपुथल पैदा की है। ऐसे में भारत द्वारा प्रत्यर्पण पर लिया जाने वाला कोई निर्णय क्षेत्र की राजनीतिक गतिशीलता को प्रभावित कर सकता है जिसमें अन्य दक्षिण एशियाई देशों से संबंध भी शामिल हैं। वापस जाने पर शेख हसीना की सुरक्षा और न्यायिक सुनवाई पर संदेह है क्योंकि उनको देशद्रोह के आरोप का सामना करना पड़ सकता है। प्रत्यर्पण संधियों तथा समझौतों के प्रति अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों के साथ भारत को इन सरोकारों पर भी विचार करना होगा। भारत द्वारा इस मामले के निपटारे के ढंग पर क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उसका दृष्टिकोण तथा लोकतांत्रिक सिद्धान्तों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रकट होगी। मानवीय आधार या बांग्लादेश में कानूनी सुनवाई के न्यायोचित न होने के आधार पर भारत शेख हसीना को शरण दे सकता है। इससे राजनीतिक निर्वासितों को शरण देने की भारत की ऐतिहासिक भूमिका प्रकट होगी, पर इससे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से संबंध खराब हो सकते हैं। भारत हसीना का प्रत्यर्पण उनकी सुरक्षा, न्यायोचित सुनवाई तथा अंतरराष्ट्रीय विधिक मानकों की शर्तों पर कर सकता है। इससे भारत अंतरिम सरकार तथा हसीना के समर्थकों के साथ संबंध बनाए रख सकता है। भारत बांग्लादेश के साथ बांग्लादेश के साथ राजनयिक संपर्क कर परस्पर सहमति के आधार पर प्रत्यर्पण में विलंब भी कर सकता है। इससे भारत को राजनीतिक स्थिति की समीक्षा करने तथा संभावित नुकसान से बचने में सहायता मिलेगी। हालांकि, भारत के निर्णय से असंदिग्ध रूप से भारत-बांग्लादेश संबंध प्रभावित होंगे, पर इस प्रभाव पूरे क्षेत्र पर भी दिखाई दे सकता है। भारत को अपने विकल्पों पर सावधानी से विचार करते हुए तात्कालिक राजनीतिक प्रभावों तथा दक्षिण एशिया में स्थायित्व पर उसके दीर्घकालीन दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाना होगा।

भारतीय डाक का भविष्य

भारतीय डाक इस समय महत्वपूर्ण मोड़ पर है। निजी कूरियर सेवायें बाजार में गति तथा सुविधा के दृष्टिकोण से अपना हिस्सा बढ़ा रही हैं। ऐसे में भारतीय डाक को प्रतियोगिता में बने रहना होगा।

सुभाष चंद्र अग्रवाल
(लेखक, आरटीआई सलाहकार हैं)

देश भर के नागरिकों को एक दूसरे से जोड़ने की 'जीवनरेखा' भारतीय डाक को अपनी सेवाओं की समग्र समीक्षा करनी चाहिए। इस सुधार में खोज को शामिल कर डाक विभाग के ज्यादा राजस्व सृजन सुनिश्चित करने के साथ ही जनता को सस्ती सेवायें देने पर ध्यान बनाए रखना होगा। अपनी सुविधा और क्षमता के कारण निजी कूरियर सेवायें आकर्षण का केन्द्र बनी हैं, ऐसे में भारतीय डाक को तेजी से बदलते परिवेश में प्रतियोगी और प्रासांगिक बने रहना होगा। इसके लिए डाक दरों को तार्किक बनाने तथा कुछ सेवाओं पर जीएसटी हटाने पर विचार होना चाहिए। डाक सेवाओं का वर्तमान ढांचा अत्यधिक सस्ती सेवायें देना है, जैसे पोस्टकार्ड की कीमत केवल 50 पैसे रखी गई है।

हालांकि, ऐसी सेवाओं का उद्देश्य संप्रेषण को सबकी पहुंच में रखना है, पर अक्सर उनका दुरुपयोग होता है। उदाहरण के लिए, 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों ने पोस्टकार्डों का व्यापक प्रयोग किया जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक खजाने पर भारी बोझ पड़ा। इसी प्रकार अक्सर पोस्टकार्डों का वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए व्यापक दुरुपयोग होता है, जैसे चिटफंड कंपनियां इनका प्रयोग रिमाइंडर देने के लिए करती हैं। ऐसी सस्ती सेवाओं का आम आदमी विरले ही प्रयोग करते हैं, लेकिन बिना किसी लाभ के इनका बोझ करदाताओं पर पड़ता है। इससे निपटने के लिए प्रिंटेड या रबर-स्टांप वाले पोस्टकार्डों का प्रयोग बंद करना चाहिए, जब तक उनको स्पांसर न किया जाए।

स्पांसर्ड 'मेघदूत' पोस्टकार्ड की कीमत एक रुपया तथा प्रिंटेड पोस्टकार्ड की कीमत 10 रुपये रखने से एक टिकाऊ राजस्व माडल बनेगा। इसी प्रकार पंजीकृत अखबारों के लिए टैरिफबढ़ा कर एक रुपया किया जाना चाहिए जो छोटे अखबरों के उत्पादन व निवेश के बढ़ते खर्च के अनुरूप है। इसके साथ ही जहां सामान्य डाक सेवायें जीएसटी से मुक्त हैं, वहीं स्पीड पोस्ट जैसी प्रीमियम सेवाओं पर जीएसटी लगाने का हानिकारक असर हुआ है। इसके परिणामस्वरूप सरकारी विभागों के बीच पैसे का हस्तांतरण हुआ है। प्रति 50 ग्राम भार पर स्पीड पोस्ट का खर्च 20 या 30 रुपये रख कर अन्य घरेलू व अंतरराष्ट्रीय डाक दरों को 10 रुपये के गुणक में रखना चाहिए। इससे व्यवस्था सहज होगी तथा अक्षमता घटेगी। अंतरराष्ट्रीय डाक दरों की नियमित समीक्षा करते हुए भार तथा हवाई व 'सरफेस मेल' के लिए समान दरें या उनमें वृद्धि तय की जा सकती हैं। राजस्व बढ़ाने के लिए डाक विभाग को स्पांसर्ड डाक टिकटों को शुरू करना चाहिए।

इन टिकटों पर विज्ञान या स्वीकृत संदेश दिए जा सकते हैं। इनका प्रयोग स्पांसरों द्वारा निर्धारित दर पर बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। इस पहल से बिजनेस आकर्षित होगा तथा निजी कूरियर सेवाओं के बजाय वे डाक सेवाओं का प्रयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। इसके साथ ही वित्त वर्ष के पहले दिन हर साल निश्चित डाक टिकट व स्टेशनरी जारी की जा सकती है। इन टिकटों के लिए खास धनराशि के लिए अलग-अलग रंगों के प्रयोग के साथ चयनित थीमों पर नई डिजाइनें प्रयोग की जा सकती हैं। पहले मनमाने ढंग से 12 या 41 रुपये के 'समारोही स्टांप' जारी किए जाते थे, इसके बजाय इनको 10 रुपये के गुणक में जारी करना चाहिए। इसके साथ ही मिनियेचर शीट के बजाय एक ही शीट पर विभिन्न धनराशि के टिकट लगाने को

भारतीय डाक में परिवर्तन में क्षमता, खोज तथा ग्राहक-केन्द्रीयता को स्थान मिलना चाहिए। दरों को तार्किक बनाने, बेकार सब्सिडी समाप्त करने तथा स्पांसर्ड सेवाओं के प्रयोग से डाक विभाग का वित्तीय टिकाऊपन सुनिश्चित होगा।

बंद किया जाना चाहिए क्योंकि इससे स्थिति जटिल होती है। संग्रहकर्ताओं के लिए आकर्षक मिनियेचर शीट्स को उनमें शामिल टिकटों के मूल्य से अधिक रखना चाहिए। ऐसे उपायों से न केवल डाक टिकटों के माध्यम से राजस्व बढ़ेगा, बल्कि जनता में डाक सेवाओं के प्रति दिलचस्पी भी पैदा होगी। 'माई स्टांप' पहल पर पुन: विचार की आवश्यकता है। इससे लोग डाक टिकटों अपनी व्यक्तिगत छवियों का प्रयोग कर उनका दुरुपयोग करते हैं। अनेक रिपोर्टों से पता चलता है कि कुख्यात लोग अपने फेटो के साथ डाक टिकट प्राप्त कर कार्यक्रम की विश्वसनीयता को धक्का पहुंचा रहे हैं। चूंकि प्रार्थियों की पृष्ठभूमि जांचने की कोई जीवन्त व तेज व्यवस्था नहीं है इसलिए इस कार्यक्रम का दुरुपयोग हो सकता है। 'माई स्टांप' की अवधारणा समाप्त कर इसके स्थान पर स्पांसर्ड टिकटों की व्यवस्था को बढ़ावा मिलना चाहिए। स्पांसर्ड टिकटों से न केवल बेहतर नियमन सुनिश्चित होगा, बल्कि इससे राजस्व की व्यवस्था भी सुचारु बनेगी। वर्तमान समय में डाक विभाग द्वारा जारी रसीदों में केवल विभाग द्वारा रखे जाने वाले हिस्से में ही स्टिकर लगा होता है, जबकि ग्राहक वाले हिस्से में यह नहीं होता है। ग्राहक की रसीद पर स्टिकर लगाने से डिस्पैच रजिस्टरों या दस्तावेजों पर गोंद लगाने से मुक्ति मिलेगी।

इस मामूली परिवर्तन से जनता के संसाधन बचेंगे तथा खासकर डाक सेवाओं पर अत्यधिक निर्भर संगठनों के लिए प्रयोग का अनुभव बेहतर होगा। 1, 2, 5 या 7 रुपये के पोस्टल आर्डर जारी रखने से इनका हैंडलिंग खर्च बढ़ता है। उदाहरणार्थ, 2011-12 में एक पोस्टल आर्डर का 'हैंडलिंग खर्च' 37.45 रुपये था जो इसके मूल्य से बहुत अधिक था। इस नुकसान को कम करने के लिए 100, 200 और 500 रुपये के पोस्टल आर्डर जारी किए जाने चाहिए। इसके साथ ही 2, 10 और 50 रुपये के आरटीआई-स्टांपों का प्रयोग आरटीआई कानून में भुगतान प्रक्रिया में किया जा सकता है। इससे भुगतान प्रक्रिया आसान होगी। यह दृष्टिकोण केन्द्रीय सूचना आयोग की संस्तुतियों के अनुसार है।

डाक विभाग के खातों में अक्सर अघोषित धनराशि पड़ी रहती है क्योंकि मृत व्यक्ति इनकी सूचना अपने कानूनी वारिसों को नहीं दे पाते हैं। इससे धोखाधड़ी की संभावना बढ़ती है और दुष्ट लोग अकसर डाक कर्मचारियों के गठजोड़ से यह धनराशि हड़प लेते हैं। इस जोखिम से बचने के लिए डाक विभाग को ऐसे खाताधारकों को पंजीकृत पत्र भेजने चाहिए जिन्होंने तीन साल से अधिक समय से अपने खातों का संचालन न किया हो अथवा परिपक्व धनराशि का दावा न किया हो। यदि तीन महीने में कोई जवाब न मिले तो इस धनराशि को फ्रीज़ कर या फिक्स्स खातों में बदल देना चाहिए और केवल गहन जांच के बाद इसे जारी करना चाहिए। ऐसे खातों का विवरण प्रकाशित करने से कानूनी वारिसों को अपने अधिकार प्राप्त करने में आसानी होगी। इसके साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम की तरह नामांकन की व्यवस्था से जमा धनराशि तथा उसकी हस्तांतरण प्रक्रिया सुरक्षित रहेगी। पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक जैसे प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्रों में डाकघर बंद करने से उन बिजनेसों को असुविधा हुई है जो पंजीकृत व स्पीड पोस्ट सेवाओं पर निर्भर थे। बैंकों द्वारा लगातार सरकारी बचत योजनाओं में शामिल होने के बाद उनकी शाखाओं का प्रयोग डाक सेवाओं की बुकिंग के लिए भी किया जाना चाहिए। बैंकों को इन सेवाओं के लिए थोड़ा कमीशन दिया जा सकता है। इससे न केवल लोगों तक पहुंच बढ़ेगी, बल्कि डाक व बैंकिंग इकोसिस्टम का ज्यादा प्रभावी सम्मिलन भी सुनिश्चित होगा।

भारतीय डाक में परिवर्तन में क्षमता, खोज तथा ग्राहक-केन्द्रीयता को स्थान मिलना चाहिए। दरों को तार्किक बनाने, बेकार सब्सिडी समाप्त करने तथा स्पांसर्ड सेवाओं के प्रयोग से डाक विभाग का वित्तीय टिकाऊपन सुनिश्चित होगा। इसके साथ ही अनेक आपरेशनल कमियों को संबोधित कर सेवाओं में बेहतरी पैदा कर भारतीय डाक एक विश्वसनीय व प्रतियोगी संचार माध्यम के रूप में अपनी पुरानी स्थिति पुन: प्राप्त कर सकती है। इन परिवर्तनों को स्वीकार कर भरतीय डाक न केवल अपना वित्तीय भविष्य सुनिश्चित कर सकता है, बल्कि यह भारत के संचार नेटवर्क में अपनी केन्द्रीय भूमिका निभाना भी जारी रख सकता है।

एक देश, एक चुनाव: महत्वपूर्ण पहल

पीएम मोदी ने 'एक देश एक चुनाव' पर अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया है। ऐसे में पूरे देश को प्रतीक्षा करते हुए देखना होगा कि इस प्रस्ताव से एकता बढ़ती है या विभाजन।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संसद में विवादास्पद 'एक देश एक चुनाव' विधेयक लाने से स्वीकार्यता के बजाय विवाद को ज्यादा बढ़ावा दिया है। भाजपा इसे काफी समय से लाने की बात कर रही थी जिसे अब संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस प्रकार भाजपा का एजेंडा आगे बढ़ाया है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर बनाने तथा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान से अनुच्छेद 370 हटाने के वादे पूरे किए हैं। इस बहु-प्रतीक्षित विधेयक का उद्देश्य लगभग एक बिलियन मतदाताओं वाले 28 राज्यों और आठ संघशासित क्षेत्रों की चुनाव प्रक्रिया को सहज बनाना है। इस विधेयक ने व्यापक बहस, काफी दिलचस्पी तथा विभिन्न दलों के विरोध को जन्म दिया है। हालांकि, एकसाथ चुनाव पर चर्चा हो रही है, पर कुछ सवालों के जवाब मिलने चाहिए। क्या मोदी के पास संसद में विधेयक पास करने के लिए दो-तिहाई बहुमत है? क्या इस पर राजनीतिक सहमति है? क्या विपक्ष एकजुट होगा? क्या विधेयक लाने का समय सही है? अधिकांश विपक्षी दल एकसाथ चुनाव का विचार स्वीकार नहीं करते हैं जिनमें कांग्रेस, वामपंथी दल, तृणमूल कांग्रेस तथा क्षेत्रीय व छोटे दल शामिल हैं। वे इसे राजनीतिक बदले की भावना तथा इस आशंका से अस्वीकार करते हैं कि भाजपा को इसका लाभ हो सकता है। पिछले साल पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित नौ-सदस्यीय समिति ने एकसाथ चुनाव को 'गेम चेंजर' बता कर इसका समर्थन किया था। 32 दलों ने इस अवधारणा का समर्थन तथा 15 ने विरोध किया था। इस समिति ने केन्द्र को प्रस्ताव के क्रियान्वयन के लिए एक समिति गठित करने की सलाह दी थी। इसके साथ ही संयुक्त मतदाता सूची होनी चाहिए जिसका प्रयोग मतदाता राष्ट्रीय, राज्य व स्थानीय चुनावों में कर सकें।

पिछले वर्षों में चुनाव लगातार होते रहे हैं,

पर 'एक देश एक चुनाव' विधेयक चुनाव प्रक्रिया को नया स्वरूप दे सकता है। विधेयक के समर्थकों का कहना है कि इससे चुनाव प्रचार खर्च में काफी कमी आएगी, प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव घटेगा तथा प्रशासन सहज बनेगा। इससे जनता में आशा पैदा हो सकती है। भारत में चुनाव अनेक स्तरों पर होते हैं जिनमें पंचायत, जिला स्तर, राज्य विधानसभा तथा राष्ट्रीय स्तर शामिल हैं। वे अलग-अलग समय पर होते हैं और सरकार इस व्यवस्था को सुचारु बनाना चाहती है। मजेदार बात है कि यह विचार नया नहीं है। ऐतिहासिक रूप से 1952 से 1967 तक चुनाव एकसाथ होते थे। लेकिन विभिन्न सरकारें समय से पहले भंग होने तथा विधानसभाओं का कार्यकाल बदलने से इनमें बिखराव आया। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अनेक विपक्ष शासित राज्य सरकारें भंग कर दी थीं। वर्तमान समय में भाजपा के लिए अपने सहयोगी दलों तथा मित्र दलों का समर्थन बहुत जरूरी है। 2024 के हालिया चुनाव में भाजपा सदन में बहुमत से 40 सीटें पीछे रह गई और वह जदयू व तेलगूदेशम की सहायता से ही सरकार बना सकी। अधिकांश विपक्षी दलों ने एकसाथ चुनाव की अवधारणा अस्वीकार कर दी है जिनमें कांग्रेस, वामपंथी दल, तृणमूल कांग्रेस तथा क्षेत्रीय व छोटे दल शामिल हैं। विधेयक पेश करते समय भाजपा के भी 20 सांसद गायब थे। कोविंद समिति ने दो हिस्सों में मतदान का सुझाव दिया है। पहला लोकसभा और विधानसभाओं तथा दूसरा स्थानीय निकायों के लिए होगा। इस विधेयक के समक्ष अनेक विधिक, संवैधानिक व राजनीतिक चुनौतियां हैं। कोविंद समिति ने एकसाथ चुनाव कराने के लिए अनुच्छेद 83 व 172 में संशोधन का सुझाव दिया है। लेकिन भाजपा के पास इन संशोधनों के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं है। एकसाथ चुनाव के लिए संविधान में परिवर्तन जरूरी हैं। इनसे देश की संघीय संरचना पर राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है तथा एक बिलियन मतदाताओं से एकसाथ चुनाव कराने की लाजिस्टिक चुनौतियां होंगी। प्रधानमंत्री मोदी की मुख्य चुनौती संसद में समुचित समर्थन प्राप्त करना है। इसके साथ ही सरकार को राजनीतिक सहमति बनाने तथा विपक्ष को मनाने की जरूरत है। विपक्ष को भय है कि इससे भाजपा को लाभ होगा, इसलिए उसने प्रस्ताव नामंजूर कर दिया है। 15 विपक्षी दलों के 205 सांसद हैं, जबकि मोदी को आगे बढ़ने के लिए 362 वोट चाहिए। कार्यकाल के बीच में सरकारें गिरने तथा केन्द्रीय राजनीतिक निगरानी के लिए एकसाथ चुनाव की स्थिति में कानूनी ढांचा जरूरी होगा।

'एक देश एक चुनाव' का दृष्टिकोण बार-बार चुनाव से संसाधनों की बरबादी रोकेगा, इसलिए विपक्ष को इस पर सावधानी से विचार कर सार्वजनिक चर्चा के लिए वैकल्पिक प्रस्ताव पेश करना चाहिए। एक देश एक चुनाव भाजपा का एक चुनावी वादा है। उसने कुछ प्रमुख वादे पूरे कर दिए हैं जिनमें अनुच्छेद 370 हटाना तथा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शामिल हैं। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी अधूरा एजेंडा पूरा करना चाहते हैं। मोदी ने स्पष्ट रणनीति से यह विधेयक पेश किया है। यदि यह पास हो जाता है तो भाजपा सरकार को लाभ होगा। यदि यह विफल हो जाता है तो वे कहेंगे कि सुधार का प्रयास किया, पर विपक्ष ने इसमें बाधा डाली। संभावित विलंब के बावजूद विधेयक पर चर्चा जरूरी है क्योंकि चुनावों पर करदाताओं का बहुत धन खर्च होता है। विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने के बाद अब उसकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

आप की बात

कब सतर्क होगा वैश्य समाज?

बनवारी लाल गोयल जी की निर्मम हत्या, क्या वैश्य समाज की आंखे खोल पायी । सम्भल के जिस मुस्लिम समाज से बनवारी लाल जी, व्यापारिक और सामाजिक सम्बन्ध के साथ साथ मधुर संबंध रखते थे उसी मुस्लिम समाज ने बनवारी लाल जी को कई हिस्सों में काटकर दर्दनाक मृत्यु दी। इस वीभत्स हत्याकांड के उजागर होने पर आम जनमानस योगी सरकार की प्रशंसा तो कर रहे है पर स्वयं क्या कर रहें है इस पर भी विचार होना चाहिए । सम्भल में बनवारी लाल जी के अतिरिक्त सैकड़ो हिन्दुओ को जिन्दा जलाकर मार दिया गया जिसका एक मात्र कारण मजहबी चरमपंथ था लेकिन अब भी वैश्य समाज के अनेको लोग इन्ही मजहबी चरमपंथियों को अपने प्रतिष्ठानों में काम पर रखते हैं,उनसे कार्य करवाते हैं और बड़े गर्व से कहते हैं की बाजार से दो रूपए कम में काम कर रहे हैं,हिन्दुओ से बढ़िया काम कर रहे हैं,चार बार बाउजी बाउजी कहते हैं, हिन्दुओ के तो दिमाग खराब हैं तो यह निश्चित है की बनवारी लाल जी अंतिम व्यक्ति नहीं थे जिनके साथ मजहबी जिहाद की गयी ,उन सबका यही परिणाम होगा जो अब भी धन लालच में सत्य को देखकर नजरअंदाज कर रहे हैं। अब भी समय है जागरूक होइए , कठोर निर्णय लीजिये, भंडारे,भजन संध्या आदि करवाने के स्थान पर हिन्दुओ को संवैधानिक रूप से शस्त्र और शास्त्र से सशक्त करने हेतु योजना बनाइये।

– **दिव्य अग्रवाल**, मेल से

पाकिस्तान का दावा

पाकिस्तान का कहना है कि उसकी सेना ने अफगानिस्तान में हवाई हमले टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के ठिकानों पर किए हैं, जो पाकिस्तान में बार-बार आतंकी हमले कर रहा है और अफगानिस्तान में पनाह पा रहा है। इन हवाई हमलों को पाक सेना के अज्म-ए-इस्तेकाम अभियान का हिस्सा भी बताया जा रहा है। पाकिस्तान की इस करवाई ने भारत के लिए भी आतंकवादियों के सफाये का रास्ता खोल दिया है। आशा है भारत अपने देश में पाकिस्तान से घुसकर आए हुए आतंकवादियों के ठिकानों का सफाया पाकिस्तान में घुस कर करेगा। भारत में पाक से घुसकर आए हुए आतंकवादियों के ठिकानों का सफाया करने के लिए भारतीय सेना को भी इसी तरह के हमले करने होंगे। पाकिस्तान की सेना ने टीटीपी के ठिकानों पर हवाई हमले करने के लिए अपने फाइटर जेट्स का उपयोग किया है। इन हमलों में कई आतंकवादी मारे गए हैं और उनके ठिकाने नष्ट हो गए हैं। भारत को भी पाकिस्तान से घुसकर आए हुए आतंकवादियों के खिलाफ इसी तरह के हमले करने होंगे। भारतीय सेना को अपने फाइटर जेट्स का उपयोग करके आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई हमले करने होंगे। इस तरह के हमले करने से भारत पाक से घुसकर आए हुए आतंकवादियों को खत्म कर सकता है और अपने देश की सुरक्षा को मजबूत बना सकता है। जैसा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान में हमला करके किया है। – **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

भारत सोने की चिड़िया

इतिहास गवाह है कि प्राचीनकाल में राजा-महाराजाओं के समय सोने, चांदी,हीरे जवाहरात के भण्डार रहे हैं। रामराज्य में रावण के पास सोने की लंका थी. वर्षों पुरानी बड़ी-बड़ी सोने और हीरे से जड़ी मूर्तियां मंदिरों में विराजमान है. ये तो हुई प्राचीन व मध्य काल की सियासतों की विरासतों की बात. किन्तु वर्तमान युग में भी मेरे देश में सोना,चांदी, हीरे-मोती की कमी नहीं है. बाजार और महिलाओं द्वारा संकलन की बात छोड़िये ये तो जैसे कहते हैं सौ टंच एक नंबर की संपत्ति है. किन्तु आजकल दो नंबर का करोड़ों का सोना भी नगदी के साथ कभी जंगल में मंगल कर रहा है तो कभी एयर पोर्ट पर और कभी भारतीय सीमा के तटों पर छापेमारी में मिल रहा है. मुगलकाल और अंग्रेजी शासन के दौरान भी भारत से खूब सोना लूटा गया. क्योंकि तब लुटेरों को हमारा देश सोने की चिड़ियां दिखता था तभी तो उन्होंने जोड़-तोड़ व तोड़-फोड़ करके सोने की चिड़ियां के शरीर पर चोंटें पहुंचकर उसे लूटा आजकल कालाबाजारी, भ्रष्टाचारी देश में रहकर देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ तो इसे विदेशों (स्विस बैंकों आदि) में भी रख रहे हैं जिसपर सरकार की पैनी नजर है और वो इस पर उचित कार्रवाई भी कर रही है. कुछ तो उसे हांसिल भी हुआ है और कुछ हांसिल करने में लगी हुई है। बावजूद इसके मुगलों और अंग्रेजों ने देश को लूटा।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

अवैध बांग्लादेशी

देशभर में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की निरंतर बढ़ती संख्या गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। वास्तव में विदेशी घुसपैठ की यह समस्या उससे कहीं अधिक गंभीर है, जितनी अभी दिखाई दे रही है। इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के कारण देश को आर्थिक क्षति के साथ-साथ जनसंख्या विस्फोट और सामाजिक ताने-बाने को गंभीर क्षति पहुंचने वाली है, जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए अत्यंत घातक है। अवैध घुसपैठियों की बढ़ती संख्या भारत के संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त दबाव डालती है। अवैध रूप से रह रहे प्रवासी देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं। वे रोजगार के अवसरों को अवैध रूप से हथिया सकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार पाने में कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा, यह सामाजिक कल्याण और सरकारी संसाधनों पर भी अतिरिक्त बोझ डालता है। यह कामकाजी अवसरों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है, जिससे सामान्य नागरिकों के लिए संसाधनों की कमी हो सकती है। अवैध घुसपैठ से देश की सुरक्षा प्रणाली पर दबाव पड़ सकता है।

– **अंकित सोनी**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अटल जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता

संवाददाता। श्रावस्ती

जिला क्रीड़ाधिकारी शिवकुमार यादव ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार स्पोर्ट्स स्टेडियम श्रावस्ती में भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के उपलक्ष में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इस खेल प्रतियोगिताओं के मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय विकास दल अधिकारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी द्वारा स्व0 अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल का शुभारंभ कराया गया। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया की आज जिला स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया जिसमें 12 टीमों ने प्रतिभा किया जिसमे मुख्यत: कबड्डी खेलो इंडिया सेंटर श्रावस्ती श्री अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज भिनगा श्रावस्ती केंद्रीय विद्यालय श्रावस्ती स्पोर्ट्स स्टेडियम श्रावस्ती जनता इंटर कॉलेज पटना खरगोरा उच्च प्राथमिक विद्यालय पटना खरगौरा जमुनहा कबड्डी क्लब राइडर क्लब जगजीत इंटर कॉलेज इकौना राजकीय आश्रम पद्धति सिरसिया आदि टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला मैच राजकीय आश्रम पद्धति सिरसिया एवं जगजीत इंटर कॉलेज इकौना के मध्य हुआ जिसमें जगजीत इंटर कॉलेज की टीम ने रांची आश्रम पद्धति को 30 27 से मैच हारते हुए पहला मैच अपने नाम किया वहीं दूसरा मैच स्पोर्ट्स स्टेडियम कबड्डी एवं जनता इंटर कॉलेज पटना खरगोरा के मध्य हुआ जिसमें स्पोर्ट्स स्टेडियम कबड्डी की टीम एक तरफा मैच में विजई हुई। तीसरा मैच उच्च प्राथमिक विद्यालय टंडवा एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय अमवा के मध्य हुआ जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय टंडवा विजेता रही पहला सेमीफाइनल में खेलो इंडिया कबड्डी और अमवा के मध्य मुकाबला हुआ जिसमें खेलो इंडिया 28 -4 से विजई हुई।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में श्रावस्ती देश में प्रथम स्थान पर: जिलाधिकारी

●नीति आयोग ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों के समक्ष की घोषणा

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि भारत सरकार के आकांक्षात्मक ब्लाक कार्यक्रम में जनपद श्रावस्ती को पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है इस आशय की घोषणा दिनॉक 23 अगस्त 2024 को नीति आयोग भारत सरकार द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के सभी जिलाधिकारियों के समक्ष की गयी थी। यह घोषणा नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी0वी0 सुब्राहाण्यम द्वारा एक समारोह के माध्यम से की गयी नीति आयोग द्वारा इस उपलब्धि पर जनपद के अधिकारियों को बधाई दी गयी। उन्होने यह भी बताया कि भारत सरकार के आकांक्षी जनपद कार्यक्रम के अन्तर्गत आकांक्षी विकास खण्ड कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद श्रावस्ती का जमुनहा ब्लाक चयनित है जमुनहा विकास खण्ड के सर्वागीण विकास हेतु संचालित इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट प्रयासों हेतु जमुनहा ब्लाक को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के अन्तर्गत देश भर में 500 ब्लाक चिन्हित किये गये हैं। इसी क्रम में भारत सरकार नीति आयोग नई दिल्ली के द्वारा विकास खण्ड जमुनहा जनपद श्रावस्ती को तीन करोड रुपये अवार्ड के रूप में प्राप्त हुआ है।

आकांक्षात्मक ब्लाक कार्यक्रम के अन्तर्गत 40 इन्डीकेटर्स पर मूल्यांकन किया जाता है।जिसके अन्तर्गत स्वास्थ्य के 7 पोषण के 7 शिक्षा के 11 कृषि के 5 आधारभूत संरचना के 5 एवं सामाजिक विकास के 5 इन्डीकेटर्स पर प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है।

भक्तिमय वातावरण में आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया तुलसी पूजन दिवस

संवाददाता। संतकबीरनगर

पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में बुधवार की देर रात खलीलाबाद शहर के लक्ष्मी नरायण मंदिर में तुलसी पूजन दिवस भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। मुख्य अतिथिगण उद्योग व्यापार पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के पूर्वांचल अध्यक्ष सर्वदानंद पांडेय, पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के संरक्षक/समाज सेवी उदय राज तिवारी, नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के चेयरमैन जगत जायसवाल, राष्ट्रीय स्वयं संघ के जिला प्रचारक अनुपम, समाजसेवी प्रदीप सिंह सिसोदिया, व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता सहित अन्य लोगों ने माता तुलसी की पूजा एवं आरती करके आशीर्वाद लिया।

साथ ही अतिथियों एवं भक्तों ने घर के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। तुलसी पूजन दिवस में पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के संरक्षक/समाज सेवी उदय राज तिवारी ने कहा कि तुलसी जी की पूजा करने से घर में सुख और शांति आती है।

तुलती जी का पौधा घर पर लगाने से सभी संकट भी दूर होते हैं। इसलिए तुलसी जी को माता का रूप मानकर उनकी पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के चेयरमैन जगत जायसवाल ने कहा कि अपनी भारतीय संस्कृति में श्रीमद् भागवत जी और तुलसी जी का पवित्र स्थान है। उन्होंने बताया कि तुलसी जी एक ऐसा पौधा है जो 24 घंटे ऑक्सीजन देता है। तुलसी जी के पत्ते को अमावश्या द्वादशी, पूर्णिमा तथा रविवार को नहीं तोड़नी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयं संघ के जिला प्रचारक अनुपम एवं समाजसेवी प्रदीप सिंह सिसोदिया ने बताया कि बुलसी पूजन, उसके सेवन व रोपण से आरोग्य लाभ, आर्थिक लाभ के साथ ही आध्यात्मिक लाभ भी होते हैं।

पंडित राम राज त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई संगोष्ठी

मुसाफिरखाना, अमेठी। कस्बे में स्थित ए एच इंटर कॉलेज मुसाफिरखाना के प्रांगण में पंडित राम राज त्रिपाठी जी आचार्य जी की 31वीं पुण्य स्मृति के अवसर पर प्रारब्ध, परिश्रम और परिणाम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के करीब 75 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संस्कृत पर आधारित काव्य पाठ,भाषण तथा हिंदी गीत प्रस्तुत किए गए।वर्तमान परिप्रेक्ष में समाज में बुजुर्गों की उपेक्षा को देखते हुए उनके महत्व तथा सम्मान की विस्तृत चर्चा- परिचर्चा की गई।भावी पीढ़ी को बुजुर्गों के सम्मान के लिए प्रेरित किया और उनका महत्व समझाया गया। कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर क्रमश: कीर्ति यादव,प्राची,आदर्श मिश्रा, द्वितीय स्थान पर शबा हसनैन, मीनाक्षी शुक्ला,नंदिनी मौर्य और तृतीय स्थान पर वैष्णवी,आमिर अशरफ, रिया पांडे ,मधु विश्वकर्मा और अंग्रेजी भाषण में शिवांश का स्थान रहा।इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सभी बच्चे पुरस्कार पाकर अत्यंत प्रफुल्लित दिखे। इस अवसर पर आचार्य जी के सुपुत्र गया दत्त त्रिपाठी अध्यक्ष आचार्य सेवा संस्थान ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज के सभी लोगों को अपने अपने बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरित किया जिससे आने वाली पीढ़ियों के अन्दर अपने संरक्षक के प्रति सेवा भाव और समर्पण की भावना प्रकट हो।

तालाबों की जगह संक्रमणीय भूमि से हो रहा है बेखौफ मिट्टी खनन, सवालो के घेरे में अधिकारी

●एक्सप्रेस वे से मिट्टी के खनन पर आख्या मानक से ज्यादा, कार्रवाइयां शून्य

●एसडीएम डलमऊ को नहीं पता मिट्टी खनन की चिन्हित गाटा संख्या

संवाददाता। डलमऊ, रायबरेली

तहसील में ये वाक्य चरितार्थ है प्रशासनिक अमलों के अधिकारी अमीरों के घरों में सजे उस गमले की तरह है जिसे वह जहां चाहे उठा कर रख सकता है वो चाहे कितना भी गलत कार्य को अंजाम दें प्रशासनिक अधिकारी उसे अनदेखा करते हुए उससे बचने के नए नए हथकंडे अपनाकर अपना दामन बचा ही लेते हैं।

किंतु इसी जगह अगर कोई गरीब व्यक्ति अंजाने में किसी भी तरह से अपने घर के निर्माण में जरूरतों की पूर्ति हेतु मिट्टी खनन जैसे कृत्य को अंजाम देने की भूल करने मात्र से प्रशासनिक अधिकारियों की सभी तरह की इंद्रियां जाग्रत हो जाती हैं, और कार्यवाहियों की भूख समाप्त होने का नाम नही लेती पर एक्सप्रेस वे के निर्माण में आईटीडी कंस्ट्रक्शन कंपनी की कार्यदायी संस्थाओं द्वारा लगातार संक्रमणीय जमीनों का सीना चीर कर उनके खोखला व तालाब बनाने पर राजस्व विभाग से लेकर खनन विभाग के अधिकारियों की कलम उठने का नाम नही ले रही।

इतना ही नही सभी राजस्व अधिकारियों और खनन विभाग के अधिकारी मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई शिकायत के निस्तारण के क्रम में कार्यदायी संस्थाओं जिसमे वीर तेजा ग्रुप व चौधरी कंस्ट्रक्शन प्रमुख है द्वारा मिट्टी खनन को मानक से ज्यादा व नियमो की अनदेखी का दोषी भी मानते है स्पष्टत: ये कहा जाए तो अतिशयोक्ति नही होगी कि राजस्व विभाग और खनन विभाग के दृष्टि में पूर्णत: गलत होने के बाद भी कार्यवाहियों के नाम पर विभागों के अधिकारियों की कलमों को लकवा मार जाता है।

एक्प्रेस वे में मिट्टी आपूर्ति के निर्देशों के क्रम में तहसीलों पर बैठे अधिकारी मोटी रकम लेकर खनन के लिए चिन्हित तालाबों के स्थान पर संक्रमणीय किसानों की भूमिधरी जमीनों को औने पौने दाम देकर मानक से कई गुना ज्यादा खनन कर रहे हैं। इतना ही नही किसानों की जमीनों की मिट्टी के खनन हेतु जारी दिशानिर्देशों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है।

उपजिलाधिकारी डलमऊ को संक्रमणीय भूमि के गाटा संख्यायों से लेकर मानक से कई गुना ज्यादा मिट्टी के खनन के बारे में कोई जानकारी नही है.या ये भी कहा जा सकता है कि बिना चिन्हांकन ही काश्तकारों की जमीनों का सीना चीरा जा रहा है। .मिट्टी खनन पर मानक विहीनता चरम पर है, मिनजुमला नम्बर की बिना किसी वाद या शिकायत की पैमाइश पर जहां राजस्व संहिता कुछ और कहती है वही उपजिलाधिकारी डलमऊ अभिषेक वर्मा रात के अंधेरे में जबरन पैमाइश कर डालते है।

एसजेएस पब्लिक स्कूल का वार्षिक अभिभावक मिलन समारोह आयोजित

रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल का आज वार्षिक अभिभावक मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर सीडीआरआई के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर, साइनटून्स के जनक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने शिरकत की।कार्यक्रम में एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चौयरमैन रमेश बहादुर सिंह के जीवन पर आधारित उपन्यास श्शून्य से शून्य तकश् का विमोचन किया गया। गेस्ट ऑफऑनर और श्शून्य से शून्य तकश् के लेखक डॉक्टर नरेश कात्यायन ने बताया कि ये उपन्यास शून्य से शिखर तक पहुंचने की कहानी है जिसे आत्मवृत्तात्मक शैली में लिखा गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष डॉक्टर आर पी सिंह, मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, गेस्ट आफ ऑनर डॉक्टर नरेश कात्यायन और ग्रुप के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह ने सयुंक्त रूप से किया। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सचिव(प्रशासन) अग्रज सिंह ने अभिभावकों की तमाम जिज्ञासाओ का सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम के लकी स्पीकर और लकी गार्जियन का चुनाव किया गया जिनमे सम्मानित किया गया।

राहुल गांधी के आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ मैनूपुर की सड़क का निर्माण

संवाददाता। रायबरेली

संसदीय क्षेत्र और सांसद राहुल गांधी पर सटीक बैठती है। अतीत के कुछ चुनावी वादों की तरफ आपका ध्यान रायबरेली की सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा मैनूपुर की उस सडक की खस्ता हालत पर ले जाना चाहूंगा। जिसके निर्माण के लिए पूरे गांव के लोगों ने लोकसभा चुनाव का ही बहिष्कार कर दिया था। लगभग 5 घंटे तक एक वोट भी मैनूपुर पोलिंग स्टेशन पर नहीं पडा था । ग्रामीणों की मांग थी कि जब तक इस सडक का निर्माण करने का आश्वासन जिम्मेदारों के द्वारा नहीं दिया जाता है। तब तक कोई भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करेगा।मैनूपुर में पोलिंग पार्टियों अपने पूरे साजो सामान के साथ मतदान केंद्र पर मतदाताओं का इंतजार कर रही थी। वही मतदान केंद्र के बाहर सैकडो की तादात में मतदाता इस इंतजार में थे, कि कोई आए वह चाहे स्वयं जिला प्रशासन या जनप्रतिनिधि , हम उससे अपनी समस्या को साझा करें। वह मतदाताओं को भरोसा दिलाए कि उनके गांव की सड़क का निर्माण उचित समय पर करा दिया जाएगा।

जैसी ही मतदान बहिष्कार की सूचना मुख्यालय को लगी। मीडिया का तांता लग गया। एक के बाद एक राजनीतिक दल और उनके नेता पहुंचने लगे। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा के प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह सबसे पहले पहुंचे उन्होंने मतदाताओं को भरोसा दिलाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी । मतदान बहिष्कार फिर भी जारी रहा। प्रशासन की ओर से जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में हर्षिता माथुर भी पहुंची उन्होंने भी आश्वासन दिया लेकिन बात नहीं बनी।

आखिर में समाजवादी पार्टी के नेता आर0पी0 यादव ने गठबंधन धर्म निभाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को सूचना दी और साथ लेकर मैंनूपुर ग्राम सभा पहुंचे। तमाम प्रयासों के बाद राहुल गांधी ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया तब जाकर मतदान शुरू हो सका। 6 महीना से ज्यादा समय बीत चुका , लोकसभा चुनाव संपन्न हुए । लेकिन मैनूपुर की इस सड़क का निर्माण अब तक नहीं हुआ है। सबसे दिलचस्प बात तो यह है कि जिस नेता और प्रत्याशी की बात जनता ने मानकर चुनाव बहिष्कार खत्म किया उस नेता के विजय होने के बाद भी अब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। सांसद राहुल गांधी ने जिले में होने वाली दिशा बैठक में इसको मुद्दा तक नहीं बनाया है ना अब तक सडक का निर्माण कार्य शुरू हुआ है और ना ही सांसद प्रतिनिधि के रूप में कोई व्यक्ति का ही चयन किया गया है।

महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष बनीं सरिता नागेंद्र, अंजू महामंत्री

रायबरेली। उत्तर प्रदेश महिला संघ की रायबरेली कार्यकारिणी का गठन और प्रथम जनपदीय अधिवेशन का आयोजन बुधवार को शहर के नारायण होटल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य और मुख्य अतिथि जिला शिक्षा एवम् प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्य जेपी सिंह रहे। डायट प्राचार्य के द्वारा दीप प्रज्वलन, सरस्वती मां के चित्र पर मल्यार्पण के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अधिवेशन में रायबरेली की कमान एक बार फिर से सरिता नागेंद्र को सौंपी गई। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ रायबरेली का शिक्षा उन्नयन संगोष्ठी व प्रथम अधिवेशन निर्वाचन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य ने कहा कि महिला शिक्षकों के हित में यह संगठन सदैव काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के हित में काम कर रहे हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर बसे सुभाष नगर का नाम बदलकर शत्रोहन नगर

रायबरेली। यह अंधी दौड़ का दौर चल रहा है, हर आदमी इस दौड में दौडना चाहता है। महापुरुषों के नाम का मान रहे या ना रहे, लोग इस अंधी दौड में अव्वल आ जाने की फिराक में है। इस देश की आजादी में अपना अहम किरदार निभाने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर बसाया गया सुभाष नगर का नाम बदलकर सत्रोहन नगर रख दिया गया है। जी हां ! यह एकदम सत्य है। नगर पालिका परिषद रायबरेली के क्षेत्र अंतर्गत एक मोहल्ला है राणा नगर जीपीएस स्कूल के पीछे जिसे राणा नगर व सुभाष नगर के नाम से जानते हैं। इस मोहल्ले का नामकरण नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर किया गया था। अभी हाल ही में नगर पालिका परिषद रायबरेली के द्वारा खडंजा निर्माण कराया गया है। इस खडंजा निर्माण के लोकार्पण का पत्थर भी इसी मार्ग पर लगाकर स्पष्ट है कि यह राना नगर क्षेत्र से जुडा हुआ है। बावजूद इसके इस नगर का नाम बदलकर शत्रोहन नगर कर दिया गया है। नगर पालिका परिषद रायबरेली के जिम्मेदार अध्यक्ष शत्रुघ्न सोनकर से जब इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मोहल्ले वालों ने एक मीटिंग करके नाम तय किया है। जब उनसे सवाल किया गया कि आपके नाम पर ही तो है। तो उन्होंने कहा कि नहीं, ' यह मेरा नाम नहीं भगवान के भी नाम है। अधिशासी अधिकारी स्वर्ण सिंह का कहना है कि प्राइवेट आदमी ऐसा कुछ करता है तो उससे हम लोगों का कुछ लेना-देना नहीं है।फिलहाल मैं बात कर लेता हूं तो बता पाऊंगा।

अब सबसे बडा सवाल तो यह है कि मोहल्लों के नामकरण और उसके परिवर्तन के लिए नगर पालिका परिषद रायबरेली का बोर्ड है। जहां पर कोई नई कॉलोनी या किसी मोहल्ले का नाम बदल जाना या किसी मार्ग का नाम रखे जाने के लिए बोर्ड में बाकायदा प्रस्ताव लाया जाता है। उस प्रस्ताव पर बोर्ड की सहमति अनिवार्य होती है।

पुलिस ने हार्वेस्टर के टैंक से बरामद किया 50 लाख का गांजा

उरई, जालौन। बीती रात्रि एसओजी, सर्विलांस व कोतवाली उरई पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर डीसीएम पर लदे हार्वेस्टर के टैंक में गांजा तस्कर छिपाकर ले जा रहे गांजे की बरामद को तीन गांजा तस्करों को पकड़ा गया। बरामद गांजा की कीमत लगभग 50 लाख रुपये बतायी जा रही है। गांजा बरामदगी का खुलासा करते हुये पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार ने बताया कि बीती रात्रि जब एसओजी, सर्विलांस एवं सदर कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम जब रोठ रोड स्थित विजय विक्रम पंप के समीप वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक डीसीएम जिस पर हार्वेस्टर लदा है उसके टैंक में गांजा तस्कर गांजा की बड़ी खेप लेकर जा रहे हैं इसके बाद पुलिस ने रणनीति बनाकर हार्वेस्टर आने का इंतजार करने लगे जैसे ही हार्वेस्टर आते हुये दिखायी दिया तो पुलिस सतर्क हो गयी और फिर डीसीएम आयी तो उसे रोककर हार्वेस्टर के टैंक को खंगाला गया तो उसमें 135 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस कार्यवाही के दौरान डीसीएम नंबर सीजी 10 बीडब्ल्यू 5661 को अपने कब्जे में ले लिया। पकड़े गये तीनों गांजा तस्करों के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 845/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर जेल भेज दिया।

नगरीय क्षेत्रों में कहीं पर भी कूड़ा जलता मिला तो होगी कार्रवाई: जिलाधिकारी

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने नगरीय निकायों में प्रचलित विकास कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि पेयजल की व्यवस्था दुरस्त रखे, किसी को भी पानी की समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि अगर कही भी कूड़ा जलता पाया गया तो संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होगा, इसलिए कूड़ा न जलने पाए यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिशासी अधिकारी द्वारा स्वच्छता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि नगरीय क्षेत्रों की सड़कों पर गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो कार्य लंबित है उनको तत्काल पूर्ण कराये, अगर कार्य मे गड़बड़ी मिली तो सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में रूफ्टाफ हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व वसूली में तेजी लाये। उन्होने अधिशासी अधिकारी उरई को निर्देशित किया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में मॉडल शौचालय बनाया जाए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत माधौगढ़ द्वारा 15वां वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर स्वीकृत निर्माण कार्यो को कराये जाने की अत्यंत धीमी गति तथा तहसील परिसर माधौगढ़ में जल-भराव की समस्या के समाधान हेतु प्रभावी कार्यवाही किये जाने में शिथिलता के लिए नोटिस निर्गत किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जालौन एवं कालपी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कदौरा को निर्माण कार्यो की अत्यंत धीमी गति तथा सफाई व्यवस्था में उदासीनता हेतु चेतावनी निर्गत किये जाने के निर्देश दिए।

दहगुवां में 70 लाख से निर्मित सीसी का विधायक ने लोकार्पण किया

कालपी, जालौन। कालपी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम दहगुवां में 70 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सीसी सड़क का क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी द्वारा फीता काटकर उदघाटन किया गया। गुरुवार को गांव में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विनोद चतुर्वेदी विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि कालपी विधानसभा क्षेत्र की जो भी सड़क उपेक्षित पड़ी हुई थी। उन सड़कों का प्राथमिकता से निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने धर्म स्थलों एवं ऐतिहासिक स्थलों का नाम लेकर बताया कि इनके सौंदर्यीकरण के लिए शासन के द्वारा कई योजनाएं मंजूर हो चुकी है। ऐसे स्थानों में जल्दी काम शुरू कराया जायेगा। कार्यदाई संस्था ग्रामीण अभियंत्रण सेवा के सहायक अभियंता अनूप मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा कई योजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि त्वरित विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में विकासखंड जालौन के ग्राम दहगुवां में रामसेवक प्रजापति के मकान से राजीव गुर्जर के मकान की ओर सीसी सड़क तथा नाली का निर्माण करने की मंजूरी मिली थी। विभाग के द्वारा निर्माण करीब 70 लख रुपए किया जा चुका है।

अन्ना पशुओं से त्रस्त किसान खेतों पर अलाव जलाकर फसलों की रखवाली करने को विवश

संवाददाता। कदौरा, जालौन

शासन के दावे और प्रशासन के आदेश अन्ना गोवंश से निजात के नाम पर झूठ साबित हो रहे हैं। अन्ना गोवंश के संकट से किसान परेशान दिख रहे हैं। कड़कड़ाती ठंड में मकान की जगह मचान नसीब हो रहा है। दिन भर काम करने के साथ ही शाम को लाठी लेकर किसानों को रात भर खेतों में गोवंशों से रखवाली करनी पड़ रही है। फसलों के लिए काल बने अन्ना गोवंश किसानों की रोजी-रोटी पर डाका डाल रहे हैं। किसानों को गोवंश से निजात के लिए शासन व प्रशासन आदेश की तारीखें बढ़ाता चला जा रहा है।

लेकिन निजात की तारीख अब तक तय नहीं हो सकी है। अन्ना गोवंशों की समस्या से जूझ रहे चंदरसी-नगवां के संतोष कुमार, शिवकुमार, सत्यनारायण, राममिलन, अंकू आदि किसानों ने बताया कि गांव में दो सैकड़ा से अधिक अन्ना गोवंश है। जो फसलों को चट कर जाते है। गोवंशों से फसलों को बचाने के लिए खेतों में मचान बनाकर, आग जलाकर रात भर रखवाली करते है। बावजूद इसके अन्ना गोवंश नुकसान कर देते है। इन दिनों खेतों में गेहूं, चना मटर, लाही, मसूर की फसल है। शासन, प्रशासन को कई बार लिखित सहित हेल्पलाइन नंबरों में शिकायत दर्ज कराई लेकिन सुनवाई तो नहीं हुई, बल्कि अधिकारियों ने शिकायत को फर्जी बताकर निस्तारण कर दिया। गेहूं,चना, मटर, लाही, मसूर आदि की फसलें देखकर किसान खुश है।

समृद्ध किसान अन्ना गोवंश से फसलें बचाने के लिए खेत के चारों तरफ कंटीले तार लगा रहे है तो कोई कपड़ा व रस्सी बांध रहा है। वहीं छोटे व गरीब किसान बमुश्किल फसल तैयार करने के लिए जोड़ जुगाड़ कर लागत लगा रहे। अब गोवंश से बचाने के लिए वह कड़कड़ाती ठंड भरी पूस की रात खेतों में गुजारने के लिए मजबूर है। 16 अगस्त को चंदरसी के किसानों ने मुख्यमंत्री के जनता दर्शन दरबार में शिकायती पत्र देकर अन्ना मवेशियों से निजात दिलाएं जाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी एन.के.एस चौहान डीएम जालौन को समस्या समाधान का आदेश दिया था। डीएम के आदेश पर 27 अगस्त को प्रभारी डीडीओ महेंद्र प्रसाद चौबे ने चंदरसी पहुंच कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। किसानों का आरोप है कि चार माह बीतने वाले है लेकिन अभी तक अन्ना गोवंशों से निजात नहीं मिली।

डीएम ने की जनपदीय स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक

● सीएचसी, पीएचसी पर साफ सफाई का रखें विशेष ध्यान

● संचालित हो रहे कार्यक्रमों पर बढ़ाएं सुपरवाइजरी विजिट

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में सर्वप्रथम गत बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सब की जिम्मेदारी हैएऐसे में सभी संबंधित स्वास्थ्य केंद्र पर दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। सभी सीएचसी, पीएचसी में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। सीएससी पीएससी परिसर को साफ सुथरा रखा जाए। डीएम ने सभी एमओआईसी व डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि विभाग अन्तर्गत संचालित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करे, जिन कार्यक्रमों के संचालन में कोई कमी पायी जाये उस पर विशेष जोर देकर कमियों को दूर कराया जाये। संचालित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों रेण्डम चेकिंग करायी जाये। डीएम ने सुपरवाइजरी विजिट बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुपरवाइजरी विजिट बढ़ाने से न केवल विभिन्न कार्यक्रमों को प्रभावी रूप में संचालित किया जा सकेगा, बल्कि लापरवाही अथवा क्षेत्र में सही कार्य न करने वालों की भी मॉनिटरिंग हो सकेगी। डीएम ने सीएससी, पीएससी पर संस्थागत प्रसव बढ़ाने, हाईरिस्क प्रसव की लगातार मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा योजनान्तर्गत संस्थागत प्रसव लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वालों पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने सभी निजी अस्पतालों में होने वाले प्रसव सम्बन्धी रिपोर्ट प्राप्त करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। उन्होंने कहा कि एसएनसीयू के अन्तर्गत सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं दुरूस्त रहे। फैमली प्लानिंगए आभा आईडी आदि का कार्य लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण किया जाये। सीएचसीए पीएचसी पर आने वाले मरीजों के पंजीकरण के समय ही उनकी आभा आईडी बनाई जाए। गर्भवती महिलाओं व बच्चों के शत प्रतिशत टीकाकरण किया जाये। डीएम ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। आरबीएसके टीम कमजोर बच्चों का चिन्हांकन करे। सीडीपीओ एएमओआईसी आपस में समन्वय कर एक दूसरे को डाटा शेयर कर प्रभावी कार्यवाही करें। बैठक में टीकाकरण, टीबी, तम्बाकू उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए गए। तृतीय पक्ष डब्ल्यू एचओए यूनिसेफ द्वारा किए गए सर्वे की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए। उन्होंने समीक्षा के दौरान सामुदायिक व प्राथमिक केंद्रों पर सुपरवाइजर विजिट औसत से कम है उनके वेतन रोके जाने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। बैठक में सीएमओ डॉक्टर एके सिंह, डिप्टी सीएमओ डा. सुखलाल वर्माए सीएमएस महिला वंदना सिंह सभी एमओआईसी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की जनपदस्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निदान करने और नये आधार कार्ड बनाने की गति तेज करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं में आधार कार्ड की अनिवार्यता है ऐसे में व्यापक जनहित को देखते हुये आधार से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान आवश्यक है।

बैठक में निर्देशित किया गया कि 0.5 वर्ष के बच्चों के आधार नामांकन किया जाये और उसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि न की जाये। बैठक में बेसिक शिक्षाए बाल विकास एवं पुष्टाहार व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिन भी बच्चों का आधार नही बना है उनका आधार कार्ड बनवाया जाये।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आधार एक अति महत्वपूर्ण दस्तावेज है इसके माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिलता है इसलिये इसका अपडेटेड होना जरूरी हैए अगर आधार अपडेटेड होता है तो आपको केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आसानी होती है। आधार अपडेट के लिये अपने पते एवं पहचान का वैध प्रमाण लेकर अपने नजदीकी आधार केन्द्र आये और अपना आधार अपडेट करायें।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी आधार सुविधा केदो पर बोर्ड लगाया जाए जिस पर आधार से संबंधित विभिन्न जानकारियां को प्रदर्शित किया जाए।

बैठक में डीबीटी के माध्यम से आच्छादित विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति एवं विभागान्तर्गत संचालित अन्य योजनाओं को डीबीटी से आच्छादित किये जाने के सम्बन्ध में, विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण की अद्यतन स्थिति एवं आधार सीडिंग/डीबीटी से वंचित परिवारों की योजनावार अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित नपकंप से नामित सदस्य अहमान परवेज़ सहित अन्य संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएसीएम ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक व छात्रा की मौत

संवाददाता। बिन्दकी (फ्तेहपुर)

नगर के बांदा कानपुर मार्ग में गुरूवार की सुबह उस वक्त दर्दनाक हादसा हो गया, जब स्कूली बच्चो से भरे ई-रिक्शा में तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दिया जिससे मौके पर ही ई-रिक्शा चालक व छात्रा की मौके पर ही मौत हो गयी। चार बच्चे घायल हो गये जिन्हे उपचार के लिए बिन्दकी सीएचसी ले जाया गया। जहां एक छात्रा की हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। टक्कर इतनी तेज थी कि 100 मीटर तक ई-रिक्शा चालक को घसीटता ले गया। उधर मौके पर ही वाहन छोडकर चालक भाग जाने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार नगर के बराती मोहल्ला निवासी विजय कुमार का 11 वर्षीय पुत्र कार्तिक गौतम, वैभवी पुत्री दयाराम व दैविक 4 वर्ष रूद्राक्ष पुत्र राजन आदित्य पुत्र विजय यादव एवं सृष्टि पुत्री विमल कुमार व छवि को ई-रिक्शा चालक सुनील पाल पुत्र राजबहादुर पाल निवासी रजीपुर रोज की भांति बच्चो को बैठाकर सीपीएस स्कूल ले जा रहा था। जैसे ही ई-रिक्शा बांदा कानपुर मार्ग फरीदपुर मोड के पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार आ रहे डीसीएम ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दिया और लगभग 100 मीटर दूर तक घसीटता ले गया और मौके पर ही वाहन छोडकर भाग जाने में सफल रहा। इस हादसे में चालक सुनील व छात्रा सृष्टि 8 वर्ष मौके पर ही मौत हो गयी जबकि अन्य छात्र छात्राओं को मौके पर पहुंचे आस पास के लोगो ने ई-रिक्शा फंसे बच्चो को तत्काल निकालकर सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सक ने छवि की हालत चिन्ता जनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया। पुलिस ने दोनो शवों को विच्छेदन ग्रह भेज दिया।

पुलिस व प्रशासन की मुस्तैदी से अवैध अतिक्रमण हटा

● काउंसलिंग से अतिक्रमणकारी ने स्वयं कब्जा हटवाया

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के मडौली में सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा बनायी गयी रणनीति कारगार रही। पुलिस तथा प्रशासन के आलाअधिकारियों द्वारा समझाये जाने पर अतिक्रमणकारी ने स्वयॅ अपना कब्जा हटा लिया, जिससे सरकारी भूमि पर युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिये बन रहे जिम का रास्ता प्रशस्त हो गया।

मडौली की सरकारी भूमि आराजी संख्या 575 रकवा 0,0720 हे0 जमीन पर रामशॅकर पुत्र नन्हा निवासी जसू मडौली द्वारा मूर्ति रखकर कब्जा कर लिया गया था। उक्त जमीन का चयन जिम व व्यायाशाला के लिये किया गया था। गुरूवार को तहसील, राजस्व निरीक्षक व रूरा थाना के प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल व प्रशासन की सॅयुक्त टीम ने रामशॅकर से कई बार बातचीत कर कब्जा हटाने का आग्रह किया, पुलिस व प्रशासन की टीम द्वारा काउॅसलिंग से रामशॅकर व उसके परिजन संतुष्ट हो गये तथा रामशॅकर ने अपने परिजनों के साथ स्वयॅ अपने हाथों से सरकारी जमीन से कब्जा हटा लिया। पडोसी काश्तकार भी मौजूद रहे। सरकारी जमीन से कब्जा हटने से व्यायामशाला बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया, व्यायामशाला बनने से युवाओं को अपने शारीरिक व मानसिक विकास का पर्याप्त अवसर मिलेगा। प्रभारी निरीक्षक जर्नादन प्रताप सिंह ने बताया उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन व प्रशासन व पुलिस अधिकारियों की काउॅसलिंग से अवैध कब्जाधारक पक्ष संतुष्ट हो गया, स्वयॅ कब्जाधारक पक्ष ने अपना कब्जा हटा लिया, शॉतिपूर्वक मामले का हल हो जाने पर पुलिस तथा प्रशासन के अधिकारियों ने चैन की सॉस ली। इससे पहले अवैध कब्जे के मामले को हटाने के लेकर मडौली गॉव में मॉ बेटी की आग में चलकर मौत हो गयी थी, जिससे यह मामला कई दिनों तक मीडिया की सुर्खियों में रहा चर्चा के केन्द्र में रहे इस मामले के कारण ही पुलिस तथा प्रशासन ने सुनियोजित तरीके से पर्याप्त तैयारी कर मामले को शॉति व सदभाव के साथ निपटाने में सफलता पायी।

बीएसए ने बीआरसी का औचक निरीक्षण कर कार्यों को परखा, दिए निर्देश

फतेहपुर। मलवां विकास खण्ड के ब्लॉक संसाधन केंद्र में ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी द्वारा परिसर में प्राथमिक विद्यालय मलवां बीआरसी कार्यालय का आज औचक निरीक्षण कर जमीनी हकीकत को परखा। इस दौरान विद्यालय के छात्रों की निपुण शिक्षा के तहत छात्राओ से किताब पढ़वाया गया। वहीं शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए छात्रों को स्वेटर पहन कर विद्यालय आने को कहा एवं फर्नीचर व्यवस्था के साथ साथ दस्तावेज खंगाले और अध्यापकों को दिए आवश्यक निर्देश। प्रदेश में नेट 2024 में फ्तेहपुर जिला मण्डल में प्रथम यूपी में 8वां स्थान: जानकारी के अनुसार बेसिक शिक्षा क्षेत्र में बीएसए भारती त्रिपाठी की मेहनत रंग ला रही है जिससे प्रयागराज मंडल के प्रदेश में जनपद का नाम परिलक्षित प्रदर्शित हो रहा है। जानकारी के अनुसार विकासखंड मलवां का जनपद में ए ग्रेड पर चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।

क्विक न्यूज

घरौनी वितरण आज, बन जाएंगे अपने घर के मालिकः मुखलाल

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, विधायक कृष्णा पासवान, विधायक विकास गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत की। जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री द्वारा कलघरौनी का वितरण किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर भी 300 ग्राम सभा में लाभार्थियों को घरौनी का वितरण होगा। जिससे ग्राम स्तर के लोग भी अपने भवन के मालिक बन जाएंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सदर तहसील का घरौनी वितरण कार्यक्रम सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रेक्षागृह में होगा। प्रत्येक ब्लॉक में घरौनी वितरण कार्यक्रम ब्लॉक जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि घरौनी में 13 अंकों का कोड होगा जो क्षेत्र का भी चिंहाकन करेगा। पत्रकारों से वार्ता करते हुए अयाह शाह विधायक विकास गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत जो घरौनी वितरण किया जा रहा है ग्राम स्तर पर व्यक्ति अपने घर का स्वामी बन जाएगा और इसके तहत वह लोन भी ले सकता है। उस लोन से कोई भी रोजगार कर सकता है। खागा विधायक कृष्णा पासवान ने कहा कि अभी तक ग्राम स्तर पर लोग मकान तो बना लेते थे लेकिन उससे वह कोई लाभ नहीं ले पाते थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घरौनी के माध्यम से लोगों को स्वामित्व का लाभ घरौनी सर्टिफिकेट के माध्यम से दिया जा रहा है। अब किसी भी व्यक्ति को कोई यह नहीं कह सकता कि उसके साथ गलत हो रहा है क्योंकि लेखपाल द्वारा चिंहाकन करवाकर एक-एक व्यक्ति को जिनके पास मकान है उसे घरौनी दी जा रही है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, कार्यक्रम संयोजक जिला महामंत्री पुष्पराज पटेल भी मौजूद रहे।

सुनसान घर से चोरों ने उड़ाई साढ़े चार लाख की नगदी

फतेहपुर। शहर क्षेत्र के आबूनगर में चोर एक सुनसान मकान के पीछे छत के सहारे चढ़ आए और कमरे में रखी सेफका लाकर कटर से काटकर साढ़े चार रूपए की नगदी चुराकर पुलिस को चुनौती देने का काम किया। पीड़ित गृहस्वामी जब परिवार संग रात में घर लौटा तब चोरी की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फारेंसिक टीम ने नमूने एकत्र करने का काम किया। तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। जानकारी के अनुसार शहर के मुहल्ला आबूनगर जामा मस्जिद जीटी रोड के सामने रहने वाले नसीर उद्दीन खां 25 दिसंबर की सुबह लगभग दस बजे अपने परिवार के साथ चिकित्सक को दिखाने के लिए कानपुर चले गए थे। सुनसान घर पाकर चोर ताला तोड़कर घुस गए और कमरे में लगी आलमारी का लाक कटर से काटकर लाकर में रखी साढ़े चार लाख रूपए की नगदी पार कर दी। जब पीड़ित परिवार के साथ रात साढ़े आठ बजे घर आया तो दरवाजे का ताला खोला तो दरवाजा अंदर से बंद था जिससे वह घबरा गया और घर का दरवाजा तोड़ा और ऊपर चढ़कर घर के अंदर गया तो ऊपर जाकर देखा कि पीछे के रास्ते से चोर घर के अंदर घुसे और सेफ का लाकर कटर से काटकर साढ़े चार लाख रूपए की नगदी पार कर दी है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को चोरी की तहरीर दी।

ओवरलोड ट्रक की टक्कर से मंदिर हुआ क्षतिग्रस्त

असोथर (फतेहपुर)। नगर पंचायत के बौडर स्थित हनुमान मंदिर बुधवार की रात ओवरलोड ट्रक मंदिर में टक्कर मार दिया था मंदिर पूरी तरह से क्रेक हो गया। जैसे ही बजरंगियों को पता चला जाकर मंदिर को देखा, उसके बाद थाना प्रभारी विनोद कुमार मौर्य को सूचना दी। बजरंगियों का कहना है कि ओवरलोड ट्रक को पता लगाकर कार्रवाई की जाए और मंदिर पुनर्निर्माण करने की मांग की। अगर प्रशासन ने ट्रक को पकड़ कर कार्रवाई न की और मंदिर का निर्माण न कराया तो असोथर थरियाव रोड में चक्का जाम किया जाएगा। इस मौके पर प्रखंड संयोजक शिवम मिश्रा, विकास तिवारी, नीरज सक्सेना, आलोक कश्यप, अनिकेत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

गांजा तस्करों के लिए बरदान बनें चौकी इंचार्ज

फ्तेहपुर। गंगा किनारे गांजा तस्करों की आमद बढ़ गई है। सुल्तानपुर घोष थाना अंतर्गत नौबस्ता चौकी क्षेत्र गंगा पार के गांजा तस्करों के लिए वरदान साबित हो रहा है। गैर जनपद (गंगा पार) से आए दिन बड़ी तादात में तस्करी करके गांजा लाया जाता है, जिसकी खुलेआम क्षेत्र में सप्लाई होती है। इस अवैध धंधे के सफल संचालन में नौबस्ता चौकी पुलिस की भूमिका खासी संदिग्ध बताई जाती है। तस्करो से खासकर चौकी इंचार्ज की नजदीकियां क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक और संबंधित सर्किल के सी0ओ0 से अवाध गति से जारी गांजा तस्करी को रोकने और तस्करों पर शिकंजा कसने की मांग की है।

पंचायत सहायकों ने बीडीओ को ज्ञापन देकर सचिव के खिलाफ कार्यवाही की मांग की

राठ(हमीरपुर)। पंचायत सहायक ने सचिव पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया है पीड़ित पंचायत सहायक के साथ दर्जनों पंचायत सहायकों ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। सोनम राजपूत ने बताया कि वह क्षेत्र के अकौना गांव में वह पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत हैं। सचिव अनूप शर्मा ने फोन पर अभद्रता करने लगे। बताया कि रात के समय कागजात लाने की बात करते हैं और पद से अलग करने की धमकी देते हैं। बताया कि पंचायत भवन में कई बार अभद्रता की और उसके पिता को फोन करके धमकी दी जा रही है। बीडीओ ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। वह उच्चाधिकारियों को अवगत कराएंगे। पंचायत सहायक बीरा मनीषा रोशनी कुम्हरिया पूजा रिहुंटा वर्षा इटैलिया आरती पतखुरी हरीओम रावतपुरा उपेन्द्र टोला सहित दर्जनों पंचायत सहायक मौजूद रहे।

डीएम ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति समीक्षा कर दिए निर्देश

फतेहपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति, अनुश्रवण एवं लक्ष्य की प्रगति के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में डीम रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। समस्त बिंदुओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति को ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिये। जनपद के समस्त विकास खण्डों में चल रही प्रमुख आजीविका गतिविधियों पर बिन्दुवार चर्चा करते हुए समूह द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों को सही बाजार उपलब्ध कराने, उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्राण्डिंग पर विशेष जोर देते हुए समूह सदस्यों की आमदनी को बढ़ाने हेतु के निर्देश दिए।

समूह परिवारों को अतिरिक्त लाभ दिलाने हेतु कन्वर्जेन्स के माध्यम से विभिन्न विभागों कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, जिला उद्योग, मत्स्य पालन विभाग, दुग्ध विभाग, रेशम विभाग, पंचायती राज विभाग एवं मनरेगा आदि के अन्तर्गत चल रही विकास योजनाओं से जोड़ने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। सीडीओ पवन कुमार मीना ने समूह सदस्यों द्वारा बनाये गये उत्पादों को बाजार हेतु विकास भवन एवं कलेक्ट्रेट परिसर में प्रेरणा इम्पोरियम बनाये जाने हेतु डीएम को अवगत कराया गया एवं बताया कि विकास खण्ड बहुआ, तेलियानी, मलवां एवं धाता के उत्कृष्ट उत्पादों को प्रयागराज में अगले माह से आयोजित होने वाले कुम्भ मेले में स्टाल लगाने हेतु भेजा जायेगा। उपायुक्त स्वत: रोजगार द्वारा मिशन में चल रहे प्रमुख कार्यों लखपति दीदी कार्यक्रम, समूह गठन, सीआईएफ वीआरएफ सीसीएल, बैंक सखी एवं विद्युत सखी के कार्यों की वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष अबतक की प्रगति से अवगत कराया गया। जिला अग्रणी प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा के द्वारा अस्वस्थ कराया गया कि आजीविका सम्वर्द्धन हेतु बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने हेतु सुगम एवं शीघ्र कार्यवाही की जायेगी।

चिकनपॉक्स के संक्रमण को कम करने की बांटी दवा

फतेहपुर। रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन डा. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षिका रचना मिश्रा ने जानकारी दिया कि उनके विद्यालय में कई बच्चे चिकनपॉक्स से प्रभावित हैं। जिस पर गुरूवार को प्रात: दस बजे उन्होने कम्पोजिट विद्यालय बकंधा के 230 व आंगनबाड़ी केंद्र के 22 कुल 252 बच्चों को चिकनपॉक्स के संक्रमण को कम करने व रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि प्रदान की। साथ ही सभी बच्चों को स्वच्छता हेतु जागरूक करने के साथ जिन बच्चों को चिकनपॉक्स हुआ है। उन्हें विद्यालय न आने की सलाह दी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शैलजा गुप्ता व अध्यापिकाएं रीता त्रिपाठी, कंचन शर्मा, वंदना पटेल, अलका गौतम, प्रेरणा मिश्रा, सीमा विश्वकर्मा सहित प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव व चैतन्य कुमार संयोजक दिव्यांग प्रकोष्ठ इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उपस्थित रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर किया उत्साहवर्धन

गुरसहायगंज, कन्नौज। बाल प्रतिभा प्रतियोगिता में तहसील एवं ब्लॉक में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र एवं छात्रा को विद्यालय परिवार सहित एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष इशरत खॉन द्वारा सम्मानित कर उत्साहबर्धन किया गया। मेधाबी बच्चे विद्यालय सहित परिजनो का नाम रोशन करते हैं। आपको बताते चलें कि विगत दिनों पूर्व जिला एवं तहसील स्तर पर बाल प्रतिभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमे जिले भर के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता मे मझपुर्वा स्थित एस यू एन नेशनल कॉलेज की छात्रा इरम बानो पुत्री आरिफ खान को तहसील स्तर पर चयनित किया गया तथा अर्णव प्रसाद पुत्र देवेंद्र प्रसाद का ब्लॉक स्तर पर चयन हुआ। अपने विद्यालय का नाम रोशन करने पर छात्र अर्णव एवं छात्रा इरम बानो को विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि/एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष इशरत खान ने दोनों बच्चों को सम्मानित कर उत्साहबर्धन किया। दोनों बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. आसिफखान, व्यवस्थापक मो. आजम खान व शिक्षक मो. नाजिम खान, विकास कुमार, फुरकान खान सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

जिले में हर साल एक या दो मीटर होता है वाटर रिचार्जिंग जब कि जल दोहन होता चार गुना

हमीरपुर। जिले में जल स्तर बढ़ाने के लिये कई कार्यदायी संस्थाएं करोड़ो रुपये खर्च करती है मगर वाटर रिचार्चिंग केवल एक या दो मीटर हो पाता है जबकि जल दोहन चार गुना हो रहा है जिससे गर्मियों में नलकूप व हैंडपंप जवाब देने लगते है। भूगर्भ जल विभाग ने मामले की जानकारी शासन को दे दी है। जिले में चेकडैम, तालाब, बंधी बंधा समेत कई प्रकार से कार्यदायी संस्थाएं जल स्तर बढ़ाने के लिये प्रयास कर हर साल करोडो रुपये खर्च होते है भारी मात्रा में बरसात भी होती है मगर रिपोर्ट के मुताबिक जिले में केवल एक या दो मीटर ही जल स्तर बढ पाता है इससे कार्यदायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर एक प्रश्नचिंह लग गया है।वर्ष 2022 में कुरारा ब्लाक में केवल .92 मीटर,2023 में डेढ मीटर व 2024 में छह मीटर जल स्तर बढ़ा है। इसी प्रकार सुमेरपुर ब्लाक में क्रमश: 1.59 मीटर,1.52 मीटर 1.25 मीटर जल स्तर बढा है। मौदहा ब्लाक में पांच मीटर,एक मीटर, .64 मीटर जल स्तर की बढ़ोत्तरी हुई है। मुस्करा ब्लाक में नौ मीटर,तीन मीटर,,50 मीटर जल स्तर बढा है। सरीला ब्लाक में 1.82 मीटर,1.55 मीटर,1.19 मीटर जल स्तर की बढोत्तरी हुयी है, इसी प्रकार गोहांड में 3.42 मीटर की बढ़ोत्तरी हुयी है। राठ में .99 मीटर,एक मीटर व दो मीटर जल स्तर की बढोत्तरी हुई है। भूगर्भ जल विभाग के मंडलीय एक्शियन शिवम दिवेदी का कहना है कि रिचार्ज से ज्यादा जल दोहनहोता है इसलिये जल स्तर गर्मियो में तेजी से घटता चला जाता है। यही कारण है कि लोग गर्मियों में एक एक बूद पानी को तरस रहे है। यही हाल में पूरे चित्रकूट मंडल का बताया जाता है। जब कि सरीला व गोहाड व सुमेरपुर ब्लाक में तो सबसे ज्यादा चेकडैम व तालाब वाटर रिचार्जिंग के लिये खुदवाये गये है मगर वहा की हालत सबसे ज्याद बद्तर बतायी जाती है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग में में कोई काम न होने के कारण जल स्तर बढ नही रहा है। एक्शियन का कहना है कि जिले मे सुमेपुर व गोहांड सेमी क्रिकिटल क्षेत्र में आ गया है इसलिये इस क्षेत्र में तो नलकूप लगना बंद हो जाना चाहिये अन्यथा स्थिति यहा और भी भयानक हो जायेगी।

हर बोर के लिये परमीशन व पंजीकरण कराना होता है अनिवार्य

हमीरपुर। शासन के सख्त आदेश है कि घरेलू व सरकारी बोरिंग छोडकर हर बोर के लिये भूगर्भ जल विभाग से परमीशन लेना होता है मगर जिले में कोई परमीशन नही लेता है हर रेस्टोरेंट व आरो प्लांट व अन्य कार्य के लिये बोरिंग के लिये विभाग से परमीशन लेना चाहिये यही नही सरकारी व गैर सरकारी नलकूप व हैडपंप के लिये पंजीकरण कराना अनिवार्य होता है ताकि यह मालूम हो सके कितने संसाधनों से जल का दोहन किया जा रहाहै।

विधानसभा घेराव के दौरान हुई कांग्रेस नेता की मौत पर रोष

कन्नौज। विगत 18 दिसंबर को लखनऊ विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस के युवा नेता प्रभात पांडेय पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्ण की गई पिटाई में बुरी तरह घायल हो गये थे। जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी थी। जिस पर कांग्रेस ने सीधे सीधे योगी सरकार को इस हत्या के लिये जिम्मेदार ठहराया था। इसी मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच प्रदर्शन करते हुये एडीएम को ज्ञापन सौंपकर न्यायिक जांच की मांग की। गुरूवार को निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल की अगुवायी में कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी के समय तो घोषित आपातकाल लागू हुआ था, लेकिन भाजपा सरकार ने अघोषित आपातकाल लागू किया है। उन्होने प्रभात पांडेय की मौत के जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही कि मांग उठायी है। पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्रा ने कहा कि लखनऊ मामले में न्यायिक जांच करा दोषी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। इस मौके पर तारिक बसीर, जितेंद्र सिंह चौहान, एहसान उल हक, रमाशंकर राठौर, इमरान अली, अशोक कनौजिया, सत्य प्रकाश शर्मा, श्यामू कुशवाहा, कलीम खान, विनय त्रिपाठी, राजू मौर्य, अरविंद दुबे आदि मौजूद रहे।

डीएम को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसजन।

● कांग्रेसियों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर न्यायिक जांच की उठाई मांग

धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत को नमनः विजय शुक्ला रिंकू

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर पालिका परिषद गोला के सभागार में गोष्ठी का आयोजन सिक्खों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के चार वीर साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान एवं साहस को सम्मान देने के लिए वीर बाल दिवस मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा के सानिध्य मनाया गया। गोष्ठी का शुभारंभ वीर साहिबजादों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर बनी शार्ट फिल्म देखकर हुआ । सभागार में उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा 'सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। परिवार की शहादत को हम सब नमन करते हैं। उनके दो छोटे साहिबजादों ने निरंकुश मुगल शासक के आगे झुकने से इनकार कर दिया और डट कर आततायी का सामना किया। उन नन्हें साहिबजादों को श्रद्धा से याद करते है।'

सुख विन्दर सिंह टोनी प्रमुख सेवादार, कुलजीत सिंह भाटिया, जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा ने भी गोष्ठी में अपने विचार रखें। गोष्ठी में नगर उपाध्यक्ष गुरमेल सिंह, अनिल जलोटा, नगर मंत्री धीरज बाजपेयी, विनोद कुमार वर्मा, राजीव वर्मा, नगर मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष रेखा मिश्रा, नगर कोषाध्यक्ष विमलेश मिश्रा, गीता विश्वकर्मा, गीता दुबे, सीमा सक्सेना, सुमित्रा मिश्रा, शक्ति केन्द्र संयोजक कैलाश गुप्ता, राहुल बाल्मीकि, श्यामू कनौजिया, नवीन भसीन, प्रमोद भारद्वाज सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024

संभल से सपा सांसद के खिलाफ बिजली चोरी के सुबूत मिले

संभल (उप्र)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के बिजली विभाग के अधिकारियों ने सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ बिजली चोरी के सुबूत मिलने का दावा किया है। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता (परीक्षण) सुप्रीत सिंह ने संवाददाताओं को बताया, दोनों मीटर पहले ही काट दिए गए थे और आज अधिकारियों और सांसद के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में उनका निरीक्षण किया गया। दोनों मीटरों की जांच अपराह्न 12 बजे शुरू हुई और शाम चार बजे तक जारी रही। सिंह ने कहा, एक मीटर सांसद के नाम से पंजीकृत था। इसकी भौतिक स्थिति और सील बरकरार पाई गई, लेकिन एमआरआई (मीटर रीडिंग इंस्ट्रूमेंट) रिपोर्ट में 30 मई 2024 और 13 दिसंबर 2024 के बीच शून्य वोल्टेज, शून्य लोड और शून्य खपत का पता चला। इससे पता चलता है कि बिजली चोरी के उद्देश्य से बाईपास लिंकेज की गई थी, क्योंकि इस्तेमाल के बावजूद बिजली की खपत शून्य दर्ज की गई है।

सांसद के दादा के नाम से पंजीकृत दूसरे मीटर के बारे में सिंह ने कहा, भौतिक स्थिति और सील भी बरकरार थी, लेकिन एमआरआई रिपोर्ट में पिछले 16 महीनों से शून्य खपत और शून्य लोड का पता चला है। इससे बिजली चोरी की पुष्टि होती है। एमआरआई आमतौर पर एक साल का डेटा प्रदान करता है और यह अनियमितता रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सांसद जिया उर रहमान बर्क के प्रतिनिधि फिरासत उल्ला ने वकील कासिम जमाल के साथ बिजली विभाग का दौरा किया और पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, हम निरीक्षण में भाग लेने आए थे, लेकिन हमें अभी तक अंतिम रिपोर्ट नहीं मिली है, न तो इस बार और न ही पहले मिली थी। हम अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

संभल में मृत्यु कूप नाम के कुएं की खुदाई शुरू

संभल (उप्र)। जिला प्रशासन ने संभल कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कोट पूर्वी में प्राचीन मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार का काम बृहस्पतिवार को शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वर्षों पूर्व इन कुओं को ऐसे ही छोड़ दिया गया था और इनमें मलबा भरकर इन्हें पाट दिया गया। ए कुंए ना केवल ऐतिहासिक महत्व के हैं, बल्कि पवित्र स्थल भी हैं। लोगों की मान्यता है कि इन कुंओं में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। क्षेत्र के पार्षद गगन वार्ष्णेय का कहना है, आज संभल के ऐतिहासिक मृत्यु कूप की खुदाई शुरू की गई है जो बहुत प्राचीन कूप है।

यह खुदाई नगर पालिका के सहयोग से की जा रही है। मृत्यु कूप को लेकर मान्यता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बीच, संभल की उपजिलाधिकारी (एसडीएम) वंदना मिश्रा ने बताया, आज हमने एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की टीम के साथ हौज भद्दे सराय स्थित भद्रिका आश्रम तीर्थ और चतुर्मुख कूप का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि यहां ढांचा मिला है जिसे एएसआई की टीम ने देखा है और इसका अध्ययन करने के बाद टीम बताएगी कि यह कितना पुराना है और इसका संरक्षण कैसे किया जाए। मिश्रा ने बताया, इसके बाद हम आलम सराय स्थित ब्रह्म कूप आए जिसे चतुर्मुख कूप भी कहते है। यह पत्थरों से बना है। एएसआई की टीम ने यहां नमूने भी लिए हैं। यह 19 प्राचीन कूप में से एक है। हमने 19 कूपों में से लगभग 15 कूप चिन्हित कर लिए हैं और यह सभी 19 कूप अत्यंत प्राचीन हैं। अब तक 24 तीर्थ भी चिन्हित किए जा चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार से संभल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह कुआं शाही जामा मस्जिद के पास है जहां पिछले महीने सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मृत्यु हुई थी।

धनंजय मुंडे ने फडणवीस से मुलाकात की

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मुंडे ने मुख्यमंत्री से यह मुलाकात ऐसे समय की है जब बीड के सरपंच की हत्या मामले में विपक्ष उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे ने इस मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि उनके विभाग की लगभग उसी समय एक बैठक थी जब मुंबई के सहयाद्री गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री की एक बैठक थी। राकांपा नेता ने कहा, इसलिए हमारी मुलाकात हुई।

मुंडे ने यह भी कहा कि वह पहले दिन से ही मांग कर रहे हैं कि सरपंच संतोष देशमुख के हत्यारों को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा, हत्यारे मेरे सहित किसी के भी करीबी हों, फिर भी मैंने कहा है कि आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए। इसके बावजूद, अगर मुझे निशाना बनाया जा रहा है, तो कोई भी समझ सकता है कि यह किस तरह की राजनीति है।

बीड जिले से ताल्लुक रखने वाले मुंडे ने दावा किया, मेरे खिलाफ मीडिया ट्रायल का क्या उद्देश्य हो सकता है... मुझे राजनीतिक रूप से खत्म करना। गृह विभाग संभाल रहे फडणवीस ने सरपंच की कथित हत्या की न्यायिक जांच की घोषणा की है। बीड के मासाजोग गांव के सरपंच और जिले के एक लोकप्रिय जमीनी नेता संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को दोपहर में अपहरण कर लिया गया था। कुछ घंटे बाद, उनका शव मिला था, जिस पर अत्यधिक यातना दिए जाने के निशान थे। सरपंच की हत्या कथित तौर पर उनके गांव के पास एक पवन ऊर्जा संयंत्र में जबरन वसूली के प्रयास में हस्तक्षेप करने के कारण हुई थी।

पुलिस ने मामले के सिलसिले में कुछ गिरफ्तारियां की हैं। देशमुख की नृशंस हत्या को लेकर राज्य में राजनीतिक और सामाजिक हंगामा मचा हुआ है। इस घटना ने जिले में कानून और व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताओं को रेखांकित किया है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धास ने इसकी तुलना अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में व्याप्त स्थिति से की है।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने सोमवार को बीड सरपंच हत्या मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मुंडे को राज्य मंत्रिपरिषद से बर्खास्त करने की मांग की। पुलिस के अनुसार, सरपंच हत्या मामले के एक आरोपी विष्णु चाते ने बीड जिले में पवन चक्की लगाने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर 2 करोड़ रुपए की मांग की थी और मांग पूरी न होने पर कंपनी का संचालन बंद करने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार देशमुख ने हस्तक्षेप करने और जबरन वसूली रोकने की कोशिश की थी, जिसके कारण उन्हें उनकी कार से अगवा कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सरपंच को कथित तौर पर प्रताड़ित किया और मार डाला, जिसके बाद चाते सहित सात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

कांग्रेस असली नही, महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे है फर्जी गांधी : कुमारस्वामी

भाषा। मांड्या (कर्नाटक)

जनता दल (सेक्युलर) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में मौजूदा कांग्रेस असली नहीं है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि फर्जी गांधी महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि गांधी ने कांग्रेस को भंग करने का आह्वान किया था। उन्होंने कांग्रेस की राज्य इकाई की आलोचना करते हुए इसे अली बाबा और चालीस चोरों की पार्टी करार दिया।

कुमारस्वामी ने कहा, आज कांग्रेस के नेता महात्मा गांधी के नाम पर बेलगावी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन के शताब्दी समारोह को मनाने के लिए एकत्र हुए हैं, जिसकी अध्यक्षता खुद गांधी ने की थी। सरकार इस पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन मुझे कहीं भी गांधी का कटआउट नहीं दिखा, गांधी की जगह फर्जी गांधी हैं जो गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उनके बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए हैं। जद (एस) नेता ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्हें गांधीजी के नाम पर कार्यक्रम आयोजित पर कोई आपत्ति नहीं है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया और देश के लोगों के लिए वास्तविक स्वतंत्रता का सपना देखा था।

उन्होंने कांग्रेस और कर्नाटक में पार्टी की सरकार से सवाल करते हुए कहा, इन लोगों (कांग्रेस नेताओं) का क्या योगदान है? गांधी के नाम पर इनका क्या योगदान है? पिछले एक साल में उन्होंने क्या किया है? कुमारस्वामी ने कहा, कांग्रेस कितनी बार टूटी है? क्या देश की आजादी के लिए लड़ने वाली असली कांग्रेस आज भी है? ए कौन सी कांग्रेस है? कर्नाटक में जो कांग्रेस है वो अली बाबा और चालीस चोर वाली कांग्रेस है। जनता के लिए काम करने वाली कांग्रेस नहीं।

गायों का अवैध बाड़ा हटाए जाने के विवाद में गोरक्षकों पर बलवे का मामला दर्ज, बजरंग दल बिफरा

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर में अतिक्रमण निरोधक अभियान के तहत गायों का अवैध बाड़ा हटाए जाने के दौरान हुए विवाद में तीन नगर निगम कर्मियों के घायल होने के बाद पुलिस ने गोरक्षकों पर बलवा, गैर इरादतन हत्या का प्रयास और अन्य संगीन आरोपों में मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नगर निगम के एक पीड़ित कर्मचारी की शिकायत पर विजय कालखोर, संजय महाजन और तेज सिंह राठौर व अन्य लोगों पर नगर निगम कर्मचारियों को गालियां देने, डंडों से मारपीट करके उन्हें घायल करने, नगर निगम की गाड़ियों में तोड़-फोड़ करके सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(3) (घातक हथियारों से लैस होकर बलवा करना), धारा 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), धारा 115(2) (जान-बूझकर चोट पहुंचाना), धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला) और अन्य प्रावधानों के तहत बुधवार रात दर्ज किया गया। दत्त नगर में बुधवार की सुबह गायों का एक अवैध बाड़ा हटाए जाने के दौरान हुए विवाद में नगर निगम के तीन कर्मचारी घायल हो गए थे।

सोशल मीडिया पर घटना के कुछ वीडियो सामने आए जिनमें कुछ लोग डंडों से उन गाड़ियों के शीशे तोड़ते दिखाई दे रहे हैं जिनके जरिए बाड़े की गायों को नगर निगम की गोशाला ले जाया जा रहा था। बाड़ा हटाए जाने का विरोध बजरंग दल की अगुवाई में किया जा रहा था। गोरक्षकों पर मामला दर्ज होने के बाद बजरंग दल की स्थानीय इकाई के संयोजक प्रवीण दरेकर ने दावा किया कि नगर निगम कर्मचारियों से मारपीट में उनके संगठन के कार्यकर्ता शामिल नहीं थे। दत्त नगर में करीब 30 साल पुरानी गोशाला की गायों को नगर निगम की गोशाला ले जाए जाने के दौरान एक गाड़ी में कथित रूप से 20-25 गायों को ठूंस-ठूंस कर रखा गया था जिससे कई गाएं घायल हो गईं।

बजरंग दल के नेता ने कहा, गोमाता पर इस अत्याचार के कारण हिंदू समाज के लोग आक्रोशित हो गए थे। गोरक्षकों और गोशाला चलाने वाले एक संत की ओर से नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट और पशु क्रूरता के आरोपों में शिकायत दर्ज कराई गई है और नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ भी प्राथमिकी पंजीबद्ध की जानी चाहिए। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार शर्मा ने कहा कि इन शिकायतों पर जांच की जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एक निजी अस्पताल पहुंचे और विवाद में घायल नगर निगम कर्मियों का हाल-चाल जाना।

पूर्व सांसद ने सपा नेता पर प्राचीन मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाया

कन्नौज (उप्र)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने बृहस्पतिवार को जिला मजिस्ट्रेट शुभ्रान्त कुमार शुक्ल से मिलकर सपा नेता कैश खां पर बाला पीर में प्राचीन जागेश्वर नाथ मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाया। पूर्व सांसद की शिकायत पर जिला मजिस्ट्रेट ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। विश्व हिन्दू परिषद ने भी जिला मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर मंदिर पर कब्जा किए जाने की शिकायत की है। जिला मजिस्ट्रेट से मिलने के बाद पूर्व सांसद ने पत्रकारों को बताया कि कन्नौज के बालापीर मोहल्ले में सपा नेता कैश खां ने आधे से ज्यादा मंदिर पर कब्जा कर उसके भीतर कुएं को बंद करा दिया और मूर्तियां कुएं में डाल दी हैं। सपा नेता ने इसी पर तीन मंजिला मकान बना लिया है। पूर्व सांसद ने बताया कि उन्होंने स्वयं इस इलाके का दौरा किया और मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां होली जलती थी।

पृथक बुंदेलखंड राज्य को लेकर सैदनगर से राजा बुंदेला ने शुरू की पदयात्रा

ग्राम प्रधानों ने स्वागत कर समर्थन पत्र भी सौंपे

संवाददाता। उरई जालौन

गुरुवार को पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग लेकर बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों द्वारा बुंदेलखंड विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजा बुंदेला के नेतृत्व में बुंदेलखंड गांव गांव, पाँव पाँव यात्रा का माँ रक्तदान्तिका मंदिर सैदनगर से विधिवत आगाज के साथ पद यात्रा का कारवां निकल पड़ा। इस दौरान ग्राम प्रधान पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के समर्थन में अपना समर्थन पत्र भी सौंप रहे हैं।

सैदनगर स्थित तांत्रिक सिद्धपीठ रक्तदंतिका मंदिर में पूजा अर्चना के साथ पद यात्रा की शुरूआत हुयी। इस दौरान पद यात्रा की अगुवाई कर रहे राजा बुंदेला ने ग्रामीण जन व नगर के गणमान्य जनो को बुंदेलखंड राज्य की मांग का औचित्य समझाते हुए कहा कि यह उनके भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड राज्य अवश्य बनेगा। बुंदेलखंड राज्य बना तो तरक्की के नए मापदंड तय करेगा। उन्होंने कहा कि अब उप्र का विभाजन होना ही चाहिए और जल्द बुंदेलखंड, पूर्वांचल, हरित प्रदेश राज्य का निर्माण हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि दो राज्यों में विभाजन के बाद भी बुंदेलखंड का गौरव कम नहीं हुआ है। बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा पृथक बुंदेलखंड के लिए गाँव गाँव काम कर रही है और यह यात्रा उसके उद्देश्यों से जुड़ी है। इस पदयात्रा के माध्यम से सरकार भी यह बात समझेगी। अलग राज्य बनने पर बुंदेलखण्ड भारत का मुकुट बनेगा। राजा बुंदेला ने कहा कि बुंदेलखंड की लड़ाई को जनमानस तक ले जाने के लिए यह पदयात्रा आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा छोटे राज्यों की समर्थक है। हमें आशा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया बुंदेलखंड 2027 तक आकार लेगा और जल्द बुंदेलखंड की घोषणा होगी। लेकिन हमें सरकार तक बुंदेलखंड की बात पहुंचाना है और यह भी कि बुंदेलखंड राज्य बुंदेलियों की प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न संगठनों का एक मंच पर आने का स्वागत किया और कहा इससे आंदोलन को बल मिलेगा। उन्होंने अन्य संगठनों से भी पदयात्रा से जुड़ने का आह्वान किया। पद यात्रा में ग्रामीणों ने भारी संख्या में समर्थन दिया और साथ ही साथ ग्राम प्रधानों ने प्रथक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण हेतु राजा बुंदेला को समर्थन पत्र सौंपा। इसके उपरांत यात्रा ग्राम कुरकुरु पहुंची प्रधान प्रवीण ने पृथक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण का समर्थन पत्र दिया।

कॉलेजियम ने राजस्थान उच्च न्यायालय के लिए तीन न्यायिक अधिकारियों के नाम की सिफारिश की

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने तीन न्यायिक अधिकारियों को राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम में न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल हैं। कॉलेजियम ने 22 दिसंबर को हुई बैठक में चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चंद्र प्रकाश श्रीमाली के नामों की सिफारिश की। एक अन्य प्रस्ताव में कॉलेजियम ने न्यायिक अधिकारी आशीष नैथानी को उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा अधिवक्ता प्रवीण शेषराव पाटिल को बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और अधिवक्ता प्रवीण कुमार गिरि को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

मोहपाश गिरोह की सरगना गिरफ्तार

भाषा। बरेली (उप्र)

उत्तर प्रदेश के बरेली की पुलिस ने मोहपाश गिरोह के शातिर सरगना को गिरफ्तार किया है। उस पर गम्भीर आरोपों में पांच मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। बरेली के अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मानुष पारीक ने बताया कि विशारतगंज थाना क्षेत्र के मिर्जापुर की निवासी ममता दिवाकर उर्फ मधु को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी साल तीन अप्रैल को सुभनेश कुमार नामक व्यक्ति नवाबगंज थाने में ने दी गई तहरीर में ममता पर अपने साथियों रीना उर्फ शीतल, माधुरी, सत्यवीर तथा तीनचार अज्ञात लोगों के खिलाफ नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो क्लिप तैयार कर उसे वायरल करने की धमकी देते हुए पांच लाख रुपए छीनने का आरोप लगाया था।

पारीक के मुताबिक कुमार का कहना था कि ममता मोहपाश गिरोह की सरगना है और वह तथा उसके साथी धनी लोगों को जाल में फंसाकर उनसे धन ऐंठते हैं।

उन्होंने बताया कि ममता पर यह भी आरोप है कि उसने अपने साथियों की मदद से सुभाषनगर क्षेत्र में स्थित चिकित्सक अमरेन्द्र सिंह चौहान का भी वर्ष 2022 में भी इसी तरह से वीडियो बनाकर 25 लाख रुपए की मांग की थी। उसमें से कुछ धन अभियुक्तों को दिया भी गया था। कथित रूप से बाकी रकम देने के दबाव के कारण चौहान ने आत्महत्या कर ली गई थी। पारीक ने बताया कि ममता दिवाकर उर्फ मधु आदतन अपराधी है, जो अपने अलग अलग साथियों के साथ में मिलकर अमीर लोगों को हनीट्रैप के जरिए फंसाकर उन्हें ब्लैकमैल करती है। उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, जहां से उसे विधिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है।

उत्तर भारत के कई हिस्से शीतलहर की चपेट में

नई दिल्ली(भाषा)। उत्तर भारत के कई हिस्से बृहस्पतिवार को भी भीषण शीतलहर की चपेट में रहे और कश्मीर घाटी के कुछ शहरों में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मौसम अधिकतर शुष्क रहा। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भीषण शीतलहर की स्थिति रही और पारा सामान्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार को कश्मीर के उंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी का अनुमान है क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाला है। कश्मीर में कई स्थानों पर रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे घाटी में ठंड का प्रकोप जारी रहा। पारे में गिरावट के कारण जलापूर्ति वाले पाइप में पानी जम गया है। वहीं डल झील सहित कई जलाशयों की सतह पर बर्फ की पतली परत जम गई है। मौसम विभाग ने बताया कि श्रीनगर में बुधवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 7.3 डिग्री सेल्सियस नीचे था। उत्तरी कश्मीर में स्कीइंग गतिविधियों के लिए मशहूर पर्यटक रिसॉर्ट शहर गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 8.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पंपोर क्षेत्र का एक छोटा गांव कोनीबल घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि शुक्रवार दोपहर से शनिवार दोपहर तक जम्मू कश्मीर में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, जहां तक सर्दियों की तैयारियों का सवाल है, भीषण ठंड है और मौसम शुष्क है। मैं ईश्वर से बर्फबारी के लिए प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास बिजली कटौती को कम से कम करना और कम तापमान के कारण पाइप में पानी जमने के बावजूद जलापूर्ति सुनिश्चित करना है। कठिनाइयों के बावजूद हमारा प्रयास है कि सरकार सुचारू रूप से काम करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिर्धारित बिजली कटौती की शिकायतें जारी रहेंगी क्योंकि सिस्टम पर दबाव है। उन्होंने कहा, समस्या यह है कि कुछ लोगों के पास चार बल्बों का (लोड) एग्रीमेंट है, लेकिन वे इसके बजाय चार हीटर का उपयोग करते हैं... मीटर इसका समाधान करने का सबसे अच्छा तरीका है, हमारे पास जितनी अधिक मीटरिंग होगी, बिजली कटौती उतनी ही कम होगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम जम्मू कश्मीर में 100 प्रतिशत मीटरिंग कर सकेंगे, ताकि हम 24 घंटे बिजली की आपूर्ति कर सकें। हम इसे जल्द ही हासिल कर लेंगे।

पेज 1 का शेष

कांग्रेस-आप...

सिंह ने माकन और दीक्षित पर भाजपा पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आप को निशाना बनाने का आरोप लगाया। सिंह ने केजरीवाल को कथित तौर पर 'राष्ट्र-विरोधी' कहने के लिए माकन की आलोचना की और कांग्रेस से 24 घंटे के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। आप के राज्यसभा सांसद ने कहा, इस बिंदु पर सभी सीमाएं पार कर दी गई हैं। एफआईआर दर्ज करना, किसी को राष्ट्र-विरोधी कहना - अजय माकन और उनकी पार्टी की ओर से ऐसा दुस्साहस अस्वीकार्य है। मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस 24 घंटे के भीतर अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करे। अन्यथा, हम इंडिया ब्लॉक के अन्य घटक दलों से कांग्रेस को गठबंधन से बाहर करने की अपील करेंगे। अजय माकन भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, भाजपा के इशारे पर बयान देते हैं और भाजपा के निर्देश पर आप नेताओं को निशाना बनाते हैं। और कल, उन्होंने सभी सीमाएं पार कर दीं और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को राष्ट्र-विरोधी कहा।' सिंह ने कहा, कांग्रेस या अजय माकन ने कभी भी दिल्ली में किसी भी भाजपा नेता को 'राष्ट्र-विरोधी' नहीं कहा है। 'अजय माकन ने जो दुस्साहस दिखाया है, मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस 24 घंटे के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई करे।' उन्होंने कहा, 'अन्यथा हम इंडिया ब्लॉक में साझेदारों से संपर्क करेंगे और ब्लॉक से कांग्रेस को हटाने की मांग करेंगे।' सिंह ने कहा, 'हरियाणा चुनाव के दौरान हमने कांग्रेस के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा था। फिर भी कांग्रेस भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ती दिख रही है। इसके उम्मीदवारों की सूची ऐसी दिखती है जैसे इसे भाजपा कार्यालय में अंतिम रूप दिया गया हो।' आतिशी ने भी इसी तरह की भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस सक्रिय रूप से आप को कमजोर कर रही है। आतिशी ने कहा कि कांग्रेस के कार्यों और शब्दों से यह स्पष्ट हो जाता है कि उसने दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के साथ 'गठबंधन' किया है। दिल्ली की सीएम ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने उनके और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आतिशी ने आरोप लगाया, 'क्यों? क्या कांग्रेस ने कभी किसी भाजपा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है? हमें विश्वसनीय स्रोतों से पता चला है कि कांग्रेस उम्मीदवारों का चुनाव खर्च भाजपा से आ रहा है। भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों को फंड दे रही है। हमने सुना है कि संदीप दीक्षित को भाजपा से फंड मिल रहा है। अगर कांग्रेस को लगता है कि हम (आप) राष्ट्र विरोधी हैं, तो उन्होंने हमारे साथ गठबंधन करके लोकसभा चुनाव क्यों लड़ा? यह स्पष्ट है कि कांग्रेस नेताओं ने आप को हराने और दिल्ली में भाजपा को जिताने के लिए भाजपा के साथ कुछ आपसी समझौता किया है।' उन्होंने कहा, 'अगर कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई समझौता नहीं है, तो उन्हें 24 घंटे के भीतर अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।' इससे पहले अपनी शिकायत में, युवा कांग्रेस ने दावा किया था कि आप मतदाताओं का विश्वास हासिल करने के लिए 'झूठे और भ्रामक' वादों का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस ने आप पर भ्रामक विज्ञापनों के जरिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। शिकायत में आरोप लगाया गया है, आप नेता, जिनमें विधायक और एमसीडी पार्षद शामिल हैं, ओटीपी सत्यापन की आवश्यकता वाली ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र विवरण और फोन नंबर जैसी संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी सक्रिय रूप से एकत्र कर रहे हैं। इसके अलावा, कांग्रेस ने आप और केजरीवाल से दो योजनाओं, मुफ्त इलाज और महिलाओं को 2,100 रुपये प्रति माह पर सवाल उठाया है। इन योजनाओं की घोषणा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर की गई थी। आग में घी डालने का काम करते हुए दिल्ली में कांग्रेस के कई नेताओं ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर खुलकर निशाना साधा है। माकन ने केजरीवाल पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया और उन्हें 'राष्ट्रविरोधी' बताया। माकन ने कहा, 'महामारी के दौरान जब लोग मर रहे थे, अरविंद केजरीवाल ने आलीशान बंगले पर करोड़ों खर्च कर दिए। 11 साल बाद भी दिल्ली में हजारों परिवारों को राशन कार्ड जारी नहीं किए गए हैं।' उन्होंने यह भी दावा किया कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए दिए गए फंड को विज्ञापन अभियानों पर बर्बाद किया गया। इसके अलावा, दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने भी आप और केजरीवाल पर हमला बोला। आबकारी नीति मामले में जेल से रिहा होने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित शर्तों का हवाला देते हुए दीक्षित ने कहा कि केजरीवाल सीएम पद के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने समझाया कि केजरीवाल फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते या कार्यालय नहीं जा सकते, इसलिए आतिशी को सीएम नियुक्त करने की जरूरत है। दीक्षित आगामी राज्य चुनावों में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। यह मुकाबला सिर्फ राजनीतिक ही नहीं बल्कि केजरीवाल से हिसाब चुकता करने के तौर पर भी देखा जा रहा है।

अरविंद...

केंद्र की प्रमुख 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (एबी-पीएमजेएवाई) योजना के कार्यान्वयन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद मौजूद थे।

कांग्रेस की...

अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस जैसी भारत विरोधी ताकतों के 'संकेत' का अनुसरण कर रही है। भाजपा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'रागा की मोहब्बत की दुकान हमेशा चीन के लिए खुली है! वे देश को तोड़ देंगे। उन्होंने एक बार ऐसा किया है। वे फिर से ऐसा करेंगे।'

ईसी ने...

47 मान्यता प्राप्त राज्य दलों और 690 पंजीकृत, गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने संसदीय चुनाव लड़ा।

फर्जी...

इसमें कहा गया है, 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और अन्य प्रासंगिक कानून ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाते हैं और दोषी पाए जाने वालों के लिए दंड का प्रावधान करते हैं।' ईआरओ ने पुलिस से मामले की जांच करने और भविष्य में इस तरह की धोखाधड़ी की गतिविधियों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

गहरे समुद्र...

मैं रविचंद्रन (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव) से कह रहा था कि यह एक अजीब संयोग होगा- एक मानव अंतरिक्ष में और दूसरा गहरे समुद्र में। यह लगभग एक साथ होगा।' उन्होंने कहा कि मानव अंतरिक्ष मिशन, जिसकी शुरुआत 2025 के लिए की गई थी, अगले साल नहीं हो सकता है, लेकिन अब 2026 की शुरुआत में होने की उम्मीद है। भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और इसके प्रचुर समुद्री संसाधनों के सतत अन्वेषण और संरक्षण की वकालत करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने एक समाचार एजेंसी को बताया कि आईएनसीओआईएस द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और जानकारी न केवल भारत के तटरेखा के साथ तटीय समुदायों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए भी प्रासंगिक हैं।

गैंग्स ऑफ..

या किसी भी अपराध को अंजाम दे सकते हैं। इसके अलावा, गुरुग्राम पुलिस ने जनवरी 2024 से 30 नवंबर 2024 तक सिर्फ 11 महीनों में विभिन्न बैंकों के 22 बैंक अधिकारियों सहित 1,658 साइबर जालसाजों से 83.41 करोड़ रुपये बरामद किए हैं, गुरुग्राम पुलिस ने कहा। गुरुग्राम के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि पुलिस इन धोखाधड़ी का मुकाबला करने के लिए अन्य एजेंसियों और संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही है। साइबर क्राइम के एसीपी प्रियांशु दीवान ने बताया कि साइबर जालसाज लोगों को अच्छे मुनाफे का लालच देकर, शेयर बाजार में निवेश करने, बिजली बिल कम करने, ऑनलाइन सस्ता सामान खरीदने/बेचने के नाम पर, व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल के जरिए सेक्सटॉर्शन, मॉर्फिंग, विभिन्न माध्यमों से लिंक भेजकर, फर्जी केस में फंसाने के नाम पर कस्टम अधिकारी/पुलिस अधिकारी बनकर, अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के नाम पर, आपराधिक केस में फंसाने का डर दिखाकर लोगों को डिजिटल तरीके से गिरफ्तार करके ठगी करते हैं।

मोदी ने युवाओं को उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने का आह्वान किया

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें कृत्रिम मेधा (एआई) व मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वीर बाल दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हो रहे बदलावों और चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने की जरूरत पर जोर दिया और सरकार की "युवाओं पर केंद्रित" नीतियों का उल्लेख किया। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने कहा कि संविधान का समानता का सिद्धांत उन गुरुओं की शिक्षाओं के अनुरूप है, जिन्होंने सभी के कल्याण का समर्थन किया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रतिभाशाली युवाओं को समर्थन व प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग तक पहुंच गया है। एआई केंद्र में आ गया है और हम देख सकते हैं कि इसका अनुप्रयोग पारंपरिक सॉफ्टवेयर की जगह ले रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों को सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करें, चाहे वह रेलवे हो, सेमीकंडक्टर हो, यात्रा हो या खगोल विज्ञान का क्षेत्र हो। वीर बाल दिवस समारोह में मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों, साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को याद किया और कहा कि उन्होंने मुगल साम्राज्य के उत्पीड़न के आगे समर्पण करने के बजाय अटूट साहस और विश्वास को चुना। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस एक स्थाई सबक सिखाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राष्ट्र हित में किया गया प्रत्एक कार्य वीरता का कार्य है।

उन्होंने युवाओं से उनकी विरासत से प्रेरणा लेने का आग्रह करते हुए कहा, 300 साल से भी अधिक पहले, 26 दिसंबर को, साहिबजादों ने अपनी कम आयु के बावजूद अद्वितीय वीरता दिखाकर प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने हर प्रलोभन को अस्वीकार कर दिया और अकल्पनीय यातनाएं सहन कीं, उन्होंने दिखाया कि उनके लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि भारत का मजबूत लोकतंत्र साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान पर आधारित है। उन्होंने कहा, संविधान हमें सिखाता है कि देश में कोई छोटा या बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिद्धांत हमारे गुरुओं की शिक्षाओं के अनुरूप है, जिन्होंने सभी के कल्याण पर जोर दिया। मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के विजेताओं से भी बातचीत की। 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को कला व संस्कृति, वीरता, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, खेल और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए मोदी ने कहा, "इन बच्चों ने दिखा दिया है कि भारत के युवा क्या हासिल करने में सक्षम हैं। मैं राष्ट्र की ओर से सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने नीतियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने पर सरकार के ध्यान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, स्टार्टअप से लेकर विज्ञान, खेल से लेकर उद्यमिता तक, परिवर्तन की एक नई लहर चल रही है। हमारी नीतियां युवाओं को ताकत देने को प्राथमिकता देती हैं। चाहे वह स्टार्टअप इकोसिस्टम हो, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य हो, या खेल व फिटनेस हो, हमारी सभी पहल युवाओं पर केंद्रित हैं।

मोदी ने सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पोषण परिणामों में सुधार करना है। यह पहल हर भारतीय की बेहतरी सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। मोदी ने युवा भारतीयों से साहस, नवाचार व सेवा के मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया ताकि राष्ट्र को अधिक एकता व प्रगति की ओर अग्रसर किया जा सके। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक संपर्क वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के अपने आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल अगले 25 वर्षों के लिए महत्वपूर्ण है। युवाओं को नई पीढ़ी को राजनीति में लाने के इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर विकसित भारत युवा नेता संवाद आयोजित किया जाएगा और देश भर के गांवों, कस्बों और शहरों से लाखों युवा इसमें भाग लेंगे तथा विकसित भारत के लिए विजन और रोडमैप पर चर्चा करेंगे।

भारत ने चीन से एलएनजी ईंधन टैंक के आयात की डंपिंग-रोधी जांच की शुरू

नई दिल्ली। भारत ने एक घरेलू कंपनी की शिकायत के बाद चीन से एलएनजी ईंधन टैंक की कथित डंपिंग की जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईंधन टैंकों की डंपिंग की जांच कर रहा है। इसके आयात से कथित तौर पर घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंच रहा है।

आइनॉक्स इंडिया लिमिटेड ने डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की अपील करते हुए एक आवेदन दायर किया है। इसमें कहा गया है कि सस्ते आयात से घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। इन टैंकों का इस्तेमाल ट्रक जैसे बड़े वाहनों में मीथेन गैस को रखने और ले जाने के लिए किया जाता है। डीजीटीआर ने अधिसूचना में कहा, घरेलू उद्योग के आवेदन के आधार पर तथा विषयगत वस्तुओं की डंपिंग के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों से प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने के बाद...प्राधिकारी डंपिंग रोधी जांच शुरू करता है।

घरेलू कंपनियों को डंपिंग से नुकसान होने की बात साबित होने पर डीजीटीआर इन आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। शुल्क लगाने का अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय लेता है। डंपिंग-रोधी जांच विभिन्न देशों द्वारा यह पता लगाने के लिए की जाती है कि सस्ते आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान तो नहीं पहुंच रहा। भारत ने चीन समेत विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए पहले ही कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। वित्त वर्ष 2023-24 में इन टैंकों का आयात 9.36 करोड़ अमेरीकी डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में यह 4.27 करोड़ डॉलर रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने असाधारण साहस और कला, संस्कृति व खेल समेत विभिन्न क्षेत्रों में शानदार उपलब्धियां हासिल करने वाले 17 बच्चों को बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है, जिनमें कला एवं संस्कृति, वीरता, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण शामिल हैं। चौदह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से चुने गए सात लड़कों और 10 लड़कियों को सम्मान के तहत एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

पुरस्कार पाने वालों में कला एवं संस्कृति में शानदार उपलब्धियां हासिल करने वाली 14 वर्षीय दिव्यांग लेखिका केया हतकर, कश्मीर के 12 वर्षीय सूफी गायक अयान सजाद, सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित 17 वर्षीय व्यास ओम जिग्नेश (संस्कृत साहित्य) शामिल हैं। वीरता श्रेणी में, नौ वर्षीय सौरव कुमार को तीन लड़कियों को डूबने से बचाने जबकि 17 वर्षीय इओना थापा को एक फ्लैट में 36 निवासियों को आग से बचाने के लिए सम्मानित किया गया। नवाचार के लिए, 15 वर्षीय सिंधूरा राजा और साइबर सुरक्षा उद्यमी रिशीक कुमार (17) को पुरस्कार दिया गया। खेल श्रेणी में जूडो खिलाड़ी हेमवती नाग, शतरंज खिलाड़ी अनीश सरकार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार हासिल करने वालों को बधाई दी और एक पीढ़ी को उत्कृष्टता प्राप्त करने व समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित करने में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

क्रेडिट कार्ड बकाया पर 30% से अधिक ब्याज वसूल सकते हैं बैंकः उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 16 साल पुराने एक फैसले को खारिज कर दिया है जिसके बाद बैंक ग्राहकों से क्रेडिट कार्ड बकाया पर 30 प्रतिशत से अधिक ब्याज वसूल सकते हैं। एनसीडीआरसी ने अपने फैसले में कहा था कि क्रेडिट कार्ड बकाए पर ग्राहकों से अत्यधिक ब्याज दर वसूलना अनुचित व्यापार व्यवहार है। यह फैसला सिटीबैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस, एचएसबीसी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा एनडीसीआरसी के सात जुलाई, 2008 के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर आया है। आयोग ने कहा था कि क्रेडिट कार्ड बकाए पर 36 प्रतिशत से 49 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की ब्याज दरें बहुत अधिक हैं और उधारकर्ताओं के शोषण की तरह हैं।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि एनसीडीआरसी की यह टिप्पणी अवैध है और भारतीय रिजर्व बैंक की शक्तियों के स्पष्ट, सुस्पष्ट प्रत्यायोजन में हस्तक्षेप है।

न्यायालय ने कहा कि आयोग का 30 प्रतिशत से अधिक ब्याज दर न लेने के बारे में दिया गया निर्णय बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के विधाई उद्देश्य के विपरीत है। शीर्ष अदालत ने 20 दिसंबर के अपने फैसले में कहा कि बैंकों ने क्रेडिट कार्ड धारकों को धोखा देने के लिए किसी भी तरह से कोई गलतबयानी नहीं की थी और भ्रामक व्यवहार एवं अनुचित तौर-तरीकों की पूर्व-शर्तें नदारद थीं। न्यायालय ने कहा कि एनसीडीआरसी के पास बैंकों तथा क्रेडिट कार्ड धारकों के बीच किए गए अनुबंध की उन शर्तों को फिर से तय करने का कोई अधिकार नहीं है जिसपर दोनों पक्षों ने आपसी सहमति जताई थी।

पीठ ने कहा, हम भारतीय रिजर्व बैंक की इन दलीलों से सहमत हैं कि वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में किसी भी बैंक के विरुद्ध कार्वाई करने का आरबीआई को निर्देश देने का सवाल ही नहीं पैदा होता है। इसके साथ ही न्यायालय ने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत जारी परिपत्रोंा निर्देशों के उलट समूचे बैंकिंग क्षेत्र या किसी एक बैंक को ब्याज दर पर सीमा लगाने का रिजर्व बैंक को निर्देश देने का सवाल नहीं उठता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग को एकतरफा ढंग से लगाए गए या अनुचित एवं अविवेकपूर्ण शर्तें रखने वाले अनुचित अनुबंधों को रद्द करने का पूरा अधिकार है। लेकिन बैंकों द्वारा लगाए जाने वाले ब्याज की दर वित्तीय विवेक और आरबीआई निर्देशों से तय होती है।

बाबासाहेब का अपमान भाजपा-आरएसएस के प्रोजेक्ट का हिस्सा, इस्तीफा दें शाहः कार्य समिति

बेलगावी। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के कथित अपमान को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देने के साथ ही देश से माफी मांगनी चाहिए। कार्य समिति की बैठक के बाद पारित प्रस्ताव में एक देश-एक चुनाव संबंधी विधेयक, मंदिर-मस्जिद विवाद, मणिपुर की स्थिति, चीन के साथ सीमा समझौते, अर्थव्यवस्था की स्थिति और कुछ अन्य मुद्दों का उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा गया है। प्रस्ताव में कहा गया है, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान संविधान को कमज़ोर करने के आरएसएस-भाजपा के दशकों पुराने प्रोजेक्ट का सबसे ताज़ा उदाहरण है। कार्य समिति केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफ़े के साथ-साथ देश से माफी मांगने की मांग दोहराती है। प्रस्ताव में कहा गया है, कार्य समिति हमारे लोकतंत्र में लगातार आ रही गिरावट से बेहद चिंतित है। न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग और मीडिया जैसी संस्थाओं का कार्यपालिका के दबाव के जरिए राजनीतिकरण किया गया है। संसद की साख को ख़त्म कर दिया गया है। हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र में सत्ता पक्ष द्वारा जिस तरह कार्यवाही में बाधा डाली गई, उसे पूरे देश ने देखा। कार्य समिति ने दावा किया कि संविधान के संघीय ढांचे पर लगातार हमले हो रहे हैं, केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक से इसे विशेष रूप से ख़तरा है। उसने कहा, भारत के निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर चुनाव संचालन नियम 1961 में किए गए केंद्र के संशोधन की वह निंदा करती है जो चुनावी दस्तावेजों के महत्वपूर्ण हिस्सों तक सार्वजनिक पहुंच को रोकता है। यह पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को कमजोर करता है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की आधारशिला हैं। हमने इन संशोधनों को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। ख़ासकर हरियाणा और महाराष्ट्र में जिस तरह से चुनाव कराए गए हैं, उसने पहले ही चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा को खत्म कर दिया है। कार्य समिति ने देश के कई स्थानों पर सांप्रदायिकता और जातीय घृणा के मामलों को लेकर चिंता जताई। उसने कहा, 2023 से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर को प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की उदासीनता का सामना करना पड़ रहा है। मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद से प्रधानमंत्री ने इस अशांत राज्य का दौरा नहीं किया है। कार्य समिति ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए संभल और अन्य स्थानों में जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव भड़काया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है, उपासना स्थल अधिनियम, 1991, जिसके प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, भी अनावश्यक बहस के दायरे में आ गया है। कार्य समिति ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना जल्द से जल्द कराई जाए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए ताकि समाज के इन तीन पारंपरिक रूप से वंचित समूहों को और ज़्यादा लाभ मिल सके। उसने कहा, आरक्षण उचित माध्यमों से निर्धारित सामाजिक, आर्थिक या शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होना चाहिए। कांग्रेस कार्य समिति ने दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था भयंकर मंदी से गुजर रही है। प्रस्ताव में कहा गया है, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां केवल प्रधानमंत्री के कुछ पसंदीदा व्यापारिक समूहों को समृद्ध करने के लिए बनाई गई हैं। अर्थव्यवस्था में चंद लोगों के एकाधिकार बढ़ रहे हैं। भारत के पूंजी बाजार में बड़े पैमाने पर लोगों की हिस्सेदारी है, लेकिन नियामकों की ईमानदारी पर गंभीर सवाल उठे हैं। उसने कहा कि जीएसटी को सरल बनाने की जरूरत है। कार्य समिति ने कृषि और ग्रामीण रोजगार की घोर उपेक्षा के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। उसने कहा, कार्य समिति तत्काल सुधार के लिए उपाय करने की मांग करती है, जिनमें एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, लागत के अतिरिक्त 50 प्रतिशत एमएसपी तय किया जाना और मनरेगा के लिए पर्याप्त धन के साथ-साथ इसकी मजदूरी दर को 400 रुपए प्रति दिन तक बढ़ाना शामिल है। कार्य समिति ने यह दावा भी किया कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के पीछे हटने के संबंध में विदेश मंत्री की जो घोषणा हुई है वो अप्रैल 2020 के पहले की स्थिति बहाल करने के भारत के घोषित लक्ष्य से बेहद कम है और दशकों में लगे देश के सबसे बड़े क्षेत्रीय झटके को दर्शाता है।

मैं 500 शिक्षकों को जानता हूं जो स्कूल नहीं जाते, उन्होंने स्थानापन्न नियुक्त किए हैं : मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूली शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने एक सार्वजनिक समारोह में स्वीकार किया कि वे कम से कम 500 ऐसे शिक्षकों को जानते हैं जो स्कूल नहीं जाते और उन्होंने छात्रों को पढ़ाने के लिए स्थानापन्न नियुक्त किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी के अवसर पर बुधवार को रायसेन में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह द्वारा की गई इस स्वीकारोक्ति का वीडियो वायरल होने के बाद, विपक्षी कांग्रेस ने इस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि यह मध्यप्रदेश के शिक्षा क्षेत्र की स्थिति को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में सिंह को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि "मैं व्यक्तिगत रूप से 500 शिक्षकों को जानता हूं जो स्कूल नहीं जाते और उन्होंने स्थानापन्न नियुक्त किए हैं। मेरे जिले में करीब 100 शिक्षक हैं।

सोमनाथ से संभल तक सभ्यतागत न्याय की लड़ाईः आरएसएस से संबंधित पत्रिका

नई दिल्ली। देश में मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा आपत्ति जताए जाने के कुछ दिनों बाद, संगठन से जुड़ी एक पत्रिका के ताजा अंक में कहा गया है कि यह सोमनाथ से संभल और उससे आगे तक इतिहास की सच्चाई जानने और सभ्यतागत न्याय हासिल करने की लड़ाई है। पत्रिका ऑर्गनाइजर के ताजा अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है कि बीआर आंबेडकर का अपमान किसने किया, इसे लेकर मचे कोलाहल के बीच, ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि कांग्रेस ने संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष के साथ कैसा व्यवहार किया था और ऐसे में, उत्तर प्रदेश के संभल में हाल के घटनाक्रम ने लोगों को उद्वेलित कर दिया। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर में अब जामा मस्जिद के रूप में बनाए गए श्री हरिहर मंदिर का सर्वेक्षण करने संबंधी याचिका से शुरू हुआ विवाद व्यक्तियों और समुदायों को दिए गए विभिन्न संवैधानिक अधिकारों के बारे में एक नई बहस को जन्म दे रहा है।

ऑर्गनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर द्वारा लिखे गए संपादकीय में कहा गया है, छद्म धर्मनिरपेक्षतावादी चश्मे से बहस को हिंदू-मुस्लिम प्रश्न तक सीमित करने के बजाय हमें सच्चे इतिहास पर आधारित सभ्यतागत न्याय पाने के लिए एक विवेकपूर्ण और समावेशी बहस की आवश्यकता है, जिसमें समाज के सभी वर्ग शामिल हों। सोमनाथ से लेकर संभल और उससे परे भी, ऐतिहासिक सत्य जानने की यह लड़ाई धार्मिक वर्चस्व की लड़ाई नहीं है। यह हिंदू लोकाचार के खिलाफ है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान की पुष्टि करने और सभ्यतागत न्याय पाने के बारे में है।

भागवत ने देश में कई मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर पिछले सप्ताह चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ व्यक्तियों को ऐसा लगने लगा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं।

ऑर्गनाइजर के संपादकीय में कहा गया है कि भारत में धार्मिक पहचान की कहानी जाति के सवाल से बहुत अलग नहीं है। कांग्रेस ने जाति के सवाल को टालने की कोशिश की, सामाजिक न्याय के कार्यान्वयन में देरी की और चुनावी लाभ के लिए जातिगत पहचान का शोषण किया। धार्मिक पहचान की कहानी इससे बहुत अलग नहीं है। साप्ताहिक पत्रिका के संपादकीय में कहा गया है, इस्लामिक आधार पर मातृभूमि के दर्दनाक विभाजन के बाद, इतिहास के बारे में सच्चाई बताकर सभ्यतागत न्याय के लिए प्रयास करने और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए वर्तमान को पुनः स्थापित करने के बजाय कांग्रेस और कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने आक्रमणकारियों के पापों को छिपाने का विकल्प चुना।

बैंकों की लाभप्रदता 2023-24 में लगातार छठे साल बढ़ी

मुंबई। वित्त वर्ष 2023-24 में बैंकों की लाभप्रदता में लगातार छठे साल सुधार हुआ और उनका फंसा कर्ज घटकर 13 साल के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बैंकिंग के रुझान और प्रगति पर जारी आरबीआई की यह रिपोर्ट कहती है कि देश की सशक्त वृहद-आर्थिक बुनियाद ने घरेलू बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्रों के प्रदर्शन और सुदृढ़ता को बढ़ावा दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों की लाभप्रदता 2023-24 में लगातार छठे वर्ष बढ़ी और यह 2024-25 की पहली छमाही में भी बढ़ती रही। आरबीआई रिपोर्ट कहती है कि परिसंपत्ति की गुणवत्ता बेहतर हुई है और इनका सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च, 2024 के अंत में 2.7 प्रतिशत और सितंबर, 2024 के अंत में 2.5 प्रतिशत पर आ गया, जो 13 साल का सबसे निचला स्तर है।

इस अवधि में बैंकों की पूंजी की स्थिति संतोषजनक रही, जो कर्ज अनुपात और पूंजी से जोखिम भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) जैसे प्रमुख मानदंडों में परिलक्षित भी होता है। इसके अलावा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का मजबूत ऋण विस्तार होने के साथ उनके बही-खाते में मजबूती आई, ऋण गुणवत्ता और लाभप्रदता में सुधार हुआ। पिछले वित्त वर्ष में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का शुद्ध लाभ 32.8 प्रतिशत बढ़कर 3,49,603 करोड़ रुपए हो गया। मार्च, 2024 के अंत में वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक , निजी क्षेत्र के 21 बैंक, 45 विदेशी बैंक, 12 लघु वित्त बैंक, छह भुगतान बैंक, 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और दो स्थानीय क्षेत्र बैंक (एलएबी) शामिल थे।

आंबेडकर पर अमित शाह के बयान को नवीन पटनायक ने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को कहा कि बी.आर. आंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री पटनायक बीजद के 28वें स्थापना दिवस समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर जैसे महान व्यक्तित्व पर केंद्रीय गृह मंत्री की टिप्पणी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पटनायक ने कहा कि उनकी पार्टी मतपत्र के जरिए चुनाव कराने का समर्थन करती है और उसने एक देश एक चुनाव पर अभी कोई रुख नहीं अपनाया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इसके तौर-तरीकों की समीक्षा कर रही है।

उन्होंने कहा कि बीजद ने निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है जिसमें 2024 के लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों में डाले गए वोटों में असामान्य बदलाव के दावों की सावधानीपूर्वक जांच मांग की है।

इस मामले को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि भाजपा इसे लेकर इतनी उतावली क्यों है। अभी तक किसी ने उन पर कोई आरोप नहीं लगाया है। ऐसा लगता है कि यह एक व्यक्ति द्वारा खुद को निर्दोष बताने का उदाहरण है, जबकि उस पर कोई गलत काम करने का आरोप नहीं है। अपने उत्तराधिकारी के बारे में पूछे जाने पर पटनायक ने कहा, मैंने इस बारे में नहीं सोचा है।

बीजद की हार पर पटनायक ने कहा, मैं समझता हूं कि कई लोगों के मन में सवाल है कि हम पिछला चुनाव कैसे हार गए। मैं आज उन सवालों का जवाब दूंगा। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमने लोगों का विश्वास नहीं खोया है। भाजपा झूठ फैलाकर, खोखले वादे करके और जनता को गुमराह करके सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि इतने झूठ बोलने के बाद भी भाजपा को बीजद से कम वोट मिले हैं। पटनायक ने कहा, ओडिशा के लोगों को पता चल गया है कि भाजपा झूठ बोलकर सत्ता में आई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजू जनता दल अगले सौ वर्षों तक ओडिशा के लोगों की सेवा करता रहेगा। उन्होंने वादा किया कि पार्टी केंद्र सरकार के कथित अत्याचारों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी और एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी के रूप में ओडिशा के हितों की रक्षा करेगी। मैं मानता हूं कि बीजद उनके झूठ, उनके नकारात्मक अभियान और सोशल मीडिया पर झूठे बयानों का सफ्लतापूर्वक मुकाबला नहीं कर सका। अब लोगों को एहसास हो रहा है कि वे झूठे वादे करके सत्ता में आए हैं। छह महीने पुरानी मोहन चरण माझी सरकार के बारे में पटनायक ने कहा, पिछले छह महीनों में लोगों पर सबसे बड़ा बोझ महंगाई का रहा है। दालों और चावल से लेकर तेल और सब्जियों तक, सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं।

जब तक द्रमुक सरकार हट नही जाती सैंडल नही पहनूंगाः अन्नामलाई

कोयंबटूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब तक द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार हट नहीं जाती तब तक वह सैंडल नहीं पहनेंगे और नंगे पैर चलेंगे। अन्नामलाई ने कहा कि वह 27 दिसंबर को सुबह 10 बजे अपने घर के बाहर खुद को छह बार कोड़े मारेंगे ताकि लोगों का ध्यान अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न की घटना की ओर जाए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि आरोपी गणसेकरन द्रमुक का पदाधिकारी है, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी ने इसका खंडन किया है। भाजपा नेता ने द्रमुक नेताओं के साथ आरोपी की तस्वीरें दिखाते हुए आरोप लगाया कि वह सत्तारूढ़ पार्टी की छात्र शाखा का पदाधिकारी है।

वहीं तमिलनाडु के कानून मंत्री एस रघुपति ने कहा कि यौन उत्पीड़न मामले का आरोपी द्रमुक का प्राथमिक सदस्य भी नहीं है।

भाजपा नेता यहां संवाददाताओं से कहा कि चूंकि आरोपी द्रमुक से जुड़ा है इसलिए पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। उन्होंने ऐसे अपराधों को रोकने के लिए निर्भया निधि के इस्तेमाल के बारे में जानना चाहा। अन्नामलाई ने प्राथमिकी लिखने के तरीके पर भी सवाल उठाए और कहा कि इसे इस तरह से लिखा गया है जैसे कि पीड़िता ने कोई अपराध किया हो। उन्होंने कहा, द्रमुक (सरकार) को पीड़िता की पहचान उजागर करने में शर्म आनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि जब तक द्रमुक सरकार नहीं हट जाती तब तक वह जूते नहीं पहनेंगे। भाजपा नेता ने कहा कि वह भगवान मुरुगा की पूजा करके 48 दिन का विराथम (आध्यात्मिक व्रत) करेंगे और फरवरी 2025 तक राज्य के सभी छह अरुपदई मंदिरों में पूजा अर्चना करेंगे।

ब्रिटिश शासकों ने भारत का इतिहास विकृत कियाः भागवत

नागपुर (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत के ब्रिटिश शासकों ने यह संदेश फैलाने के लिए देश के इतिहास को विकृत किया कि स्थानीय आबादी खुद पर शासन करने के लिए अयोग्य है। भागवत ने कहा, 1857 में, भारत के ब्रिटिश शासकों को एहसास हुआ कि असंख्य जातियों, संप्रदायों, भाषाओं, भौगोलिक असमानताओं और भारतीयों के आपस में लड़ने के बावजूद वे तब तक एकजुट रहेंगे जब तक कि वे विदेशी आक्रमणकारियों को देश से बाहर नहीं निकाल देते। वह नागपुर में सोमलवार एजुकेशन सोसाइटी के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर 21वीं सदी में शिक्षकों की भूमिका पर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ब्रिटिश शासकों ने कुछ ऐसा करने का निर्णय लिया जिससे भारतीयों की यह विशेषता समाप्त हो जाए और यह सुनिश्चित हो जाए कि ब्रिटिश शासन हमेशा के लिए बना रहे। उनका उद्देश्य भारतीयों के मन से उनके इतिहास, पूर्वजों और गौरवपूर्ण विरासत को भुला देना था। इस उद्देश्य के लिए, अंग्रेजों ने तथ्यों की आड़ में हमारे दिमाग में कई झूठ डाल दिए।

भागवत ने कहा, सबसे बड़ा झूठ यह था कि भारत में ज़्यादातर लोग बाहर से आए थे। ऐसा ही एक झूठ यह है कि भारत पर आर्यों ने आक्रमण किया था जिन्होंने द्रविड़ों से लड़ाई की थी। उन्होंने प्रचार किया कि खुद शासन करना भारतीयों के खून में नहीं है और यहां के लोग धर्मशालाओं में रहने वालों की तरह रहते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि 21वीं सदी में कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में भी शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी प्रौद्योगिकी के कारण बहुत सारे ज्ञान से अवगत है, लेकिन शिक्षक जीवन बदल सकते हैं।

भागवत ने कहा, देखने और अवलोकन का मतलब सीखना है। हम पढ़ने और सुनने के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं... आपके पास मौजूद जानकारी का उपयोग कैसे करना है, यह दृष्टि और अवलोकन से सीखा जाता है। उन्होंने कहा, शिक्षकों में जीवन बदलने की शक्ति है...प्रौद्योगिकी आती है और जाती है...बुद्धि के कृत्रिम होने के साथ, शिक्षकों और शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। आरएसएस प्रमुख ने महात्मा गांधी के इस कथन को भी याद किया कि नैतिकता के बिना विज्ञान पाप है। भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण है और इसकी प्रगति से मनुष्यों को तेजी से एवं सटीक काम करने में मदद मिलेगी, लेकिन इसका प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम पढ़ाते हैं तो हम सीखते भी हैं। हर छात्र अलग है। संघ प्रमुख ने कहा, यदि जानकारी की आवश्यकता है तो गूगल है, लेकिन शिक्षण के लिए शिक्षक आवश्यक हैं।

भागवत ने कहा कि कभी-कभी ज्ञान की आड़ में झूठ फैलाया जाता है और इतिहास की आड़ में विकृत तथ्य पेश किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान की पड़ताल करनी पड़ती है और फिर उसे आत्मसात करना पड़ता है। उन्होंने कहा, किताबों की भूमिका लगभग समाप्त हो गई है।

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसम्बर, 2024

चीन ने भारत सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण को मंजूरी दी

भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ी

भाषा। बीजिंग

चीन ने भारतीय सीमा के नजदीक तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है जिससे भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना बताया जा रहा है जिसकी लागत 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान के हवाले से बताया कि चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले इलाकों में एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा, जहां ब्रह्मपुत्र नदी एक विशाल यू-टर्न लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहती है। हांगकांग के साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बृहस्पतिवार को बताया कि बांध में कुल निवेश 137 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। इस बांध के आगे चीन का थ्री गॉर्जेस बांध सहित धरती पर कोई भी अन्य एकल बुनियादी ढांचा परियोजना छोटी पड़ जाएगी। भारत में इस बात को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है कि इस बांध से चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने का अधिकार तो मिलेगा ही, साथ ही इसके आकार और पैमाने को देखते हुए यह चीन को शत्रुता के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी मात्रा में पानी छोड़ने में भी सक्षम बना देगा। भारत भी अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र पर बांध बना रहा है। भारत और चीन ने सीमा पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 2006 में एक विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र (ईएलएम) की स्थापना की थी, जिसके तहत चीन बाढ़ के मौसम के दौरान भारत को ब्रह्मपुत्र नदी और सतलुज नदी पर जल विज्ञान संबंधी जानकारी प्रदान करता है। भारत, चीन के सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग ई के बीच 18 दिसंबर को यहां हुई वार्ता में सीमा पार की नदियों के बारे में डेटा साझा करने का मुद्दा उठा था। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने सहित सीमा पार सहयोग और आदान-प्रदान के लिए सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए। ब्रह्मपुत्र बांध में इंजीनियरिंग की बहुत बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि परियोजना स्थल टेक्टोनिक प्लेट क्षेत्र से लगा हुआ है, जहां भूकंप आते हैं। दुनिया की छत माने जाने वाले तिब्बती पठार में अक्सर भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेट के ऊपर स्थित है। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में भूकंप के बारे में चिंताओं को यह कहते हुए दूर करने की कोशिश की गई कि जलविद्युत परियोजना सुरक्षित है और पारिस्थितिकी संरक्षण को प्राथमिकता देती है।

भारत, चीन के बीच समझौते को व्यापक और प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है: चीन सेना

बीजिंग (भाषा)। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन और भारत की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के लिए हुए समझौते को व्यापक और प्रभावी रूप से लागू कर रही है और इसमें निरंतर प्रगति हुई है। चीन के रक्षा प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने यहां प्रेस वार्ता के दौरान 18 दिसंबर की विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, वर्तमान में, चीन और भारत की सेनाएं दोनों पक्षों के बीच सीमा संबंधी समझौतों को व्यापक और प्रभावी ढंग से लागू कर रही है और इसमें लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में, दोनों देशों के नेताओं द्वारा बनी आम सहमति के आधार पर, चीन और भारत ने कूटनीतिक और सैन्य तरीकों से सीमा की स्थिति पर निरंतर संपर्क बनाए रखा है और काफी प्रगति हासिल की है। भारत और चीन के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने यहां मुलाकात की और समझौते के कार्यान्वयन और संबंधों की बहाली पर व्यापक बातचीत की थी। विशेष प्रतिनिधि वार्ता तंत्र को पुनर्जीवित करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर में रूस के कजान में हुई बैठक में लिया गया था। कर्नल झांग ने कहा कि चीन-भारत संबंधों को सही रास्ते पर लाना दोनों देशों के लोगों के हितों को पूरा करने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, चीनी सेना दोनों नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को ईमानदारी से लागू करने, अधिक आदान-प्रदान और संपर्क करने तथा चीन-भारत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थाई शांति और सौहार्द का माहौल कायम किया जा सके। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उसके बाद उसी वर्ष जून में गलवान घाटी में घातक झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसियों के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

इजराइल-हमास युद्ध: गाजा में तंबू में रह रही बच्ची की ठंड के कारण मौत

यरूशलम। (एपी) इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण गाजा में कड़ाके की ठंड में तंबू में रहने को मजबूर तीन सप्ताह की एक बच्ची की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इजराइल और हमास एक दूसरे पर युद्ध विराम समझौते को जटिल बनाने के आरोप लगा रहे हैं।

चिकित्सकों ने बताया कि हाल के दिनों में गाजा में तंबुओं में रह रहे बच्चे की ठंड से मौत का यह तीसरा मामला है। इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीने से जारी युद्ध ने भारी तबाही मचाई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल द्वारा गाजा पर की गई बमबारी और जमीनी हमलों में 45,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। इस युद्ध के कारण गाजा की करीब 23 लाख आबादी में से लगभग 90 प्रतिशत लोगों को कई बार विस्थापित होना पड़ा है। तंबुओं में रह रहे हजारों लोग ठंड शुरू होने के कारण ठिठुर रहे हैं। सहायता समूहों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सहायता समूहों के अनुसार, इन लोगों के पास कंबल और गर्म कपड़े तक नहीं हैं।खान यूनिस शहर के बाहर मुवासी इलाके में तंबू में रहने को मजबूर तीन सप्ताह की सिला के पिता महमूद अल-फसीह ने कहा कि उन्होंने बच्ची को ठंड से बचाने के लिए कंबल में लपेट कर रखा लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला, साल के अंत में छुट्टियों के मौसम में उड़ानों में देरी

तोक्यो। (एपी) जापान एयरलाइंस (जेएएल) ने कहा कि बृहस्पतिवार को उस पर साइबर हमला होने के कारण उसकी 20 से ज़्यादा घरेलू उड़ानों में देरी हुई, लेकिन उसने कुछ घंटों बाद अपने सिस्टम को बहाल कर लिया तथा उड़ान सुरक्षा पर भी कोई असर नहीं पड़ा।जेएएल ने कहा कि समस्या बृहस्पतिवार की सुबह तब शुरू हुई जब कंपनी के आंतरिक और बाहरी सिस्टम को जोड़ने वाले नेटवर्क में खराबी आने लगी। एयरलाइन ने कहा कि उसने इसका कारण यह पता लगाया कि यह हमला नेटवर्क सिस्टम को डेटा के बड़े पैमाने पर प्रसारण से बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। इस तरह के हमले सिस्टम या नेटवर्क को तब तक बेहद व्यस्त कर देते हैं जब तक कि लक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल जाती या सिस्टम क्रैश नहीं हो जाता।जेएएल ने कहा कि इस हमले में कोई वायरस शामिल नहीं था और न ही इससे ग्राहकों का कोई डेटा लीक हुआ। उसने कहा कि सुबह तक साइबर हमले के कारण 24 घरेलू उड़ानों में 30 मिनट से ज़्यादा देरी हुई। विशेषज्ञों ने जापान की साइबर सुरक्षा की कमज़ोरी के बारे में बार-बार चिंता जताई है, ख़ास तौर पर तब जब देश अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ा रहा है और अमेरिका तथा अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है, जहाँ साइबर सुरक्षा बहुत ज़्यादा कड़ी है।

जापान ने कदम उठाए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि और काम करने की ज़रूरत है।जून में, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसे 2023 से साइबर हमलों का लगातार सामना करना पड़ा है, हालांकि रॉकेट, उपग्रहों और रक्षा से संबंधित संवेदनशील जानकारी प्रभावित नहीं हुई है। एजेंसी निवारक उपाय करने के लिए जांच कर रही है। पिछले साल, एक साइबर हमले ने नागोया शहर के एक बंदरगाह पर एक कंटेनर टर्मिनल पर तीन दिनों तक परिचालन को ठप कर दिया था।बृहस्पतिवार को प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों के लिए जेएएल की टिकट बिक्री अस्थाई रूप से रोक दी गई थी, लेकिन बाद में यह फिर से शुरू हो गई। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने बृहस्पतिवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि परिवहन मंत्रालय ने जेएएल को सिस्टम को बहाल करने और प्रभावित यात्रियों को समायोजित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए कहा है। टेलीविजन फुटेज में तोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पर कई यात्री टर्मिनलों में भीड़ दिखी, क्योंकि यह हमला साल के अंत में छुट्टियों के मौसम में हुआ। नए साल की छुट्टियों के लिए इस सप्ताहांत से कार्यालय बंद हो जाएंगे। यह साल का सबसे बड़ा उत्सव है, जब लाखों लोग शहरों से अपने गृहनगर वापस जाते हैं।

बांग्लादेश सचिवालय में भीषण आग, सरकारी दस्तावेज जले

ढाका।(भाषा) ढाका में बांग्लादेश सचिवालय की एक प्रमुख इमारत में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई, जिससे सरकारी दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों को आशंका है कि सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से ही घटना को अंजाम दिया गया और इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। बांग्लादेश सचिवालय की इमारत संख्या सात में आग लगी और करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नौ मंजिला इमारत में सात मंत्रालय मौजूद हैं। उच्च सुरक्षा वाले परिसर में बृहस्पतिवार सुबह आग लगी। हालांकि, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहेद कमाल ने संवाददाताओं को बताया, कल (बुधवार) आधी रात के बाद इमारत में तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई। उन्होंने संकेत दिया कि आग संभवत: दुर्घटनावश नहीं लगी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे इमारत के अलावा अन्य मंत्रालयों को भी अपना सामान्य कामकाज रोकना पड़ा जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कई कर्मचारी परिसर में प्रवेश नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि इमारत संख्या सात की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित अधिकांश कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि स्थानीय प्रशासन, डाक एवं दूरसंचार मंत्रालयों के दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। एक अधिकारी ने इमारत का दौरा करने के बाद बताया, आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी से कई दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचा। इमारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कबूतर मरे हुए पाए गए और खिड़कियां टूटी हुई थीं। अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ महमूद सजीब भुइयां ने कहा, षड्यंत्रकारियों ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं की हैं।

उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है, उनमें अपदस्थ आवामी लीग शासन के दौरान हुए लाखों डॉलर के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले कागजात और सबूत शामिल हैं। भुइयां ने कहा, अगर कोई भी हमें (भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्वाई में) विफल करने में संलिप्त पाया गया तो उसे (दंडात्मक कार्वाई से) बचने का जरा सा भी मौका नहीं दिया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने वरिष्ठ नौकरशाहों, अग्निशमन सेवा और पुलिस अधिकारियों वाली सात सदस्यीय समिति का गठन किया।

महाराजा चार्ल्स ने क्रिसमस संदेश में राष्ट्रमंडल सैनिकों को याद किया

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपने वार्षिक क्रिसमस संदेश में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान राष्ट्रमंडल सैनिकों के बलिदान को याद किया। चार्ल्स ने बुधवार शाम प्रसारित अपने संबोधन की शुरुआत इस साल डी-डे लैंडिंग की 80वीं वर्षगांठ के जिक्र के साथ की। उन्होंने कहा कि सेवा और निस्वार्थ के ऐसे उदाहरण पीढ़ियों तक प्रेरित करते रहेंगे। डी-डे लैंडिंग के तहत छह जून 1944 को मित्र देशों के सैनिकों ने नाजियों के कब्जे वाले नॉरमैंडी (फ्रांस) पर धावा बोला था। इस अभियान ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी के खिलाफ मित्र देशों की जीत की नींव रखी थी। चार्ल्स ने कहा, साल की शुरुआत में, जब हमने डी-डे की 80वीं वर्षगांठ मनाई, तब महारानी कैमिला और मुझे एक बार फिर उस खास पीढ़ी के उल्लेखनीय दिग्गजों से मिलने का सौभाग्य हासिल हुआ, जिन्होंने हम सबकी तरफ से बहुत बहादुरी से खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, उस दौर में युवा रहे इन महिला और पुरुष सैनिकों से राष्ट्रमंडल के उन सैनिकों के बहादुरी के किस्से सुनकर हम अभिभूत हो गए, जो कभी लौटकर नहीं आए और जिन्होंने युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। सेवा और निस्वार्थ भावना का उनका उदाहरण पीढ़ियों तक प्रेरणा देता रहेगा। लंदन के फिट्जरोविया चैपल में फिल्माए गए इस संबोधन में चार्ल्स ने कैंसर के इलाज के दौरान उनकी और उनकी पुत्रवधू केट मिडिलटन की देखभाल करने वाले चिकित्सकों का आभार जताया। चार्ल्स ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं उन चिकित्सकों और नर्सों का खासतौर पर शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जिन्होंने इस साल बीमारी की अनिश्चितताओं और चिंताओं के बीच मेरा और मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का निस्वार्थ भाव से साथ दिया तथा हमें हिम्मत, देखभाल और आराम प्रदान करने में मदद की। साल 2006 के बाद इस वर्ष पहली बार ब्रिटिश राजघराने के प्रमुख का क्रिसमस संबोधन किसी शाही आवास के बाहर फिल्माया गया। 2006 में चार्ल्स की मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने क्रिसमस संदेश का फिल्मांकन लंदन के साउथवार्क कैथेड्रल में करवाया था।

श्रीलंका में सुनामी के दो दशक पूरे होने पर दो मिनट का मौन रखा गया

कोलंबो। श्रीलंका में भीषण तबाही मचाने वाली सुनामी के 20 साल पूरे होने पर बृहस्पतिवार को दो मिनट का मौन रखा गया। इस सुनामी में द्वीपीय देश के 30,000 से अधिक लोग मारे गए थे। श्रीलंका 26 दिसंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्य स्मृति समारोह दक्षिणी प्रांत कोलंबो से लगभग 90 किलोमीटर दूर पेरालिए में आयोजित किया गया, जहां सुनामी के कारण हुई दुनिया की सबसे भीषण रेल त्रासदी में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। यह सुनामी 9.1 तीव्रता के भूकंप से आई थी और इसे सबसे पहले द्वीप के पूर्वी तट पर महसूस किया गया। इसके बाद यह दक्षिण की ओर बढ़ी और इससे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कोलंबो से दक्षिणी शहर मतारा जा रही ट्रेन 26 दिसंबर, 2004 को सुबह 9:25 बजे सुनामी की तेज लहरों की चपेट में आ गई और कुछ ही समय में ट्रेन और उसकी पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं और उसमें सवार सभी लोग मारे गए। स्थानीय बौद्ध मंदिर के प्रमुख और अब पीड़ितों की याद में बनाए गए स्मारक के रखरखाव के लिए बोर्ड के प्रभारी परालिए विमाला ने कहा, यह दुनिया की सबसे बड़ी रेल दुर्घटना थी, जिसमें 3,000 से अधिक लोग मारे गए। रेवरेंड विमला ने कहा कि गांव के 3,000 से अधिक सुनामी पीड़ितों को स्मारक के दोनों ओर स्थित तीन सामूहिक कब्रों में दफनाया गया था। बृहस्पतिवार सुबह 9.25 बजे ट्रेन उसी जगह पर रुकी जहां 20 साल पहले सुनामी की लहरें आई थीं। कुछ पीड़ितों के रिश्तेदार पास के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के लिए फूल लेकर जाते देखे गए। इस त्रासदी में अपने ससुर और छह साल की भतीजी को खोने वाली तुशारि जयानी ने कहा, मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहती, 20 साल बाद भी यह बहुत दुखद है।

गाजा में इजराइल के हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। गाजा पट्टी में बीती रात एक अस्पताल के बाहर हुए इजराइली हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार तड़के यह जानकारी दी।हमला मध्य गाजा में नुसीरत शरणार्थी शिविर में बनाए गए अल-अवदा अस्पताल के बाहर एक कार पर हुआ। पत्रकार स्थानीय कुद्स न्यूज नेटवर्क के लिए काम करते थे। कुद्स न्यूज नेटवर्क ने भी हमले के बारे में खबर दी है।इजराइली सेना की ओर से इस बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई।दक्षिण इजराइल पर अचानक हमास के हमले के बाद इजराइल करीब 15 महीने से चरमपंथी समूह से युद्ध लड़ रहा है। इजराइल का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बना रहा है और आम लोगों को बख्शने की कोशिश कर रहा है।

हिंद महासागर में 20 साल पहले आई सुनामी में मारे गए लोगों की याद में प्रार्थनाएं की गईं

बंदा असेह (इंडोनेशिया)। (एपी) हिंद महासागर में 20 साल पहले आई सुनामी में मारे गए व्यक्तियों की याद में इंडोनेशिया के असेह प्रांत में बृहस्पतिवार को लोगों ने सामूहिक कब्रों पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और शोक प्रकट किया। उली लहुए गांव में सामूहिक कब्र पर काफी संख्या में लोग पहुंचे, जहां 14,000 से अधिक अज्ञात लोगों के शवों को दफनाया गया था। यह इंडोनेशिया के असेह प्रांत की राजधानी बंदा असेह में मौजूद सामूहिक कब्रों में से एक है। सुनामी ने यहां सबसे ज्यादा तबाही मचाई थी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के तट पर 26 दिसंबर, 2004 को 9.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके बाद आई सुनामी में 12 से अधिक देशों में करीब 2,30,000 लोगों की जान चली गई थी। अकेले इंडोनेशिया में 1,70,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसका असर पूर्वी अफ्रीका तक देखा गया था और करीब 17 लाख लोग बेघर हो गए थे। सुनामी के प्रभाव से इंडोनेशिया, श्रीलंका, भारत और थाईलैंड में सबसे ज्यादा लोग बेघर हुए थे।

नेतन्याहू ने हनुक्काह पर शुभकामनाओं के लिए मोदी को धन्यवाद दिया

यरूशलम। (भाषा) इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को हनुक्काह पर उनकी शुभकामनाओं और मित्रता के लिए धन्यवाद दिया तथा छुट्टियों के इस समय को अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाए जाने की कामना की। आठ दिन तक मनाया जाने वाला हनुक्काह यहूदी पर्व है जिसे रोशनी का त्योहार भी कहा जाता है। इसे चानुका भी कहा जाता है। इजराइल में बहुत से लोग इसकी तुलना दीपावली से करते हैं। नेतन्याहू ने कई मौकों पर अंधकार पर प्रकाश की विजय की बात कही है। उन्होंने युद्ध के संदर्भ में जुलाई में अमेरिकी कांग्रेस में भी अपने संबोधन में इसका इस्तेमाल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आपके दयालु चानुका अभिवादन और इज़राइल के प्रति आपकी निरंतर मित्रता को लेकर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। नेतन्याहू ने कहा, यह छुट्टियों का मौसम आनंदमय हो और अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप

में मनाया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष नेतन्याहू और विश्व भर में हनुक्काह पर्व मना रहे लोगों को शुभकामनाएं दीं।मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और दुनिया भर में हनुक्काह का पर्व मना रहे सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं।

पौधों के पौष्टिक गुणों में कमी ला रहा जलवायु परिवर्तन

द कन्वरसेशन। वाशिंगटन

भंवरे से लेकर खरगोश तक, गायों से लेकर हाथियों तक, धरती पर मौजूद एक-तिहाई से अधिक प्राणी वनस्पति-आधारित आहार पर निर्भर हैं। चूंकि, पौधे कम कैलोरी वाले खाद्य स्रोत हैं, इसलिए जानवरों के लिए उनसे अपनी जरूरत के मुताबिक ऊर्जा हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। और अब जलवायु परिवर्तन से वनस्पति-आधारित आहार के पौष्टिक गुण प्रभावित होने की बात सामने आई है। मानव गतिविधियां वायु मंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ा रही हैं, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। नतीजतन, दुनियाभर के पारिस्थितिक तंत्र में कई पौधे तेजी से बढ़ रहे हैं। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि पृथ्वी की यह हरियाली पौधों में अधिक कार्बन का भंडारण करके ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में आंशिक रूप से कमी ला सकती है। हालांकि, इसका एक नुकसान भी है। तेजी से विकसित होने वाले पौधों में पौष्टिक गुण कम हो सकते हैं। मैं एक पारिस्थितिकीविज्ञानी हूं और सहकर्मियों के साथ यह पता लगाने की दिशा में काम करता हूं कि पोषक तत्वों में कमी वनस्पति-आधारित आहार पर निर्भर जीवों को कैसे प्रभावित कर सकती है। हमने छोटे टिड्डों से लेकर विशाल पांडा तक, वनस्पति-आधारित आहार पर निर्भर विभिन्न जीवों पर इसका प्रभाव आंका। हमारा मानना है कि पौधों के पोषक गुणों में दीर्घकालिक परिवर्तन जानवरों की आबादी घटने का एक बड़ा कारण हो सकता है। हालांकि, पौधों के पौष्टिक गुणों में कमी का असर समुद्र के बढ़ते तापमान की तरह स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, और न ही यह चक्रवाती तूफान की तरह अचानक होता है, लेकिन समय बीतने के साथ इसका व्यापक प्रभाव नजर आने लगता है। सामान्य आहार के कम पौष्टिक होने पर पौधों पर निर्भर जानवरों को भोजन ढूंढने और उसका सेवन करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत पड़ सकती है, जिससे उनके शिकारियों का शिकार बनने का जोखिम बढ़ जाता है। यही नहीं, पौष्टिक तत्वों में कमी से जानवर कमजोर हो सकते हैं और उनकी प्रजनन क्षमता भी घट सकती है।

बढ़ता कार्बन, घटता पोषण:- विभिन्न अध्ययन से पहले ही साबित हो चुका है कि जलवायु परिवर्तन से फसलों के पौष्टिक गुणों में कमी आ रही है। शारीरिक एवं मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाने वाले सूक्ष्म पोषक तत्वों (माइक्रोन्यूट्रिएंट), मसलन-कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक के स्तर में कमी खासतौर पर चिंता का विषय है। वायु मंडल में कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर में इजाफे से आने वाले दशकों में मानव शरीर में आयरन, जिंक और प्रोटीन की कमी बढ़ सकती है। पूर्वी और मध्य एशिया सहित अन्य क्षेत्रों में गेहूं तथा चावल पर अत्यधिक निर्भर मनुष्यों के स्वास्थ्य एवं अस्तित्व पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ने का अनुमान है। मवेशियों के चारे में भी पोषक तत्वों के स्तर में कमी आ रही है। इससे न सिर्फ उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि पशु पालकों की आमदनी भी घट रही है।

जंगली जानवर भी अछूते नहीं :जलवायु परिवर्तन के कारण जंगली जानवर भी पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। मिसाल के तौर पर पांडा को ही ले लीजिए, जिनकी प्रजनन दर बहुत धीमी है और जिन्हें निवास स्थान के रूप में बांस के बड़े, जुड़े हुए झुंड की आवश्यकता होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण न सिर्फ बांस के पौष्टिक गुणों में कमी आ रही है, बल्कि उसके लिए अपना अस्तित्व बनाए रखना भी मुश्किल हो गया है। इससे कृषि और विकास गतिविधियों के लिए भूउपयोग में बदलाव के कारण पहले से ही संकटग्रस्ट पांडा के विलुप्तिकरण का खतरा और बढ़ गया है।

कीट-पतंगों के अस्तित्व पर खतरा:-कीट-पतंगे न सिर्फ पराग कणों के छिड़काव के लिए अहम माने जाते हैं, बल्कि कई जीवों के लिए आहार के रूप में भी काम कर करते हैं। ज्यादातर कीड़े पौधा-आधारित आहार लेते हैं। विभिन्न अध्ययनों में देखा गया है कि कार्बन उत्सर्जन का स्तर बढ़ने पर कीट-पतंगों की आबादी घटने लगती है, जिसके लिए बहुत हद तक पौधों के पौष्टिक गुणों में आने वाली कमी जिम्मेदार होती है।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसम्बर, 2024

बुमराह ने भारत को मैच में लौटाया आस्ट्रेलिया के छह विकेट पर 311 रन

भाषा। मेलबर्न

विषम परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने वाले जसप्रीत बुमराह ने भारत को मैच में लौटाया जबकि आस्ट्रेलिया ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास के आक्रामक अर्धशतक समेत शीर्ष क्रम के मजबूत प्रदर्शन के दम पर चौथे टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को छह विकेट पर 311 रन बना लिए। कोंस्टास के 65 गेंद में 60 रन ने जहां एमसीजी पर जुटे 80000 से अधिक दर्शकों में जोश भर दिया तो बुमराह के 21 ओवर में 75 रन देकर तीन विकेट लेने के बाद दर्शक दीर्घा से बूम बूम बुमराह का शोर भी सुनाई दिया। लगातार दो शतक बनाकर इस टेस्ट में उतरे ट्रेविस हेड से बुमराह की गेंद को भांपने में गलती हुई और वह 67वें ओवर में अपना विकेट गंवा बैठे। अगले ओवर में बुमराह ने खराब फॉर्म से जूझ रहे मिचेल मार्श (चार) को आउट किया जबकि लंच के बाद उस्मान ख्वाजा (121 गेंद में 57 रन) को पवेलियन भेजा था। पहले दो सत्र का खेल आस्ट्रेलिया के नाम रहा जिसके लिए ख्वाजा और कोंस्टास के अलावा मार्नस लाबुशन (145 गेंद में 72 रन) और स्टीव स्मिथ (111 गेंद में नाबाद 68 रन) ने अर्धशतक लगाए। आखिरी सत्र बुमराह का रहा जिन्होंने भारत की मैच में वापसी कराई। बुमराह के अब श्रृंखला में 24 विकेट हो गए हैं। दूसरे छोर से उन्हें मोहम्मद सिराज से बिल्कुल मदद नहीं मिली जिन्होंने 15 ओवर में 69 रन दे डाले और कोई विकेट नहीं मिली। आफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर ने 12 ओवर में 37 रन देकर एक विकेट लिए। वहीं आकाश दीप ने 19 ओवर में 59 रन देकर एक विकेट चटकाया। रविंद्र जडेजा भी महंगे साबित हुए जिन्होंने कोंस्टास का विकेट लेने के बावजूद 14 ओवर में 54 रन दिए। सुबह के सत्र में कोंस्टास छाए रहे। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 19 बरस के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 52 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया और 65 गेंद में 60 रन बनाकर साबित कर दिया कि उन्हें अंतिम एकादश में रखने का फैसला कितना सही था। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले सत्र में कोंस्टास की भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली से संक्षिप्त झड़प भी हुई। शुरूआत में कोंस्टास को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खेलने में दिक्कत आई लेकिन पहले कुछ रन बनाने के बाद वह लय में आ गए। बेखौफ खेल दिखाते हुए उन्होंने बुमराह को रिवर्स स्वीप लगाकर चौका जड़ा और फिर मिड आन पर छक्का लगा दिया। इसके बाद उन्होंने थर्डमैन पर चौका लगाया। बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के पहले ही स्पैल में पहली बार दो छक्के पड़े हैं। इससे पहले टेस्ट मैच में उन्हें 2021 में कैमरन ग्रीन ने छक्का लगाया था। कोंस्टास ने अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। कोंस्टास ने अनुभवी उस्मान ख्वाजा (नाबाद 38) के साथ 89 रन की साझेदारी की। ख्वाजा ने 121 गेंद में 57 रन की संयम से भरी पारी खेली। मोहम्मद सिराज जब गेंदबाजी पर आए तो दर्शकों ने काफी हूटिंग की क्योंकि उन्होंने कोंस्टास पर उसकी अपारंपरिक बल्लेबाजी शैली के लिए छींटाकशी की थी। सिराज ने या तो बहुत फुललैंग्थ गेंद डाली या शॉर्टपिच गेंद फेंकी। पहले स्पैल में भारतीय तेज गेंदबाजों में सिर्फ आकाश दीप लय में दिखे। साझेदारी टूटती नहीं देख भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 16वें ओवर में जडेजा को गेंद सौंपी जिन्होंने कोंस्टास को पगबाधा आउट करके कप्तान के फैसले को सही साबित किया। दर्शकों ने पवेलियन लौटते कोंस्टास का खड़े होकर अभिवादन किया। वहीं ख्वाजा अपनी गलती से विकेट गंवा बैठे और बुमराह की गेंद पर पुल शॉट की टाइमिंग खराब होने से गेंद सीधे केएल राहुल के हाथ में गई। दूसरे सत्र में यही एक विकेट गिरा।

स्कोर बोर्ड

आस्ट्रेलिया पहली पारी :

सैम कोंस्टास पगबाधा बो जडेजा 60
उस्मान ख्वाजा का राहुल बो बुमराह 57
मार्नस लाबुशेन का कोहली बो सुंदर 72
स्टीव स्मिथ नाबाद 68
ट्रेविस हेड बो बुमराह 0
मिचेल मार्श का पंत बो बुमराह 4
एलेक्स कैरी का पंत बो आकाश दीप 31
पैट कमिंस नाबाद 8
अतिरिक्त : 11 रन
योग : 86 ओवर में छह विकेट पर 311 रन
विकेट पतन :1-89, 2-154, 3-237, 4-240, 5-246, 6-299

गेंदबाजी :

बुमराह 21	7	75	3
सिराज 5	2	69	0
आकाश दीप19	5	59	1
जडेजा 14	2	54	1
रेड्डी 5	0	10	0
सुंदर 12	2	37	1

कोहली, कोंस्टास के बीच झड़प

आईसीसी ने भारतीय स्टार पर लगाया जुर्माना

मेलबर्न। (भाषा) विराट कोहली और टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को मैदान पर झड़प हो गई जिसके लिए भारतीय क्रिकेटर पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया। आस्ट्रेलियाई पारी के दसवें ओवर के बाद जब खिलाड़ी एक दूसरे के सामने से गुजर रहे थे तब कोहली और कोंस्टास के कंधे टकरा गए। दोनों खिलाड़ियों ने पलटकर एक दूसरे को घूरकर देखा और कुछ बोले भी। इस बीच आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने आकर दोनों को अलग किया। मैदानी अंपायरों ने भी दोनों से बात की। मैदानी अंपायर जोएल विल्सन और माइकल गफ, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर शॉन क्रेग ने कोहली पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन करने का आरोप लगाया।कोहली ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बयान में कहा, विराट कोहली पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के कारण उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया है। बयान के अनुसार, इस मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी क्योंकि कोहली ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कोंस्टास ने कहा कि कोहली जान बूझकर उनसे नहीं टकराए थे। उन्होंने कहा , विराट कोहली गलती से मुझसे टकरा गए। यह क्रिकेट है और तनाव में ऐसा हो जाता है। कोंस्टास ने दूसरे सत्र के दौरान चैनल 7 से कहा , मुझे लगता है कि हम दोनों पर जज्बात हावी हो गए थे। मुझे समझ में ही नहीं आया। मैं अपने दस्ताने पहन रहा था कि अचानक उनका कंधा मुझसे टकराया। क्रिकेट में यह सब होता रहता है। आईसीसी की आचार संहिता के अनुसार क्रिकेट में किसी भी तरह का अनुचित शारीरिक संपर्क निषिद्ध है। अगर खिलाड़ी किसी दूसरे खिलाड़ी या अंपायर से टकराते हैं या कंधे लगाते हैं , चाहे जान बूझकर या अनजाने में तो इस नियम का उल्लंघन माना जाएगा। लेवल एक के अपराध में मैच फीस का जुर्माना होता है। लेवल दो के अपराध में तीन या चार डिमैरिट अंक हो सकते हैं। चार डिमैरिट अंक होने पर एक मैच का निलंबन लग जाता है। कोंस्टास उस समय 27 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो चौके और एक छक्का लगाया। वह अर्धशतक बनाने के बाद रविंद्र जडेजा की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। पहले दिन के खेल के बाद मीडिया से मुखातिब भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने इस घटना को तूल नहीं दिया। उन्होंने सवालों के जवाब में कहा , जब आप खेलते हैं तो जज्बात उमड़ते हैं लेकिन यह उतना बड़ा मामला नहीं है। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ था और क्या कहा गया। वहीं आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने इस घटना के लिए कोहली को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा , देखो कि विराट कहां से चलकर आया है। वह पूरी पिच पार करके आया और झड़प की शुरूआत की। मुझे इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा , मुझे इसमें कोई शक नहीं कि अंपायर और मैच रैफरी इस घटना पर गौर करेंगे। उस समय फील्डर को बल्लेबाज के करीब नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा , मुझे ऐसा लगा कि कोंस्टास ने काफी देर बाद ऊपर देखा। उसे पता भी नहीं चला कि कोई उसके सामने है। स्क्रीन पर दिख रहे उस व्यक्ति (कोहली) को जरूर कुछ सवालों के जवाब देने होंगे।

भारतीय महिला टीम की नजरें वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ करने पर

वडोदरा। (भाषा) भारतीय महिला टीम खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी एक दिवसीय मैच में शुक्रवार को क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी।

आस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे हारने के बाद भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत की राह पर वापसी की है। भारतीय टीम ने श्रृंखला में 300 से अधिक के स्कोर बनाए हैं। पहले मैच में स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने वाली पत्रिका रावल ने दूसरे वनडे में बेहतर प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। हरलीन देयोल ने दूसरे मैच में तीसरे नंबर पर उतरकर शतक जड़ा और वह इस लय को कायम रखना चाहेंगी। पूरी तरह से फिट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर भी आत्मविश्वास से भरी लग रही हैं लेकिन अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर ने तेज गेंदबाजी में अगुवाई की है जबकि युवा टिटास साधू को भी विकेट मिले हैं। लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने भी प्रभावित किया है। यह मुकाबला चूंकि औपचारिकता का है लिहाजा भारतीय टीम में तनुजा कंवर और तेजल हसब्निस को उतारा जा सकता है। वेस्टइंडीज टीम को जीत के साथ स्वदेश लौटने के लिए अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। उसके लिए सिर्फ हेली मैथ्यूज ही प्रभावित कर सकी हैं।

टीमें : भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधु, साइमा ठाकुर, रेणुका सिंह ठाकुर।

वेस्टइंडीज: हेली मैथ्यूज (कप्तान), शेमाइन कैंपबेल (उप-कप्तान), आलिया एलेने, शमिलिया कॉनेल, नेरिसा क्राफ्टन, डींड्रा डोटिन, अफी फ्लेचर, शबिका गजनबी, चिनेले हेनरी, ज़ैदा जेम्स, कियाना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसर, करिश्मा रामहरैक , राशदा विलियम्स।

गिल के बाहर करने पर नायर ने कहा

रोहित को पारी का आगाज कराने की जरूरत थी

मेलबर्न। (भाषा) भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने बृहस्पतिवार को शुभमन गिल को बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर करने का बचाव करते हुए कहा कि रोहित शर्मा से पारी का आगाज कराना ही टीम के हित में नहीं था बल्कि स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को शामिल करके आक्रमण को पैना करना भी था। गिल उंगली की चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में 31 और 28 रन बनाए। वह भारतीय बल्लेबाजों में सबसे भरोसेमंद दिखे, लेकिन ब्रिस्बेन में शून्य पर आउट हो गए। रोहित शर्मा के पारी की शुरूआत करने और केएल राहुल के तीसरे नंबर पर आने के कारण गिल को तीसरे विशेषज्ञ ऑलराउंडर वाशिंगटन के लिए जगह बनानी पड़ी। दिन का खेल खत्म होने के बाद नायर ने कहा, हां, रोहित बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आएंगे और पूरी संभावना है कि वह पारी की शुरूआत करेंगे। यही योजना थी। दुर्भाग्य से गिल को बाहर होना पड़ा जिस तरह से चीजें आगे बढ़ीं उन्हें बाहर होना पड़ा। मुंबई के पूर्व दिग्गज ने कहा, मुझे लगता है कि इस तरह की स्थिति में एक युवा खिलाड़ी बड़े दिन पर अपनी छाप छोड़ना चाहता है। वह समझता है कि यह टीम की जरूरत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह इस मैच टीम में जगह नहीं बना सका। उन्होंने विस्तार से बताया कि गिल की तुलना में एमसीजी में वाशिंगटन को खिलाना क्यों उचित था।

भावनाएं ठीक, लेकिन नहीं चाहता था कि शारीरिक संपर्क हो: ख्वाजा

मेलबर्न। (भाषा) कई पूर्व खिलाड़ियों को बृहस्पतिवार को युवा सैम कोंस्टास के साथ विराट कोहली का टकराना पसंद नहीं आया और ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का कहना है कि उन्होंने तनाव कम करने के लिए बीच बचाव किया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि स्थिति हाथ से निकल जाए।

ख्वाजा उस समय क्रीज पर थे जब चौथे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई पारी के 10वें ओवर में यह घटना घटी। कोहली और कोंस्टास के कंधे टकराए और दोनों एक-दूसरे की ओर देखने लगे जिसके बाद उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। ख्वाजा ने तुरंत कोहली के गले में हाथ डालकर उन्हें अलग किया। मैदानी अंपायरों ने भी दोनों से बात की जिसके बाद मामला जल्द ही शांत हो गया।

ख्वाजा ने एबीसी को बताया, मैं दूसरी ओर जा रहा था और जैसे ही मैंने मुड़कर देखा तो मैंने उन्हें टकराते हुए देखा। मैं सोच रहा था, क्या हो रहा है? सैमी आक्रामक खेल रहे थे। मैं बस स्थिति को शांत करने आया। उन्होंने कहा, भावनाएं ठीक हैं। लेकिन सैम और (जसप्रीत) बुमराह और विराट के बीच पूरे समय थोड़ी तनातनी चल रही थी। लेकिन मैं नहीं चाहता था कि यह किसी शारीरिक संपर्क से खराब हो। ख्वाजा ने कहा, मैं लंबे समय से विराट को जानता हूं। हम लंबे समय से दोस्त हैं। मैंने (कोंस्टास से) कहा, शांत रहो। मैं उससे बात करूंगा। तुम शांत रहो, और मैं इसे सुलझा लूंगा। पूर्व खिलाड़ी जस्टिन लैंगर, माइकल वॉन और अंपायर साइमन टफेल को भी लगता है कि कोहली की गलती थी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच लैंगर ने सेवन नेटवर्क के लिए कमेंट्री के दौरान कहा, हमें किसी भी क्रिकेट में ऐसा देखना पसंद नहीं है। वॉन ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, विराट कोहली इतने अनुभवी पेशेवर खिलाड़ी हैं। 19 साल के खिलाड़ी पर खीझ उतारना ठीक नहीं। विराट ही सैम के पास जाकर टकराया। टफेल ने कहा, दिख रहा है कि विराट कोहली ही सैम कोंस्टास से टक्कर के लिए अपनी जगह बदल कर उसकी ओर जा रहे हैं।

ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदो पर परेशानी पर बोले कोहली, अनुशासित प्रदर्शन नही कर पा रहा हूं

मेलबर्न। भारतीय सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की पिछली दो तीन पारियो में अनुशासित प्रदर्शन नही कर सके और बाकी दो टेस्ट मैचो में अपने स्ट्रोक्स खेलने के लिए वह क्रीज पर कुछ समय लेंगे। कोहली अधिकांश पारियो मे आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदो पर आउट हुए हैं। पर्थ मे पहले टेस्ट मे शतक जमाने के अलावा बाकी पांच पारियों में उन्होंने 26 रन ही बनाए हैं। कोहली ने बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरूआत से पहले फॉक्स स्पोटर्स से कहा , पिछली दो तीन पारियां वैसी नही रही जैसी मै चाहता था। मै अनुशासित प्रदर्शन नही कर पा रहा हूं। टेस्ट क्रिकेट मे इस तरह की चुनौती आती है। उन्होंने कहा , पिछली बार जब हमने यहां खेला था उसकी तुलना मे पिचें काफी तेज हैं। इसके लिए अलग तरीके से खेलना होगा और मुझे अलग अलग चुनौतियो का सामना करने मे मजा आता है। उन्होंने कहा , मैदान पर जमने की जरूरत है और एक बार क्रीज पर जमने के बाद अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। हालात का सम्मान करना जरूरी है। कोहली ने कहा , एमसीजी पर हमने अच्छी क्रिकेट खेली है। पिछली बार हम यहां जीते थे और 2022 मे भी। यह समझना होगा कि श्रृंखला की क्या स्थिति है और इससे दबाव हट जाएगा। हमें यहां अच्छा प्रदर्शन करके सिडनी टेस्ट से पहले बढ़त बनानी है।

कोंस्टास ने सहवाग की याद दिला दी: शास्त्री

मेलबर्न। सैम कोंस्टास ने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ अपनी बेबाक बल्लेबाजी से एमसीसी पर बल्लेबाजी करने के तरीके की धज्जियां उड़ा दी जिस पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस ऑस्ट्रेलियाई युवा ने उन्हें दिग्गज वीरेंद्र सहवाग की याद दिला दी।19 वर्षीय कोंस्टास ने टेस्ट पदार्पण पर अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होने आधुनिक क्रिकेट के सबसे सम्मानित तेज गेंदबाजो मे से एक बुमराह की गेंद पर अपने रैंप शॉट से भारतीय खेमे को हैरत में डाल दिया। शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने खेल के किसी भी प्रारूप में बुमराह के खिलाफ इस तरह बल्लेबाजी की है, लाल गेंद के क्रिकेट की तो बात ही छोड़िए। उन्होने कहा, इस तरह के आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरना और कुछ बेहतरीन शॉट लगाने की कोशिश करना, यह कुछ और ही था। उसने एमसीसी पर बल्लेबाजी करने के तरीके की धज्जियां उड़ा दी। शास्त्री ने कहा कि एक समय ऐसा लगा कि भारत के पास कोई योजना ही नही बची है। उन्होने कहा, शुरू मे वह पहले दो शॉट चूक गया और भारतीय खिलाड़ियों के चेहरों पर मुस्कान थी। उन्होने सोचा अगर वह मौके बनाएगा तो हम उसे जल्दी आउट कर देंगे। लेकिन जैसे ही वह ऐसा करने लगा, सारी मुस्कान गायब हो गई। आइडिया गायब हो गए।

विश्व रैपिड एंड ब्लिट्ज से अगले कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं एरिगेसी

न्यूयॉर्क ।(भाषा) ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी जब यहां विश्व रैपिड एंड ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत करेंगे तो उन्हें 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाला पहला भारतीय बनने की अपनी संभावनाओं को बरकरार रखने के लिए कड़ी चुनौतियों का सामना करना होगा।एरिगेसी 2024 से क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमेरिका के फैबियानो कारूआना से पीछे हैं। उन्हें यहां शुरू होने वाली विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीतने के लिए मुश्किल बाधाओं को पार करना होगा। पिछली बार किसी भारतीय ने यहां 2019 में खिताब जीता था जब कोनेरू हम्पी ने जीत हासिल की थी। वहीं 2017 में विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। दुनिया के शीर्ष रेटिंग वाले खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन रैपिड और ब्लिट्ज दोनों में शीर्ष वरीय के रूप में शतरंज के इस तेज संस्करण में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे और निश्चित रूप से किसी के लिए भी सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वी होंगे। एरिगेसी के लिए कार्लसन के साथ कारूआना और अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को पछाड़ना आसान नहीं होगा क्योंकि तीनों खिलाड़ी शतरंज के इस तेज प्रारूप में माहिर हैं। प्रतिभागियों की सूची में शतरंज की दुनिया के लगभग सभी दिग्गज शामिल हैं और सिर्फ एकमात्र बड़ा नाम डी गुकेश नहीं है जिन्होंने कुछ हफ्तों पहले सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद नाम वापस ले लिया था। भारत की ओर से आर प्रज्ञानानंदा से भी उम्मीद की जा सकती है। वह आराम कर चुके हैं और इस टूर्नामेंट के साथ साल का अंत अच्छी तरह करना चाहेंगे। एरिगेसी और प्रज्ञानानंदा के अलावा रौनक साधवानी और अरविंद चिदंबरम ओपन वर्ग में चुनौती पेश करने वाले दो अन्य भारतीय हैं। महिलाओं के वर्ग में हम्पी एक बार फिर भारतीयों में प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेंगी।

विजयवीर ने जीता पहला 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली। पंजाब के विजयवीर सिद्धू ने बृहस्पतिवार को यहां चल रही 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में पिस्टल स्पर्धाओं के लिए पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा का अपना पहला खिताब जीता। पेरिस ओलंपियन विजयवीर ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज मे आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट के साथी ओलंपियन गुरप्रीत सिंह को फाइनल मे 28-25 से हराया। वायुसेना के शिवम शुक्ला 23 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। विजयवीर क्वालीफिकेशन मे 581 अंक हासिल से दूसरे स्थान पर रहे। वह उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल से पीछे रहे जिन्होने 585 अंक हासिल किए। गुरप्रीत ने फाइनल के बाद घोषणा की कि यह उनकी आखिरी राष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी क्योंकि वह कोचिंग की ओर रुख कर रहे है। वह 575 के स्कोर के साथ छठा और अंतिम स्थान हासिल करने मे सफल रहे। जूनियर पुरुष आरएफपी मे महाराष्ट्र के राजवर्धन आशुतोष पाटिल ने 31 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा दूसरे स्थान पर रहे जबकि राजस्थान के अभिनव चौधरी ने कांस्य पदक जीता।

अनजाने में बेटे को मुश्किलों के लिए तैयार कर दिया कोंस्टास के पिता ने

मेलबर्न। (भाषा) सैम कोंस्टास को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने में कोई परेशानी नहीं हुई जिसके लिए उनके पिता को श्रेय दिया जा सकता है जिन्होंने बचपन में ट्रेनिंग के दौरान एक छोटी सी गलती कर दी थी।कोंस्टास ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया जिसकी चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी क्योंकि उन्होंने बृहस्पतिवार को बॉक्सिंग डे टेस्ट में 65 गेंद में 60 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी प्रतिभा पर चल रही लोगों की चर्चा को सही साबित कर दिया। कोंस्टास के रन जुटाने से कहीं ज्यादा नई गेंद से विश्व स्तरीय गेंदबाज बुमराह का सामना करने की उनकी निडरता ने विशेषज्ञों को उनकी प्रशंसा करने पर मजबूर कर दिया।कोंस्टास के भाई बिली पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट हैं। उन्होंने खुलासा किया कि कैसे उनके पिता की गलती ने उनके छोटे भाई को कम उम्र से ही तेज गेंदबाजी से निपटने में मदद की। बिली ने फॉक्स क्रिकेट को बताया, हम बच्चे थे और पहली बार जब पिताजी हमें बॉलिंग मशीन के पास ले गए तो उन्होंने इसे 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार पर रख दिया क्योंकि उन्हें लगा कि यह 90 किलोमीटर है। उन्होंने कहा, पिताजी ने मशीन शुरू की और उसने गेंद पर सीधे शॉट मार दिया। मुझे लगता है कि पांच या छह साल की उम्र से यह हमेशा उसका सपना रहा है। यह पूरे परिवार के लिए एक सपने के सच होने जैसा है और मैं भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं। बिली ने कहा, मैं पेशे से एक फिजियोथेरेपिस्ट हूं। मैंने उससे पूछा कि कल तुम कितने रन बनाओगे? तो उसने मुझसे कहा चिंता मत करो, मैं कुछ रन बनाऊंगा।

दिव्यांग चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के कोलंबो मे 12 से 21 जनवरी के बीच होने वाले दिव्यांग चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट मे भाग लेगी। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत के अलावा इस टूर्नामेंट मे इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम भी भाग लेगी। डीसीसीआई के महासचिव रवि चौहान ने यहां जारी बयान मे कहा, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 मे भारत की भागीदारी पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होने कहा, कोलंबो मे होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से न सिर्फ हमारे खिलाड़ियो को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा बल्कि इससे खेलो मे समान अवसर की महत्ता भी उजागर होगी।

हॉकी इंडिया लीग ने हमें बुलंदियों तक पहुंचाया, महिला टीम के लिए भी यही अपेक्षा : हरमनप्रीत

राउरकेला। भारतीय पुरूष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि हॉकी इंडिया लीग से महिला टीम को उसी तरह फायदा होगा जिस पर उनकी टीम को हुआ और वे ओलंपिक पदक जीतने मे कामयाब रहे। पुरूष लीग मे आठ टीमे होंगी और पहली बार हो रही महिला लीग मे छह टीमे रहेंगी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पांच दशक बाद लगातार दो ओलंपिक मे पदक जीते। हरमनप्रीत ने एक विज्ञप्ति मे कहा , हॉकी इंडिया लीग का प्रभाव भारतीय पुरूष हॉकी टीम मे आज तक देखा जा सकता है।ओलंपिक मे टीम की सफलता का एक कारण यह भी है कि कैरियर की शुरूआत मे लीग से हमें काफी एक्सपोजर मिला। उन्होने कहा , नामी गिरामी खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलने से हम बेहतर खिलाड़ी बने। उन्होने कहा , इस बार महिला लीग भी शुरू हो रही है और मुझे पूरा यकीन है कि इससे महिला टीम को भी उसी तरह से भविष्य मे फायदा मिलेगा। हरमनप्रीत हॉकी इंडिया लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बने है जिन्हे सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रूपए मे खरीदा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।